हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, सोमवार 11 मई 2026

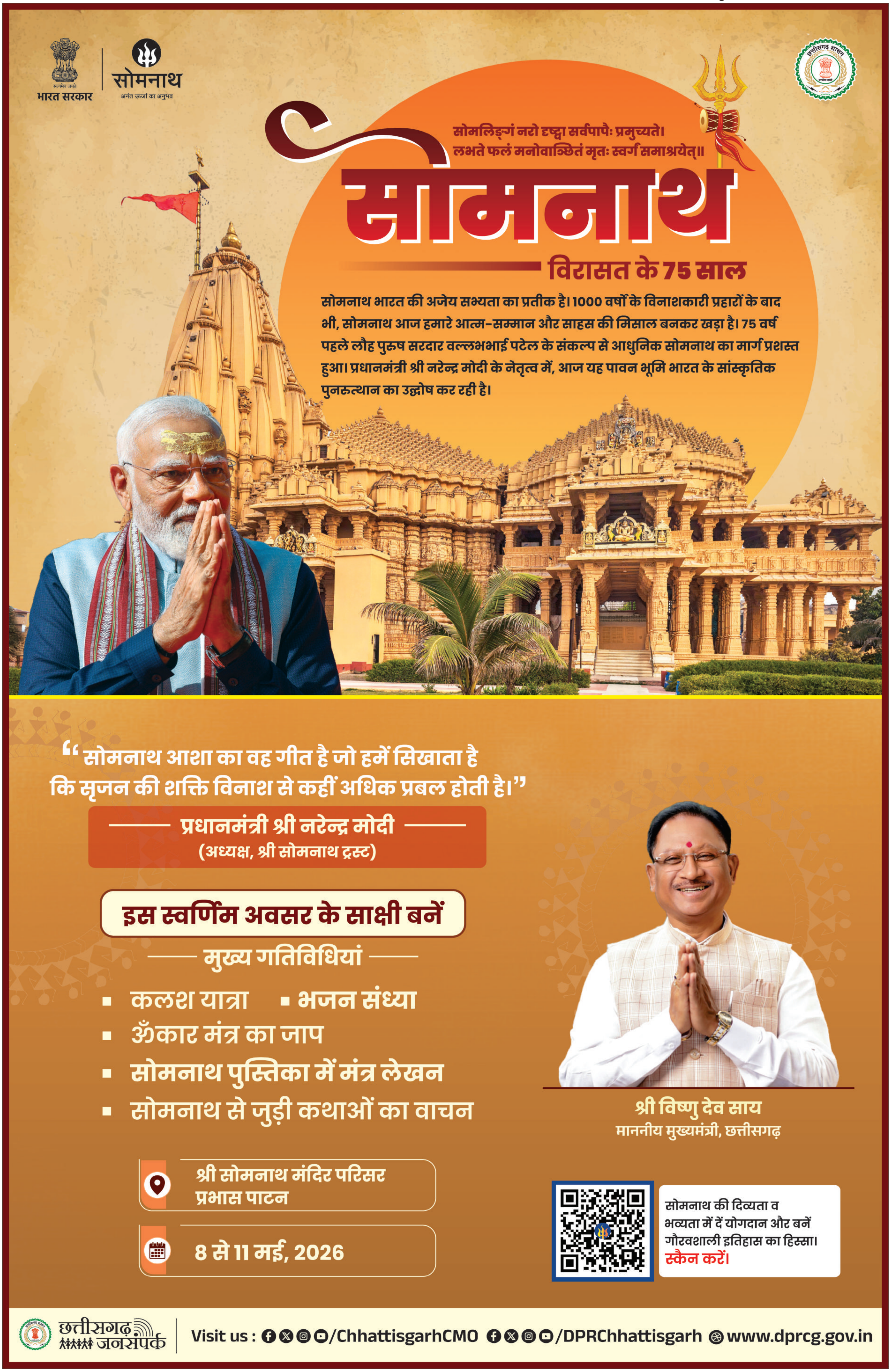
सत्यमेव जयते
भारत सरकार
सोमनाथ
अनंत ऊर्जा का अनुभव
छत्तीसगढ़ शासन
सोमलिङ्गं नरो दृष्ट्वा सर्वपापैः प्रमुच्यते।
लभते फलं मनोवाञ्छितं मृतः स्वर्गं समाश्रयेत्॥
सोमनाथ
विरासत के 75 साल
सोमनाथ भारत की अजेय सभ्यता का प्रतीक है। 1000 वर्षों के विनाशकारी प्रहारों के बाद भी, सोमनाथ आज हमारे आत्म-सम्मान और साहस की मिसाल बनकर खड़ा है। 75 वर्ष पहले लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के संकल्प से आधुनिक सोमनाथ का मार्ग प्रशस्त हुआ। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, आज यह पावन भूमि भारत के सांस्कृतिक पुनरुत्थान का उद्घोष कर रही है।
"सोमनाथ आशा का वह गीत है जो हमें सिखाता है
कि सृजन की शक्ति विनाश से कहीं अधिक प्रबल होती है।"
प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी
(अध्यक्ष, श्री सोमनाथ ट्रस्ट)
इस स्वर्णिम अवसर के साक्षी बनें
मुख्य गतिविधियां
▪ कलश यात्रा ▪ भजन संध्या
▪ ॐकार मंत्र का जाप
▪ सोमनाथ पुस्तिका में मंत्र लेखन
▪ सोमनाथ से जुड़ी कथाओं का वाचन
श्री सोमनाथ मंदिर परिसर
प्रभास पाटन
8 से 11 मई, 2026
श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़
सोमनाथ की दिव्यता व भव्यता में दें योगदान और बनें गौरवशाली इतिहास का हिस्सा।
स्कैन करें।
छत्तीसगढ़ जनसंपर्क
Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

मुंबई प्लेऑफ की रेस से बाहर : बेंगलुरु ने 2 विकेट से हराया, क्रुणाल की फिफ्टी

रायपुर में 'रो-को' को रोका

लाल रंग से सजे स्टेडियम की भव्यता ने मोहा मन

विराट और रोहित की सेना की भिड़ंत ने 'सुपर संडे' को बनाया यादगार

निकिता की दिलकश प्रस्तुति ने झुमाया

मैच से पहले स्टेडियम का माहौल तब और भी खुशनुमा हो गया, जब प्लेबैक सिंगर निकिता गांधी ने अपनी दिलकश प्रस्तुति दी। उन्होंने 'कहते हैं खुदा ने...', 'आज देखे जरा...' और 'क्या बात है...' जैसे सुपरहिट हिंदी और पंजाबी गानों पर लगातार 40 मिनट तक प्रस्तुति दी। आयोजकों द्वारा लगाए गए अत्याधुनिक थ्रीडी साउंड बॉक्स ने इस प्रस्तुति में समां बांध दिया। भीषण गर्मी के बावजूद दर्शक अपनी जगह पर खड़े होकर झूमते और नाचते रहे, जिससे पूरे स्टेडियम का माहौल एक भव्य क्रिकेट उत्सव में तब्दील हो गया।

हार्दिक की जगह सूर्यकुमार ने की कप्तानी

चोटिल हार्दिक आरसीबी के ख़िलाफ़ मैदान में नहीं उतरे। हार्दिक की जगह सूर्यकमार ने दूसरे बार मुंबई इंडियंस की कप्तानी की।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी के शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में आईपीएल के 'सुपर संडे' का महामुकाबला क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक कभी न भूलने वाला अनुभव बन गया। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और मुंबई इंडियंस के बीच खेले गए मैच में रॉयल चैलेंजर्स विजेता रही। इसके साथ ही मुंबई इंडियंस आईपीएल की प्लेऑफ रेस से बाहर हो गई है। इस मैच में रोहित शर्मा और विराट कोहली की बल्लेबाजी से दर्शक थोड़े निराश हुए। मुंबई इंडियंस की ओर से खेलते हुए रोहित शर्मा मात्र 22 रन बनाकर आउट हो गए, जिनसे दर्शक बड़ी पारी की उम्मीद कर रहे थे। वहीं, कोहली की धुआंधार बल्लेबाजी देखने हजारों की संख्या में पहुंचे दर्शक जीरो पर पवेलियन लौटने से दुखी हुए, हालांकि तिलक वर्मा और क्रुणाल पंडया ने रनों की बौछार कर दर्शकों को बांधे रखा।

आरसीबी ने अपने दूसरे होम ग्राउंड में मुंबई इंडियन को दो विकेट से पराजित किया। टॉस जीतकर पहले क्षेत्र रक्षण लेते हुए मुंबई को बल्लेबाजी के लिए उतारा। मुंबई ने धीमी शुरुआत करते हुए पहले पॉवर प्ले में तीन विकेट खोकर 53 रन बनाए। मुंबई ▶▶| शेष पेज 6 पर

चारों तरफ दर्शक 'विराट' की 18 नंबर वाली जर्सी पहने नजर आए

स्टेडियम के चारों तरफ दर्शक 'विराट' के नाम की 18 नंबर वाली जर्सी पहने नजर आए। स्टेडियम के बाहर आरसीबी की जर्सी की भारी डिमांड रही। 200 से 500 रुपये तक में बिकने वाली इन जर्सियों में विक्रेताओं के अनुसार, केवल विराट कोहली के नाम की ही हजारों टी-शर्ट्स की बिक्री हुई। दर्शक हाथों में 'आई लव चीकू' के पोस्टर लिए नजर आए। कोई युवा विराट कोहली जैसा लुक बनाकर पहुंचा था, तो छोटे बच्चे रोहित शर्मा को सपोर्ट करने मुंबई की जर्सी पहनकर पहुंचे थे।

हर बॉल में जश्न जैसा नजारा

मैदान में आरसीबी और मुंबई की ओर से लगने वाले चौके-छक्के और विकेट में दर्शकों ने जमकर जश्न मनाया। हर बाल मे स्टेडियम में शोर रहा। मुंबई की धीमी शुरुवात में भी फैंस का उत्साह कम नहीं हुआ फैंस अपनी जगह से खिलाड़ियो का हौसला बढ़ते रहे।

विराट, रोहित और सूर्यकुमार की एंट्री ने खींचा ध्यान

शाम 7 बजे तक पूरा स्टेडियम खचाखच भर चुका था। जैसे ही विराट कोहली और रोहित शर्मा ने मैदान पर कदम रखा, दर्शकों के शोर से पूरा स्टेडियम गूंज उठा। हार्दिक पंड्या और सूर्यकुमार यादव की एंट्री ने भी दर्शकों का खूब ध्यान खींचा। पूरा स्टेडियम आई लव चीकू' के नारों से गूंज उठा। मैच शुरू होने से पहले दोनों टीमों ने जमकर अभ्यास किया। इस दौरान जब भी गेंद छक्के के रूप में दर्शक दीर्घा में पहुंचती, तो फैंस के बीच उस गेंद को पकड़ने की होड़ मच जाती।

रोहित के छक्कों से गूंजा मैदान दर्शकों का शोर पहुंचा 120 डेसिबल

टॉस जीतकर आरसीबी ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। वहीं, पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई इंडियंस ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। हालांकि, पहले ही ओवर में एक विकेट गिर जाने से मुंबई की टीम थोड़े दबाव में नजर आई, लेकिन इसके बाद 'हिटमैन' रोहित शर्मा ने मोर्चा संभाल लिया। रोहित ने मैदान के चारों तरफ लगातार छक्के चौके बरसाकर टीम के स्कोर को तेजी से आगे बढ़ाया। रोहित की तूफानी बल्लेबाजी के दौरान स्टेडियम में दर्शकों का शोर 120 डेसिबल तक पहुंच गया था। छोटी पड़ी में उन्होंने ▶▶| शेष पेज 6 पर

खबर संक्षेप

एपीके लिंक के जरिए ठगी, आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के एक व्यक्ति को एपीके लिंक भेजकर 80 हजार रुपये की ठगी करने के आरोप में झारखंड के पहाड़ी इलाके से एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की पहचान झारखंड के गिरिडीह निवासी प्रवीण राणा (25) के रूप में हुई है। पीड़ित को एक एपीके फ़ाइल भेजी गई, जिसे डाउनलोड करते ही उसकी बैंकिंग जानकारी लीक हो गई। इसके बाद पैसा एक बैंक खाते में अंतरण कर दिया गया।

कर्नाटक के मंत्री डी. सुधाकर का निधन

बेंगलुरु। कर्नाटक के योजना एवं सांख्यिकी मंत्री डी सुधाकर का रविवार तड़के लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वह 66 वर्ष के थे। सुधाकर ने यहां 'कृष्णा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज' में अंतिम सांस ली। उनका पिछले दो महीनों से फेफड़ों के संक्रमण का इलाज चल रहा था। अस्पताल के चिकित्सा निदेशक डॉ. आर चिन्नादुरई ने मेडिकल बुलेटिन में बताया कि मंत्री सुधाकर डी को रविवार तड़के तीन बजकर 15 मिनट पर मृत घोषित किया गया।

छुट्टी के दिन 'रिश्वत' पर प्रहार, सीबीआई और एसीबी ने एएसआई समेत तीन को दबोचा

बिलासपुर। रविवार को छुट्टी के दिन रिश्वतखोरी के मामले में तीन कर्मचारियों पर गाज गिरी। सीबीआई और राज्य की टीम ने अफसरों को रिश्वत लेते हुए पकड़ा। एसईसीएल के कलर्क को केंद्रीय एजेंसी ने दबोचा, वहीं कलेक्टर दफ्तर के एक बाबू और चंद्रपुर थाने का एसआई भी रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा गया।

कुसमुण्डा जीएम कार्यालय के सीएमपीएफ विभाग में पदस्थ है क्लर्क

एसईसीएल के क्लर्क को सीबीआई टीम ने पकड़ा

1 हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोरबा

एसईसीएल कुसमुंडा परियोजना के सीएमपीएफ (कोल माइंस प्रोविडेंट फंड) विभाग में पदस्थ क्लर्क मनोहर कौशिक को कथित रूप से रिश्वत लेते हुए सीबीआई की टीम ने रंगे हाथों पकड़ लिया। सेवानिवृत्त कोल कर्मी स्व. सुरजीत लाल शर्मा की मौत के बाद उसकी पत्नी को पेंशन दिलाने के नाम पर बेटे संतोष कुमार शर्मा से रिश्वत की मांग की जा रही थी जिससे तंग आकर बंटी ने सीबीआई रायपुर में शिकायत दर्ज कराई थी। सीबीआई की 12 सदस्यीय टीम क्लर्क ▶▶| शेष पेज 6 पर

खाद्य विभाग द्वारा होटल पर खुले में पेड़ा रखने के प्रकरण में लगाया था जुर्माना

एक लाख रुपए के जुर्माने के बदले मांगा 30 हजार

2 हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

कलेक्टोरेट का बाबू रविवार की छुट्टी के दिन खाद्य विभाग द्वारा होटल पर खुले में पेड़ा रखने के प्रकरण में किए गए 1 लाख रुपए के जुर्माने को 30 हजार रुपए कराने के एवज में होटल संचालक से 15 हजार रुपए रिश्वत ले रहा था, एसीबी ने बाबू को रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ लिया। एसीबी डीएसपी अजितेश सिंह ने बताया, कोटा करगीरोड निवासी देवेन्द्र कश्यप ने शिकायत की, कोटा में उनकी होटल है। अगस्त 2025 में उनकी होटल की जांच के ▶▶| शेष पेज 6 पर

सक्ती जिले के थाना चंद्रपुर में पदस्थ सब इंस्पेक्टर पर हुई कार्रवाई

कड़ी कार्रवाई से बचाने 20 हजार लेते एसीबी ने पकड़ा

3 हरिभूमि न्यूज ▶▶| जांजगीर-चांपा

सक्ती जिले के थाना चंद्रपुर में पदस्थ सब इंस्पेक्टर को 20 हजार रिश्वत लेते एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने रंगे हाथों पकड़ लिया। बताया जाता है कि मारपीट के मामले में कड़ी कार्रवाई से बचाने के नाम पर उसने 40 हजार मांगे थे,जिसमें से पहली किस्त में 20 हजार लेने के बाद दूसरी किस्त में 20 हजार लेते हुए उसे पकड़ा गया है।

जानकारी के अनुसार ग्राम बालपुर थाना चंद्रपुर जिला सक्ती निवासी शिव प्रसाद बरेठ ने एसीबी कार्यालय बिलासपुर ▶▶| शेष पेज 6 पर

सात दिन की हिरासत में पंजाब के मंत्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

हरियाणा के गुरुग्राम की एक विशेष पीएमएलए अदालत ने रविवार को पंजाब के उद्योग मंत्री संजीव अरोड़ा को कथित तौर पर 100 करोड़ रुपये की जीएसटी धोखाधड़ी से जुड़े धनशोधन मामले में सात दिन के लिए प्रवर्तन निदेशालय की हिरासत में भेज दिया। अदालत ने टिप्पणी की कि अरोड़ा के खिलाफ आरोप 'बहुत गंभीर' हैं और संघीय एजेंसी को धन के स्रोत का पता लगाने के लिए उनसे पूछताछ करने की जरूरत है। सुनवाई के दौरान पंजाब ▶▶| शेष पेज 6 पर

एक दिन पहले हुई थी गिरफ्तारी

ईडी ने अरोड़ा (62) को जीएसटी धोखाधड़ी के एक मामले में उनके खिलाफ छापेमारी के बाद चंडीगढ़ स्थित उनके सरकारी आवास से शनिवार शाम गिरफ्तार किया था। इसके साथ ही ईडी ने उनसे जुड़ी कंपनी 'हैम्पटन स्काई रियल्टी लिमिटेड' के गुरुग्राम स्थित परिसर पर छापेमारी की थी।

मिडिल ईस्ट तनाव के बीच पीएम मोदी का बड़ा बयान

पेट्रोल-डीजल बचाएं, वर्क फ्रॉम होम करें, एक साल तक न खरीदें सोना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच भारत के सभी नागरिकों से पेट्रोलियम उत्पादों का संयम के साथ इस्तेमाल करने की अपील की है। पीएम मोदी की यह यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब अमेरिका-ईरान युद्ध के चलते भारत ऊर्जा संकट का सामना कर रहा है।

उन्होंने कहा कि भारत बड़े पैमाने पर ईंधन आयात करता है, इसलिए पेट्रोल, डीजल और गैस का सोच-समझकर इस्तेमाल करना ▶▶| शेष पेज 6 पर

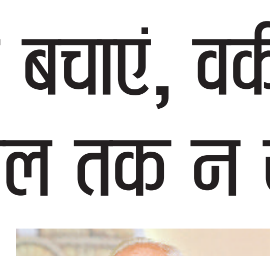

भारत वैकल्पिक ऊर्जा के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा

प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि भारत रिन्यूएबल और वैकल्पिक ऊर्जा के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। सौर ऊर्जा के उत्पादन में भारत दुनिया के शीर्ष देशों में शामिल हो चुका है, साथ ही पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण को बढ़ावा देकर आयात कम करने में प्रगति हुई है।

पीएम ने क्यों की अपील

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि केंद्र सरकार लोगों को युद्ध के प्रतिकूल प्रभावों से बचाने के लिए प्रयास कर रही है और नागरिकों से चुनौतियों से पार पाने और देश की मदद करने के लिए कदम उठाने का आह्वान किया। मोदी ने कहा कि युद्ध के कारण पेट्रोल और उर्वरक की कीमतों में भारी वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि जब आपूर्ति श्रृंखला पर दबाव होता है, तो संकट से निपटने के विभिन्न उपायों के बावजूद मुश्किलें बढ़ जाती हैं।

हमर-प्रदेश

बिलासपुर, सोमवार 11 मई 2026 haribhoomi.com हरिभूमि

अमेरिका, इजरायल, ईरान युद्ध की आग में प्लास्टिक उद्योग भी बुरी तरह से झुलस गया है। इसके कारण प्लास्टिक का हर तरह का सामान जहां महंगा हो गया है, वहीं इसका उत्पादन भी कम हो गया है। यही नहीं, डिमांड भी कम हो गई है। सबसे अहम कच्चा माल प्लास्टिक दाना, जो पहले 100 रुपए किलो मिलता था, उसके दाम 180 से 200 रुपए हो गए हैं।

युद्ध की आग में प्लास्टिक उद्योग भी झुलसा, कई आइटमों के दाम 50 फीसदी तक बढ़े

प्रदेश के 200 प्लास्टिक उद्योग संकट में

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्लास्टिक स्क्रैब जो पहले 70-80 रुपए किलो मिलता था. उसके दाम 120 से 130 रुपए हो गए हैं। ऐसे में प्लास्टिक पाउच सहित सभी तरह से प्लास्टिक सामानों के दाम 20 से 50 फीसदी तक महंगे हो गए हैं। प्लास्टिक दाना बनाने के लिए आवश्यक पेट्रोकेमिकल्स (जैसे एथिलीन, प्रोपलीन) सीधे कच्चे तेल से बनते हैं। तेल महंगा होने से प्लास्टिक की उत्पादन लागत बढ़ गई है। ऐसे में प्लास्टिक दाना महंगा हो गया है। प्लास्टिक दाना महंगा होने के कारण उससे बनने वाले सभी तरह के प्लास्टिक के सामान भी महंगे हो गए हैं।

राहत देने योजना बनाए सरकार

प्लास्टिक के दाम बढ़ने के कारण इससे संबंधित उद्योग प्रभावित हो गए हैं। प्रदेश में करीब 200 उद्योग हैं। सरकार को उद्योगों को राहत देने के लिए योजना बनानी चाहिए। सब्सिडी देकर भी राहत दी जा सकती है।

- सतीश थौरानी, अध्यक्ष, छग चैंबर ऑफ कॉमर्स

प्रिंटिंग पाउच और पन्नी के दाम 50 फीसदी बढ़े

नमकीन सहित अन्य उत्पाद, दूध, दही सहित अन्य तरह से उत्पादों की पैकिंग में काम आने वाले पाउच के दाम सीधे 50 फीसदी तक बढ़ गए हैं। नमकीन का काम करने वाले राजधानी के राधाकिशन सुंदरानी के मुताबिक, पहले नमकीन के जो पाउच 200 रुपए किलो मिलते थे, उसके दाम अब 300 रुपए किलो हो गए हैं। कारोबारियों के मुताबिक, इसी तरह से सामानों के लिए जो सिंगल यूज प्लास्टिक पन्नी पहले 100 से 120 रुपए किलो बिकती थी, उसके दाम 180 से 200 रुपए किलो हो गए हैं। इसी के साथ चावल, सीमेंट प्लास्टिक की बोरियों के दाम भी बढ़े हैं। तेलों की पैकिंग में भी इजाफा हो गया है। कारोबारियों के मुताबिक, पहले एक लीटर तेल की पैकिंग पर 90 पैसे से एक रुपए तक का खर्च आता था, अब इसका खर्च दो रुपए हो गया है।

उद्योग संकट में

प्लास्टिक दाने के दाम बढ़ने के कारण प्लास्टिक उद्योग संकट में हैं। प्रदेश में 200 से ज्यादा छोटे उद्योग हैं, जो प्लास्टिक पन्नी, प्रिंटिंग पाउच, डिस्पोजल ग्लास सहित अन्य आइटम बनाते हैं। बिजली, पानी के पाइप, बिजली के अन्य सामान बनाने का काम भी प्रदेश में कई उद्योग करते हैं। इसी के साथ प्लास्टिक के टब, बाल्टी, कुर्सी और फर्नीचर सहित अन्य सामान बनते हैं। इसका कारोबार प्रभावित हो गया है। कीमत बढ़ने के कारण डिमांड भी कम हो गई है। ज्यादातर प्लास्टिक के सामानों के दाम 20 से 30 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं। जो प्लास्टिक की 20 लीटर की बाल्टी पहले 150 से 200 रुपए में मिलती थी उसकी कीमत 200 से 250 रुपए हो गई है। इसी तरह से प्लास्टिक के टब के दाम भी 50 से 60 रुपए बढ़ गए हैं। प्लास्टिक की कुर्सियों के दाम में भी 50 से 100 रुपए तक का इजाफा हो गया है। बिजली और पानी के पाइप के दाम में 20 फीसदी तक का इजाफा हो गया है।

रायपुर जेल में पायलट प्रोजेक्ट, प्रदेश के अन्य जेलों में भी शुरू होगी सुविधा

सेंट्रल जेल में कैद महिला बंदी परिजनों से वीडियो कॉल से कर सकेंगी बातचीत

मदर्स डे के अवसर पर रायपुर सेंट्रल जेल प्रशासन ने रविवार को महिला बंदियों को बड़ी सौगात देते हुए प्रिजन इनमेट वीडियो कॉलिंग सुविधा शुरू की है। यह सुविधा गृहमंत्री विजय शर्मा की पहल पर पायलट प्रोजेक्ट के रूप में रायपुर सेंट्रल जेल में शुरू की गई है।

बीएसएनएल से जेल विभाग ने किया है एमओयू

जेल प्रशासन की निगरानी में होगी बातचीत

महिला बंदियों को अपने परिजनों से बात करने जेल प्रशासन के पास पहले अर्जी देनी होगी। इसके बाद जेल प्रशासन द्वारा महिला बंदी को अपने परिजन से बातचीत करने के लिए समय तय किया जाएगा। जेल प्रशासन की निगरानी में महिला बंदी वीडियो कॉलिंग के माध्यम से अपने परिजन तथा वकील से बातचीत कर सकेंगी। जेल परिसर के एक अलग कक्ष में महिला बंदियों के लिए वीडियो कॉलिंग से बातचीत करने सेट लगाया गया है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

जल्द ही यह सुविधा राज्य की चार सेंट्रल जेलों बिलासपुर, दुर्ग, अंबिकापुर और जगदलपुर में भी शुरू की जाएगी, इसके अलावा अन्य जिलों में ऑडियो कॉलिंग की सुविधा महिला बंदियों को दिए जाने पर विचार किया जा रहा है।

प्रिजन इनमेट वीडियो कॉलिंग के माध्यम से महिला बंदी अपने वकील, परिजनों से वीडियो कॉलिंग कर बातचीत कर सकेंगी। यह सिस्टम जेल विभाग एवं बीएसएनएल के मध्य संपादित हुए एमओयू के अंतर्गत शुरू किया गया है।

मदर्स डे के अवसर पर महिला बंदियों के साथ जेल में रह रहे 14 बच्चों को जेल विभाग की और से उपहार वितरित किए गए। साथ ही निश्चय कार्यक्रम के अंतर्गत कौशल प्रशिक्षण प्राप्त 38 महिला कैदियों को कौशल प्रशिक्षण प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जेल डीजी हिमांशु गुप्ता, जेल सुपरिटेंडेंट योगेश सिंह क्षत्री सहित अन्य अफसर उपस्थित रहे।

महिला बंदियों से रोजाना मिलने आते हैं 25 से 30 परिजन

वर्तमान में रायपुर सेंट्रल जेल में 192 महिला बंदी कैद हैं। इन महिला बंदियों से मुलाकात के लिए नियमित 25 से 30 परिजन आते हैं। इसके अलावा 50 से ज्यादा वकील महिला बंदियों से मिलने के लिए आते रहते हैं। बंदियों से मुलाकात करने का समय 20 मिनट निर्धारित है। जेल में स्थिति ऐसी रहती है कि महिला बंदियों से उनके परिजन घंटों इंतजार करने के बाद भी नहीं मिल पाते। प्रिजन इनमेट वीडियो कॉलिंग सुविधा शुरू होने से महिला बंदियों के परिजनों को जेल के चक्कर काटने से राहत मिलेगी। साथ ही जेल परिसर में महिला बंदियों से मिलने आने वाले लोगों की संख्या कम होगी।

हथियार लेकर दहशत फैलाते धरा गया बदमाश, जेल दाखिल

रायपुर। टिकरापारा थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध हथियार लेकर लोगों को डराने-धमकाने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी से लोहे का गुप्तीनुमा चाकू बरामद किया गया है। पुलिस ने उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार, मिलन चौक संजय नगर इलाके में एक युवक द्वारा खुलेआम चाकू दिखाकर आने-जाने वाले लोगों को डराया-धमकाया जा रहा था। इसकी सूचना पुलिस को मुखबिर के जरिए मिली। सूचना मिलते ही टिकरापारा थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित कर मौके पर रवाना की गई। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर संदिग्ध युवक को घेराबंदी कर पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसके पास से लोहे का गुप्तीनुमा चाकू बरामद किया गया। आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर थाने लाया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अभय उर्फ पार्टनर साहू निवासी केसरी लस्सी के पास, संजय नगर के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 396/2026 दर्ज कर धारा 25 और 27 आर्म्स एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध किया है।

हाईकोर्ट की टिप्पणी

सेवाकाल के दौरान राजपत्रित अधिकारी से रिकवरी नहीं की जा सकती

■ उपपुलिस अधीक्षक के विरुद्ध जारी वसूली आदेश निरस्त

बिलासपुर। उपपुलिस अधीक्षक से अधिक वेतन का भुगतान किए जाने के नाम पर की गई विभागीय रिकवरी पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। रिकवरी आदेश निरस्त करते हुए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को वसूल की गई राशि तत्काल याचिकाकर्ता के बैंक खाते में वापस जमा करने का निर्देश दिया है। कोतरा रोड, राजीव नगर, रायगढ़ निवासी राजेश कुमार शर्मा उपपुलिस अधीक्षक (डीएसपी) के पद पर पुलिस मुख्यालय, रायपुर में पदस्थ थे। सेवाकाल के दौरान अधिक वेतन भुगतान करने के आधार पर वसूली का आदेश जारी कर दिया गया। अधिवक्ता अभिषेक पाण्डेय के माध्यम से हाईकोर्ट में रिट याचिका दायर की गई।

बैंक खाते में जमा करें राशि

याचिका में कहा गया कि किसी भी शासकीय अधिकारी,कर्मचारी को सेवाकाल के दौरान गलत तरीके से अधिक वेतन भुगतान का हवाला देकर वसूली नहीं की जा सकती है। यह वेतन भुगतान कार्यालय के स्टाफ द्वारा गलत तरीके से वेतनवृद्धि लगाए जाने के कारण किया गया, याचिकाकर्ता द्वारा उक्त राशि किसी फॉड, धोखाधड़ी, चीटिंग से प्राप्त नहीं की गयी थी। साथ ही याचिकाकर्ता को सुनवाई का पर्याप्त भी नहीं दिया गया था। जस्टिस राकेश मोहन पाण्डेय की सिंगल बेंच ने वसूली आदेश को निरस्त कर निर्देशित किया है कि, वे याचिकाकर्ता से वसूल की गई राशि तत्काल याचिकाकर्ता के बैंक खाते में वापस जमा करें।

प्रदेशभर में कमजोर फीडरों की भरमार

रायपुर। प्रदेशभर में थोक में कमजोर फीडरों की भरमार है। ये फीडर इतने ज्यादा कमजोर हैं कि मौसम की हल्की-सी भी मार नहीं झेल पाते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों का सबसे ज्यादा बुरा हाल रहता है, लेकिन राजधानी रायपुर की स्थिति भी गांवों जैसी हो गई है। राजधानी में भी थोक में ऐसे फीडर हैं, जो इतने कमजोर हैं कि मौसम का मिजाज बदलते ही हल्की-सी आंधी या बारिश होते ही धड़ाधड़ फीडर बंद होते चले जाते हैं और शहर घंटों अंधेरे में डूब जाता है। बिजली विभाग का अमला भी ऐसा लाठीटेक है कि खराबी को खोजने में घंटों लग जाते हैं। बीते पांच दिनों से डीडीनगर के साइंस कॉलेज के फीडर में लगातार खराबी रही है और दो से पांच घंटे तक बिजली गुल से लोग परेशान रहे हैं।

बंगाल और असम में चुनाव का जिम्मा संभालने वाले भाजपा नेताओं का सम्मान

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

भारतीय जनता पार्टी के कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित प्रदेश कार्यालय में रविवार को एक बैठक करके पश्चिम बंगाल और असम विधानसभा चुनाव में जिम्मा संभालने वाले भाजपा नेताओं का सम्मान किया गया।

■ भाजपा कार्यालय में उत्कृष्ट प्रवासी कार्यकर्ताओं को किया सम्मानित

भाजपा क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने कहा, इस बार के चुनावों में विभिन्न राज्यों से आए प्रवासी कार्यकर्ताओं ने पश्चिम बंगाल के दुर्गम क्षेत्रों और असम के चाय बागानों से लेकर मैदानी इलाकों तक में पार्टी की नीतियों को घर-घर पहुंचाया। भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय ने कार्यकर्ताओं को उनके अथक परिश्रम के लिए धन्यवाद देते हुए कहा गया, बूथ जीता, चुनाव जीता के मंत्र को प्रवासी कार्यकर्ताओं ने धरातल पर उतारा। विशेष रूप से पश्चिम बंगाल में प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद कार्यकर्ताओं ने लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करते हुए संगठन को मजबूती प्रदान की। बैठक में कार्यकर्ताओं ने चुनाव के दौरान आए जमीनी अनुभवों और मतदाताओं के फीडबैक को साझा किया, जिसे भविष्य के संगठनात्मक कार्यों के लिए संकलित किया जाएगा। प्रवासी कार्यकर्ताओं का यह अनुभव केवल चुनाव तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसका उपयोग आने वाले समय में संगठन के विस्तार और विकसित भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने में किया जाएगा। बैठक के अंत में चुनाव के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रवासी कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया। इस मौके पर प्रदेश महामंत्री डॉ. नवीन मार्कण्डेय, यशवंत जैन, कैबिनेट मंत्री दयालदास बघेल, ओपी चौधरी, टंकराम वर्मा, गजेंद्र यादव, सांसद विजय बघेल सहित प्रदेश पदाधिकारी व विभिन्न मोर्चा के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कारगर नहीं हो रही दो शिफ्ट की ओपीडी, हेल्थ सेंटरों में आठ घंटे की नो ब्रेक ड्यूटी पर विचार

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

प्रदेश के प्राथमिक स्तर के स्वास्थ्य केंद्रों में दी जाने वाली उपचार व्यवस्था को दुरुस्त करने की योजना बनाई जा रही है। इसके तहत मरीजों को बिना इंतजार इलाज की सुविधा देने के लिए आठ घंटे की नो ब्रेक ड्यूटी का सिस्टम लागू करने की तैयारी की जा रही है। अभी कामगार मरीजों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सुबह 9 से दोपहर 2 बजे और शाम 5 से 6 बजे तक ओपीडी की सुविधा दी जाती है जो कारगर साबित नहीं हो रही है। सूत्रों के अनुसार अक्सर यह शिकायत सामने आती रहती है कि सुबह की ओपीडी के बाद प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में चिकित्सकों की उपस्थिति नगण्य हो जाती है। दूसरी ओर यह बात सामने आती है कि शाम पांच बजे से शुरू होने वाली ओपीडी में मरीजों की संख्या ना के बराबर रहती है। इन सब बातों का ध्यान रखते हुए स्वास्थ्य केंद्रों में होने वाली ओपीडी में नो ब्रेक का सिस्टम लागू करने की योजना पर विचार किया जा रहा है।योजना के तहत सीएचसी-पीएचसी, हमर अस्पताल में सुबह 9 से शाम 5 बजे यानी आठ घंटे की नो ब्रेक ड्यूटी का सिस्टम लागू किया जाएगा। इससे दोपहर में देर से आने वाले मरीजों को अपनी आवश्यकता के अनुसार डाक्टर और उपचार की सुविधा मिल सकेगी। दूसरी ओर शाम में ओपीडी की ड्यूटी के तनाव से डाक्टर सहित अन्य चिकित्सकीय स्टाफ को भी मुक्ति मिल सकेगा। दिनभर की ओपीडी टाइमिंग के बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में इमरजेंसी चिकित्सकीय स्टाफ ही तैनात रहेंगे। सूत्रों के अनुसार, नो ब्रेक ओपीडी का सिस्टम लागू करने के लिए डाक्टर सहित अन्य चिकित्सकीय स्टाफ के लिए रोटेशन आधार पर ड्यूटी चार्ट लागू किया जाएगा।

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

मामला बालोद जिले का, खराब परीक्षा परिणाम के बाद कई विद्यालयों के प्राचार्य व शिक्षकों पर गिरी गाज

निलंबित प्राचार्यों में पीएमश्री स्कूलों के प्राचार्य भी शामिल

इन जिलों के परिणाम 70% से कम

दसवीं कक्षा में पांच जिले ऐसे रहे हैं, जहां परिणाम 70% से कम है। इसमें सक्ती 68.78%, बालोद 65.94%, बिलासपुर 65.30%, दुर्ग 63.12%, जांजगीर-चांपा 59.90% तथा एमसीबी 59.12% शामिल हैं। वहीं बारहवीं कक्षा में 70% से कम परिणाम वाले जिले की सूची में दो ही जिले हैं। जांजगीर-चांपा 65.73% और एमसीबी 62.40% के साथ इस सूची में है। 80% से कम परिणाम वाले जिलों में कोण्डागांव 79.38%, बिलासपुर 79.19%, बलोदाबजार 79.12%, दुर्ग 77.91%, बालोद 77.79% तथा सक्ती 72.07% शामिल है।

छग के आधा दर्जन जिलों के बोर्ड नतीजे खराब, बालोद से कार्रवाई की शुरुआत, 8 प्राचार्य सस्पेंड, 14 की वेतनवृद्धि रोकी

खास खबर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर/बालोद

दसवीं-बारहवीं बोर्ड एग्जाम में खराब प्रदर्शन वाले स्कूलों पर गाज गिरने की शुरुआत हो चुकी है। बालोद जिले में खराब परीक्षा परिणाम के बाद कड़ी कार्रवाई करते हुए 8 प्राचार्यों को सस्पेंड कर दिया गया है। वहीं 14 की वेतनवृद्धि रोक दी गई है। जिन विद्यालयों के प्राचार्यों की वेतनवृद्धि रोकी गई है, उनमें से कई स्कूल ऐसे हैं, जहां पिछले वर्ष परिणाम 100 प्रतिशत ▶▶| शेष पेज 6 पर

कलेक्टर को कार्रवाई का अधिकार नहीं

इधर, निलंबन संबंधित कार्रवाई के बाद छग प्राचार्य संघ की बैठक भी आयोजित की गई। संघ ने कार्यवाही के लिए तय मापदंड को अनुचित व गलत बताते हुए कहा है कि जिले के जिम्मेदार डीईओ पर कार्यवाही न करके प्राचार्यों पर कार्यवाही की गई है। शिक्षक संघ के प्रदेशाध्यक्ष संजय शर्मा ने कहा, कलेक्टर को प्राचार्यों के निलंबन का अधिकार नहीं है। उनके द्वारा किसी कार्यवाही के लिए केवल अनुशंसा की जा ▶▶| शेष पेज 6 पर

कुछ माह की सेवा शेष

डौण्डीलोहारा ब्लाक के पीएमश्री सेजेस डौण्डीलोहारा, शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय खरथुली, शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नाहंदा, गुरूर ब्लाक के शासकीय हाई स्कूल सोहपुर, शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भिरई, गुण्डरदेही ब्लाक के शासकीय हाई स्कूल मोंगरी, ▶▶| शेष पेज 6 पर

विजय ने ली मुख्यमंत्री पद की शपथ ली, टीवीके प्रमुख की मुख्य टीम को मंत्रिमंडल में जगह

तमिलनाडु में 'विजय' पताका टूट गया 60 साल का रिकॉर्ड

तमिलनाडु में एक नए राजनीतिक युग की शुरुआत हुई है। मशहूर अभिनेता से राजनेता बने जोसेफ सी विजय ने चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में राज्य के 13वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। उनके साथ टीवीके के 9 अन्य नेताओं ने भी मंत्री पद की शपथ ली। इस दक्षिणी राज्य में 60 साल में पहली बार द्रमुक और अन्नाद्रमुक से इतर किसी दल की सरकार बनी है। शपथ के बाद पीएम मोदी ने उन्हें बधाई दी, जिसके जवाब में विजय ने राज्य के विकास के लिए केंद्र सरकार से पूरे सहयोग की उम्मीद जताई।

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

सी जोसेफ विजय ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी की मौजूदगी में रविवार को यहां रंगारंग समारोह में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। अभिनेता (51) से नेता बने विजय के पहले मंत्रिमंडल में युवा और अनुभवी दोनों तरह के नेता हैं। तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) प्रमुख की मुख्य टीम को भी इसमें जगह मिली है। विजय ने अपने पहले संबोधन में कहा कि वह किसी राजघराने से नहीं हैं, लेकिन लोगों ने उन्हें स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि वह झूठे वादे कर लोगों को धोखा नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि एक नयी शासन व्यवस्था शुरू हुई है तथा वास्तविक, धर्मनिरपेक्ष एवं सामाजिक न्याय का नया युग आरंभ हो रहा है। विजय के पिता एस ए चंद्रशेखर और उनकी मां शोभा, शीर्ष अभिनेत्री तृषा तथा बड़ी संख्या में आमंत्रित लोग जवाहरलाल ▶▶| शेष पेज 6 पर

■ पहली बार किसी तमिल नेता ने कोट-पैंट में ली शपथ

राज्यपाल ने उन्हें टोका

तमिलनाडु में टीवीके प्रमुख जोसेफ विजय ने रविवार को पूर्व निर्धारित प्रारूप से हटकर और अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य को दर्शाने के लिए हाथ के इशारे करके शपथ ग्रहण समारोह को एक प्रभावशाली शपथ भाषण में बदलने का प्रयास किया। हालांकि, राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने हस्तक्षेप किया। राज्यपाल द्वारा शपथ दिलाना शुरू करते ही विजय ने पूर्व निर्धारित प्रारूप से हटकर बोलना शुरू किया, मैं, सी. जोसेफ विजय, भारत के विधिवत स्थापित संविधान के प्रति निष्ठावान रहूंगा..।

सीएम बनते ही तीन ऑर्डर

- घरेलू उपभोक्ताओं के लिए 200 यूनिट फ्री बिजली देने वाली फाइल पर हस्ताक्षर किए
- महिलाओं की सुरक्षा के लिए एक विशेष बल बनाने वाली फाइल साइन की
- एंटी ड्रग्स स्क्वॉड बनाने का आदेश किया जारी

विजय की मां बोलीं- बेटे पर पूरा भरोसा

मंच के सामने मौजूद विजय के माता-पिता भावुक हो गए। विजय की मां शोभा चंद्रशेखर ने नयी जिम्मेदारी को लेकर अपने बेटे पर पूरा भरोसा जताते हुए कहा, विजय इसे अच्छी तरह निभायेगा। मुझे उसपर पूरा विश्वास है। अभिनेत्री तृषा सहित फिल्म जगत की कई हस्तियां समारोह में शामिल हुईं।

कुर्सी संभालते ही विजय ने पीएम को कहा धन्यवाद

मुख्यमंत्री बनने के तुरंत बाद देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें इस नई जिम्मेदारी के लिए अपनी खास शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री की इस बधाई के बाद नए मुख्यमंत्री विजय ने भी उन्हें धन्यवाद दिया और अपने राज्य के विकास के लिए केंद्र सरकार से पूरे सक्रिय समर्थन और सहयोग की उम्मीद जताई है।

असम में कल, पुडुचेरी में 13 मई को शपथ

असम में भाजपा की विधायक दल की बैठक हुई, इसमें हिमंता बिस्वा सरमा को फिर विधायक दल का नेता चुना गया। हिमंता 12 मई को सुबह 11 बजे लगातार दूसरी बार राज्य के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। वहीं पुडुचेरी में एन. रामास्वामी 13 मई को शपथ लेंगे। एनडीए के नेताओं ने लोक भवन में आचार्य से मुलाकात की और शर्मा के नेतृत्व में सरकार गठन का दावा पेश किया।

खबर संक्षेप

रियल एस्टेट एजेंट ने की 15 करोड़ की धोखाधड़ी

नई दिल्ली। गुरुग्राम पुलिस ने जमीन बेचने का झांसा देकर करोड़ों रुपये की ठगी करने के आरोप में एक रियल एस्टेट कंपनी के 50 वर्षीय मालिक को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान नोएडा के सेक्टर-75 निवासी महेश मुगाम के रूप में हुई है। 20 जनवरी को एक व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई थी। कि 'नियॉन इन्फ्रा कंस्ट्रक्शन सॉल्यूशंस' कंपनी ने उसे हरियाणा में पलवल जिले के घुघेरा गांव में लगभग 11.33 एकड़ जमीन बेचने का भरोसा दिलाते हुए दस्तावेज दिखाए थे। आरोपी ने एक अगस्त 2024 को जमीन बेचने का समझौता किया।

छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय पुरस्कार

सीहोर। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने छत्तीसगढ़ राज्य को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया। पीएमजीएसवाई के सीईओ भीम सिंह और चीफ इंजीनियर कटारे ने यह पुरस्कार प्राप्त किया।

नैतिकता के उल्लंघन पर सेवाएं समाप्त

एयर इंडिया ने तीन साल में निकाले 1000 कर्मी

एजेंसी ▶▶| मुंबई

टाटा समूह की एयरलाइन कंपनी एयर इंडिया ने पिछले तीन साल में नैतिकता संबंधी मुद्दों के उल्लंघन के मामलों में 1,000 से अधिक कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त की हैं। कंपनी के सीईओ एवं प्रबंध निदेशक कैंपबेल विल्सन ने बैठक में कहा कि हर वर्ष सैकड़ों कर्मचारियों को नियमों के उल्लंघन के कारण हटाया जाता है। विल्सन ने कहा कि हटाए गए कर्मचारियों में ऐसे लोग भी शामिल हैं जिन्होंने विमान से सामान की तस्करी की।

लगभग 24,000 कर्मचारी

वर्तमान में एयर इंडिया के पास लगभग 24,000 कर्मचारी हैं। कंपनी वित्तीय दबावों के बीच लागत में कटौती के उपाय भी कर रही है। इसके तहत वार्षिक वेतन वृद्धि रोकी गई है। यदि पश्चिम एशिया की स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो चालू वर्ष कंपनी के लिए 'बहुत कठिन' हो सकता है।

गैस एजेंसी से कोई लेना-देना नहीं, मेरे खिलाफ कोई मामला नहीं: पूनम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

महासमुंद जिले में डेढ़ करोड़ की गैस गबन के मामले में पूर्व राज्य मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता पूनम चंद्राकर ने कहा है कि उनका संबंधित गैस एजेंसी से कोई ताल्लुक नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि गौरव गैस एजेंसी के प्रोपाइटर उनके बड़े भाई धनंजय चंद्राकर हैं और मामले में गिरफ्तार पंकज चंद्राकर उनके बड़े भाई धनंजय चंद्राकर का दामाद है, जो उक्त एजेंसी की देखरेख करता आ रहा है। पंकज स्वयं राजनीति में सक्रिय है और उसे मीडिया में संचालक लिखे जाने पर भी पूनम चंद्राकर ने आपत्ति दर्ज कराई है। पूनम चंद्राकर ने कहा है कि ऐसे मामलों में उनका नाम लिखा जाना सरासर गलत है। उन्होंने कहा कि आज ▶▶| शेष पेज 6 पर

अमेरिका का 9-सूत्री प्लान बनाम ईरान का 14-सूत्री ड्राफ्ट

ईरान के 14-सूत्री प्लान से हिल गया व्हाइट हाउस

दुबई/ वाशिंगटन। वैश्विक भू-राजनीति में उस वक्त बड़ी हलचल मच गई, जब ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने अमेरिका और पश्चिमी देशों को कड़ा संदेश दिया। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि अंतरराष्ट्रीय ताकतों के साथ किसी भी तरह की बातचीत को ईरान का आत्मसमर्पण या पीछे हटना नहीं माना जाना चाहिए। उनका मानना है कि ईरान अपने लोगों की सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए पूरी ताकत के साथ मैदान में खड़ा है। हाल ही में अमेरिका की ओर से मध्य पूर्व में युद्ध रोकने के लिए दिए गए शांति प्रस्ताव पर ईरान ने अपनी प्रतिक्रिया ▶▶| शेष पेज 6 पर

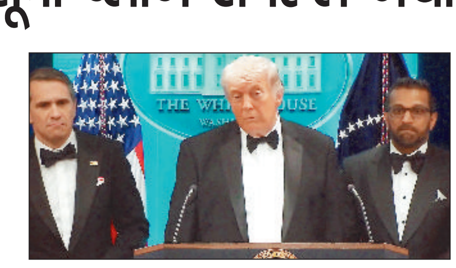

कतर, सऊदी अरब और यूएई में बहुत घबराहट

कड़े ईरानी जवाब के बाद वाशिंगटन में लगातार आपात बैठकों का दौर जारी है। अमेरिकी अधिकारी अब ईरान के इस 14-सूत्री प्रस्ताव का कूटनीतिक और सैन्य विश्लेषण कर रहे हैं। वहीं, खाड़ी देशों कतर, सऊदी अरब और यूएई में बहुत घबराहट है, क्योंकि किसी भी बड़े युद्ध का सीधा असर उनके तेल व्यापार और सुरक्षा पर पड़ेगा।

जिस जहाज को निशाना, वह अमेरिकी झंडे वाला था

एक तरफ मेज पर शांति की बातें हो रही हैं, तो दूसरी तरफ समुद्र में बारूद की गंध फैल रही है। ईरान ने साफ कर दिया है कि उसका 'रणनीतिक संयम' अब खत्म हो चुका है। हाल ही में कतर जा रहे एक मालवाहक जहाज पर ड्रोन से हमला किया गया, जिसे लेकर ब्रिटेन की समुद्री व्यापार संचालन संस्था ने भी पुष्टि की है। वहीं, ईरान की फार्स न्यूज एजेंसी ने दावा किया है कि जिस जहाज को निशाना बनाया गया, वह अमेरिकी झंडे वाला था। इन लगातार हो रहे हमलों ने दुनिया भर के व्यापारिक रास्तों और आपूर्ति श्रृंखला को खतरे में डाल दिया है।

चिंतन

विजय के लिए चुनावी वादे निभाना बड़ी चुनौती

तमिलनाडु की राजनीति में अभिनेता से नेता बने विजय थलापति (सी. जोसेफ विजय) का उदय केवल एक चुनावी जीत नहीं, बल्कि राज्य की पारंपरिक राजनीति में बड़े बदलाव का संकेत है। उन्होंने रविवार को राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण कर ली। दो साल पुरानी पार्टी तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) ने विधानसभा चुनाव में 108 सीटें जीतकर यह साबित कर दिया कि जनता अब पुराने राजनीतिक समीकरणों से आगे बढ़कर नए विकल्प तलाश रही है, लेकिन अब विजय के सामने सबसे बड़ी चुनौती जनता से किए गए भारी-भरकम वादों को पूरा करने की है। तमिलनाडु में पिछले कई दशकों से द्रविड़ राजनीति का दबदबा रहा है। डीएमके और एआईडीएमके जैसी पार्टियों ने राज्य की सत्ता को लगभग अपने बीच ही सीमित रखा। ऐसे में विजय का मुख्यमंत्री बनना ऐतिहासिक माना जा रहा है। हालांकि राजनीति में लोकप्रियता जितनी तेजी से मिलती है, उतनी ही तेजी से जनता उम्मीदें भी पाल लेती है। यही उम्मीदें अब विजय सरकार की सबसे कठिन परीक्षा बनने वाली हैं। टीवीके को पूर्ण बहुमत नहीं मिला है। सरकार बनाने के लिए कांग्रेस, सीपीआई, सीपीएम, वीसीके और आईयूएमएल जैसे दलों का समर्थन लेना पड़ा। फिलहाल सरकार संख्या बल पर सुरक्षित दिखाई देती है, लेकिन गठबंधन सरकारों में स्थिरता हमेशा एक चुनौती होती है। इससे भी बड़ी चुनौती उनकी चुनावी घोषणाएं हैं। महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये की सहायता, प्रत्येक परिवार को छह मुफ्त गैस सिलेंडर, गरीब परिवारों की बेटियों की शादी में 8 ग्राम सोना और सिल्क साड़ी जैसी योजनाएं सुनने में आकर्षक जरूर लगती हैं, लेकिन इनके लिए भारी बजट की आवश्यकता होगी। तमिलनाडु पहले से ही घाटे और कर्ज के दबाव से गुजर रहा है। ऐसे में यदि सरकार केवल लोकलुभावन योजनाओं पर अधिक ध्यान देती है तो राज्य की आर्थिक स्थिति पर गंभीर असर पड़ सकता है। यही कारण है कि राजनीतिक विश्लेषक विजय को केंद्र सरकार के साथ बेहतर तालमेल रखने की सलाह दे रहे हैं। उसे बुनियादी ढांचे, निवेश, सेमीकंडक्टर, रक्षा उद्योग, शिक्षा नीति और रोजगार परियोजनाओं के लिए केंद्र के सहयोग की आवश्यकता है। यदि विजय केंद्र के साथ व्यावहारिक संबंध बनाए रखते हैं तो राज्य को आर्थिक सहायता और नई परियोजनाओं का लाभ मिल सकता है। राजनीतिक दृष्टि से भी यह संबंध महत्वपूर्ण होंगे। अल्पमत जैसी स्थिति में किसी भी सरकार को स्थिर बनाए रखने के लिए दिल्ली से अच्छे रिश्ते अप्रत्यक्ष रूप से मददगार साबित होते हैं। इसलिए विजय को भावनात्मक राजनीति के बजाय व्यावहारिक और संतुलित राजनीति अपनानी होगी। दूसरी तरफ, प्रशासनिक अनुभव की कमी भी विजय के सामने बड़ी चुनौती है। फिल्मों में नायक बनना और वास्तविक शासन चलाना दो अलग-अलग बातें हैं। बेरोजगारी, महंगाई, कानून-व्यवस्था, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर सरकार की कार्यशैली जल्द ही परखी जाएगी। यदि सरकार वादों को समय पर पूरा नहीं कर पाई तो जनता का भरोसा कमजोर पड़ सकता है। तमिलनाडु की जनता ने विजय को केवल अभिनेता के रूप में नहीं, बल्कि उम्मीद और बदलाव के प्रतीक के रूप में सत्ता सौंपी है, लेकिन राजनीति में असली पहचान लोकप्रियता से नहीं, बल्कि शासन क्षमता से बनती है। विजय के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती चुनावी वादों, आर्थिक संतुलन, गठबंधन की मजबूरियों और प्रशासनिक अनुभव की कमी के बीच सही रास्ता चुनने की है।

चुनावी हिंसा से कब मिलेगी मुक्ति?

विचार
डॉ. संजय शुक्ला

पचहत्तर बरस पुराना भारतीय लोकतंत्र तमाम सुधारों के बावजूद आज भी चुनावी हिंसा जैसे बड़ी चुनौतियों से जूझ रहा है। हाल ही में पश्चिम बंगाल सहित पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव संपन्न हुए हैं। लेकिन बंगाल में चुनावी नतीजे के बाद एक बार फिर से चुनावी हिंसा और अराजकता भड़क उठी। बंगाल में ममता बनर्जी की नेतृत्व वाले तृणमूल कांग्रेस 'टीएमसी' के करारी हार के बाद भाजपा और टीएमसी कार्यकर्ताओं के बीच झड़पों की अनेक घटनाएं हुई है। हिंसा के बीच भाजपा के शीर्ष नेता और मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के पीए चंद्रनाथ रथ की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस हिंसा में अभी तक चार लोगों की मौत की पुष्टि हुई है तथा पुलिस सहित अनेक लोग घायल हुए हैं। हिंसा के दौरान घरों और पार्टी दफ्तरों में तोड़फोड़, आगजनी तथा बमबाजी की घटनाएं हुई है। राज्य में चुनाव परिणाम के बाद हिंसा के 200 से ज्यादा मामले दर्ज हुए हैं जिसमें 500 से ज्यादा लोगों की गिरफ्तारियां हुई है वहीं 1100 से अधिक लोगों को एहतियातन हिरासत में रखा गया है। बंगाल की नयी सरकार के लिए पहली प्राथमिकता इस चुनावी हिंसा पर काबू पाना होगा। हालांकि सरकार ने इस दिशा में ताबड़तोड़ प्रयास शुरू कर दिया है।

गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल देश विभाजन के बाद से ही हिंसा के लंबे दौर का गवाह रहा है। इस राज्य में चुनावी हिंसा का लंबा इतिहास रहा है। राज्य में लोकसभा, विधानसभा से लेकर नगरीय प्रशासन और पंचायत चुनावों के दौरान हिंसा आम बात है। साल 1967 में नक्सलबाड़ी में किसानों के शोषण के विरोध में पैदा हुआ नक्सलवादी आंदोलन ने पूरे देश में हिंसा को एक नया स्वरूप दे दिया था जिससे छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्य भी प्रभावित रहे। 1971 में सिद्धार्थ शंकर रे की सरकार ने नक्सलवादी आंदोलन के खिलाफ निर्णायक जंग छेड़ा लेकिन इसके बाद राज्य में राजनीतिक हत्याओं और हिंसा का दौर शुरू हो गया। सत्तर के दशक में राज्य में वामपंथ की जड़ें मजबूत होने के बाद लेफ्ट पार्टियों ने चुनावी नतीजे अपने पक्ष में करने के लिए हिंसा को बढ़ावा दिया। बंगाल की सत्ता में वाम मोर्चा के काबिज होने के बाद 1977 से 2011 तक कोई भी चुनाव हिंसा मुक्त नहीं रहा बल्कि इन 34 सालों के दौरान राजनीतिक हत्याएं और झड़पें आम थी। इस दौर में सत्तारूढ़ पार्टी पर विपक्षी नेताओं और कार्यकर्ताओं को निशाना बनाने के आरोप लगातार लगते रहे। एक रिपोर्ट के मुताबिक 1977 से 1996 तक राज्य में 28 हजार लोगों की मौत राजनीतिक हिंसा में हुई। एक अन्य जानकारी के मुताबिक 2016 से 2026 तक बंगाल में चुनावी हिंसा का ग्राफ लगातार ऊपर चढ़ा है।

साल 2016 के विधानसभा चुनाव में 172 मामले दर्ज हुए तो 2021 के चुनाव में बढ़कर 278 हो गई। चुनावी हिंसा में बढ़ोतरी पंचायत चुनावों में भी देखी गई।

पश्चिम बंगाल के राजनीतिक पटल पर साल 1998 में ममता बनर्जी के तृणमूल कांग्रेस का उदय हुआ। साल 2011 में सत्ता में 'टीएमसी' के काबिज होने के बाद भी राज्य में राजनीतिक और चुनावी हिंसा का पैटर्न नहीं बदला बल्कि इस पार्टी ने भी राज्य में अपनी सत्ता बरकरार रखने के लिए हिंसा को प्रोत्साहित किया। राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो ममता बनर्जी की पार्टी ने विभिन्न चुनावों के दौरान और इसके बाद भी विरोधियों को धमकाने के लिए हिंसा की सारी हदें लांघ दी। टीएमसी सरकार के दौरान राज्य में घटित राजनीतिक और गैर राजनीतिक हिंसा, महिलाओं के साथ दुष्कर्म और जबरिया जमीन हथियाने की घटनाओं में सीधे तौर पर 'टीएमसी' नेताओं और कार्यकर्ताओं की संलिप्तता उजागर हुई। इधर हिंसा और अनाचार के आरोपितों को सरकार और प्रशासन द्वारा लगातार संरक्षण मिलते रहा जो राजनीति के अपराधीकरण का अदद उदाहरण है।राजनीतिक पंडितों के अनुसार बंगाल का हालिया चुनाव परिणाम 'टीएमसी' के भय, आतंक और अत्याचार का ही प्रतिकार है।

बीते दशकों में पश्चिम बंगाल के चुनावी हिंसा पर गौर करें तो साल 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान 15 लोग मारे गए थे। 2021 के विधानसभा चुनाव के परिणाम के बाद राज्य में व्यापक पैमाने पर राजनीतिक हिंसा हुई थी। इस दौरान हुई हत्या, बलात्कार, आगजनी और तोड़फोड़ ने लोकतंत्र को शर्मसार कर दिया। इस दौरान राज्य में चुनावी हिंसा के 300 मामले दर्ज किए गए। इस हिंसा में में 58 लोगों की मौत हुई थी वहीं किशोरियों और महिलाओं के साथ सामूहिक दुष्कर्म के मामले भी सामने आए थे।इसी राज्य में 2023 के पंचायत चुनाव में भीषण हिंसा हुई थी जिसमें 45 लोगों की मौत हुई थी। साल 2024 के लोकसभा चुनाव में 10 लोगों की मौत हुई। आर्म्ड कॉन्फिलक्ट लोकेशन एंड इवेंट डेटा प्रोजेक्ट 'एसीएलईडी' के मुताबिक साल 2020 से अब तक चुनावी हिंसा के कुल घटनाओं के लगभग 35 फीसदी मामले और 51 फीसदी मौतें बंगाल में दर्ज हुए हैं। रिपोर्ट के अनुसार इस दौरान चुनावी हिंसा के कुल 2593 मामले दर्ज हुए जिसमें 904 घटनाएं अकेले बंगाल में दाखिल हुए। इसी प्रकार उक्त हिंसा में 329 लोगों की जान गई जिसमें 168 लोग बंगाल के थे। बहरहाल बंगाल में चुनावी नतीजे के बाद सत्ता हस्तांतरण के दौरान जिस पैमाने पर हिंसा हुई और पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा पद छोड़ने पर उहापोह की परिस्थितियां निर्मित की गई वह लोकतांत्रिक परंपराओं के लिए खतरनाक संकेत है।

अलबत्ता केवल बंगाल ही नहीं बल्कि उत्तरप्रदेश, बिहार, उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र, झारखंड, ओडिशा, असम, जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर राज्यों में भी चुनावों के दौरान व्यापक पैमाने पर हिंसा होते रही है। लोकसभा से लेकर पंचायत चुनावों के दौरान माओवाद प्रभावित छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, आंध्रप्रदेश, मध्यप्रदेश, झारखंड और ओडिशा में नक्सलियों ने अनेक राजनीतिक हिंसा को अंजाम दिया था। इस हिंसा में विभिन्न राजनीतिक दलों से जुड़े नेताओं, कार्यकर्ताओं, ग्रामीणों सहित सुरक्षा बलों और मतदान दलों के सदस्यों के मारे जाने या घायल होने की घटनाएं घटित हुई है।बिलाशक देश में बढ़ रहे चुनावी और राजनीतिक हिंसा के लिए सीधे तौर पर हमारी राजनीतिक व्यवस्था ही जवाबदेह है। चुनाव आयोग और सुप्रीम कोर्ट के तमाम जतन और चिंताओं के बावजूद राजनीति में धनबल और बाहुबल का प्रभाव लगातार बढ़ रहा है।

ऐनकेन प्रकारेण सत्ता हासिल करने के हनक के चलते देश में धर्म और जाति आधारित वोटबैंक की राजनीति उफान पर है। विडंबना है कि अब राजनीति के निशाने पर धर्म, जाति, भाषा और क्षेत्रीयता होने लगा है। हिंसा के हालिया दौर पर गौर करें तो राजनीतिक हिंसा अब केवल राजनीतिक विचारधारा का परस्पर टकराव न होकर सांप्रदायिक और जातिगत स्वरूप में सामने आने लगा है। इसका असर देश की एकता -अखंडता और सौहार्द के ताने-बाने पर दृष्टिगोचर हो रहा है।

गौरतलब है कि चुनाव को लोकतंत्र का महापर्व कहा जाता है लेकिन चुनावी हिंसा के चलते चुनावों की निष्पक्षता और स्वतंत्रता प्रभावित होती है। देश में कालांतर में चुनावों के दौरान वोटरों को धमकाने,मतदान केंद्रों पर हिंसा और बमबारी, मतदान दलों को धमकाकर जबरिया वोट डालना, मतपेटियों को लूटने जैसी घटनाएं होते रही हैं लेकिन ईवीएम तथा व्यापक सुरक्षा व्यवस्था के चलते ऐसे अपराधों पर काफी अंकुश लगा है। अलबत्ता चुनावी हिंसा से जहां नागरिकों के राजनीतिक और मौलिक अधिकारों का हनन हो रहा है वहीं इससे अनेक अयोग्य व अपराधी संसद और विधानसभाओं में पहुंच रहे हैं जिससे लोकतंत्र के मंदिर की मर्यादा खंडित हो रही है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स 'एडीआर' के मुताबिक 18 वीं लोकसभा में आपराधिक पृष्ठभूमि वाले 46 फीसदी यानि 251सांसद हैं। इनमें से 31 फीसदी पर हत्या, बलात्कार और अपहरण जैसे आरोप हैं यह आंकड़ा साल 2009 के बाद सबसे अधिक है। इसी प्रकार देश भर के विधानसभाओं के 45 फीसदी विधायकों ने अपने उपर आपराधिक मामले घोषित किए हैं। बंगाल में संपन्न हालिया चुनाव के बाद नवीन विधानसभा के 65 फीसदी विधायकों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं जबकि 2021 के विधानसभा में यह आंकड़ा 49 फीसदी था। अन्य राज्यों में भी दागी विधायकों की संख्या सोचनीय है। गौरतलब है कि राजनीतिक हिंसा से देश में आर्थिक और राजनीतिक अस्थिरता का भी खतरा बढ़ता है जिसके चलते महंगाई, बेरोजगारी और अपराध के आंकड़ों में बढ़ोतरी होती है। लिहाजा आजादी के अमृतकाल में देश के राजनीतिक व्यवस्था को हिंसा और भयमुक्त करने की जरूरत है ताकि आम जनता का भरोसा चुनाव और लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति कायम रहे। इस दिशा में राजनीतिक दलों को आत्ममंथन करने की जरूरत है आखिरकार यह लोकतंत्र के अक्षुण्णता से जुड़ा मुद्दा है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं।)

चेतना का मूल आधार है अस्तित्व का ज्ञान

संकलित
दर्शन

जब हम दर्शनशास्त्र का अध्ययन करते हैं, तो हमें यह ज्ञान होता है कि संपूर्ण विश्व एक है। आध्यात्मिक, भौतिक, मानसिक तथा प्राण-जगत भिन्न-भिन्न नहीं हैं। समस्त विश्व, यहां से वहां तक, एक है। बात इतनी ही है कि अलग-अलग दृष्टिकोण से देखे जाने के कारण वह विभिन्न प्रतीत होता है। 'मैं शरीर हूं, इस भावना से जब तुम अपनी ओर देखते हो तो यह भूल जाते हो कि मैं मन भी हूं'। और, जब तुम अपने को मनोरूप में देखने लगते हो, तो तुम्हें अपने शरीरत्व की विस्मृति हो जाती है। विद्यमान वस्तु केवल एक है और वह तुम हो। वह तुम्हें जड़ या शरीर के रूप में अथवा मन या आत्मा के रूप में दिख सकती है। जन्म, जीवन, मरण ये सब भ्रम मात्र हैं। न कोई कभी मरता है और ना कोई कभी जन्म लेता है। होता इतना ही है कि मनुष्य एक स्थिति से दूसरी स्थिति में चला जाता है। लोगों को मृत्यु से इतना भय पाते देख मुझे बहुत दुख होता है। वे मानो जीवन को पकड़ कर रखने की सतत चेष्टा करते रहते हैं। वे कहते हैं कि मृत्यु के बाद हमें जीवन दो। हमें मरणोत्तर जीवन दो। यदि कोई आए और उन्हें बताए कि मृत्यु के बाद भी वे विद्यमान रखेंगे, तो वे कितने आनंदित होते हैं? वस्तुतः मनुष्य के अमरत्व में मैं अविश्वास ही किस तरह कर सकता हूं? मैं मृत हूं, यह कल्पना ही मैं किस प्रकार कर सकता हूं? तुम यदि अपने को मृत सोचने की कोशिश करो तो देखोगे कि तुम अपने मृत शरीर को देखने के लिए वर्तमान हो ही। जीवन का अस्तित्व एक ऐसा आश्चर्यमय सत्य है कि तुम एक क्षण भी उसका विस्मरण नहीं कर सकते।

राजा हैं, फिर भी घमंडी ना बनें

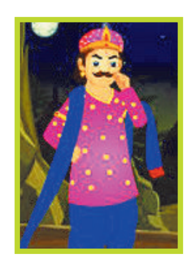

संकलित
प्रेरणा

एक राज्य में एक राजा रहता था जो बहुत घमंडी था। उसके घमंड के चलते आस पास के राज्य के राजाओं से भी उसके संबंध अच्छे नहीं थे। उसके घमंड की वजह से सारे राज्य के लोग उसकी बुराई करते थे। एक बार उस गांव से एक साधु महात्मा गुजर रहे थे उन्होंने भी राजा के बारे में सुना और राजा को सबक सिखाने की सोची।साधु तेजी से राजमहल की ओर गए और बिना प्रहरियों से पूछे सीधे अंदर चले गए। राजा ने देखा तो वो गुस्से में भर गया। राजा बोला- ये क्या उदण्डता है महात्मा जी, आप बिना किसी की आज्ञा के अंदर कैसे आ गए? साधु ने विनम्रता से उत्तर दिया- मैं आज रात इस सराय में रुकना चाहता हूं। राजा को ये बात बहुत बुरी लगी वो बोला- महात्मा जी ये मेरा राज महल है कोई सराय नहीं, कहीं और जाइये। साधु ने कहा- हे राजा, तुमसे पहले ये राजमहल किसका था? राजा- मेरे पिताजी का, साधु- तुम्हारे पिताजी से पहले ये किसका था? राजा- मेरे दादाजी का। साधु ने मुस्करा कर कहा- हे राजा, जिस तरह लोग सराय में कुछ देर रहने के लिए आते है वैसे ही ये तुम्हारा राज महल भी है जो कुछ समय के लिए तुम्हारे दादाजी का था, फिर कुछ समय के लिए तुम्हारे पिताजी का था, अब कुछ समय के लिए तुम्हारा है, कल किसी और का होगा। ये राजमहल जिस पर तुम्हें इतना घमंड है ये एक सराय ही है जहाँ एक व्यक्ति कुछ समय के लिए आता है और फिर चला जाता है। साधु की बातों से राजा इतना प्रभावित हुआ कि सारा राजपाट, मान सम्मान छोड़कर साधु के चरणों में गिर पड़ा और महात्मा जी से क्षमा मांगी।

आर्थिकी
सतीश सिंह

महंगाई की मार से धीमी पड़ती विकास की रफ्तार

वैश्विक अर्थव्यवस्था इस समय ऐसे दौर से गुजर रही है, जहां युद्ध, भू-राजनीतिक तनाव, ऊर्जा संकट और बाधित आपूर्ति श्रृंखलाएं विकास की गति पर भारी पड़ती दिखाई दे रही हैं। दुनिया भर में खाद्य पदार्थों, ईंधन और आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में लगातार वृद्धि ने महंगाई को फिर वैश्विक चिंता के केंद्र में ला खड़ा किया है। इसका सीधा असर विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ रहा है और भारत भी इससे अछूता नहीं है। संयुक्त राष्ट्र से जुड़े संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) के अनुसार वैश्विक खाद्य कीमतें पिछले तीन वर्षों के उच्चतम स्तर पर पहुंच चुकी हैं। अप्रैल महीने में फूड कमोडिटी प्राइस इंडेक्स में 1.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो पिछले वर्ष की तुलना मं 2.5 प्रतिशत अधिक है। इसके पीछे सबसे बड़ा कारण अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष है, जिसने वैश्विक व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। ईरान युद्ध को दस सप्ताह से अधिक समय बीत चुका है और हॉर्मुज जलडमरूमध्य अब भी पूरी तरह सामान्य नहीं हो पाया है। यह वही सामरिक समुद्री मार्ग है, जिससे दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत तेल और गैस की आपूर्ति होती है। इस मार्ग में व्यवधान आने से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर गहरा असर पड़ा है। ईंधन, उर्वरक, खाद्यान्न और अन्य आवश्यक वस्तुओं की आवाजाही प्रभावित हुई है, जिसके कारण उनकी कीमतों में तेज उछाल आया है। सबसे अधिक प्रभाव खाद्य तेलों पर दिखाई दे रहा है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने बायो-फ्यूल की मांग बढ़ा दी है, जिसके कारण वेजिटेबल ऑयल की कीमतें मार्च की तुलना में अप्रैल महीने में लगभग 6 प्रतिशत बढ़ गई हैं। यह जुलाई 2022 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। अनाज की कीमतों में भी लगातार तेजी बनी हुई है। यदि यह संकट लंबा खिंचता है, तो आने वाले समय में वैश्विक खाद्य संकट की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

भारत में भी महंगाई के संकेत स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगे हैं। अप्रैल महीने में दैनिक उपयोग की 20 में से 16 वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि दर्ज की गई। खाने के तेल, टमाटर और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में भारी बढ़ोतरी ने खुदरा महंगाई को लगभग 4 प्रतिशत के स्तर तक पहुंचा दिया है। महंगाई का असर केवल रसोई तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह धीरे-धीरे पूरी अर्थव्यवस्था की गति को प्रभावित करता है। पैकेजिंग सामग्री, ऊर्जा और परिवहन लागत बढ़ने से एफएमसीजी सेक्टर की कंपनियों की इनपुट लागत बढ़ गई है। आने वाले महीनों में साबुन, तेल, बिस्किट और अन्य रोजमर्रा की वस्तुएं और महंगी हो सकती हैं। इसका सीधा असर आम आदमी की जेब पर पड़ेगा। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड की कीमतों में भारी वृद्धि दर्ज की गई है। यूरिया, एल्युमीनियम, सोया तेल और गेहूं जैसी आवश्यक वस्तुएं भी महंगी हुई हैं। इसका असर उद्योगों, निर्माण क्षेत्र और कृषि लागत पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। कृषि क्षेत्र विशेष रूप से प्रभावित हो रहा है, क्योंकि उर्वरक, डीजल और परिवहन महंगे होने से खेती की लागत बढ़ रही है। इससे खाद्य कीमतों में और वृद्धि होने की संभावना है। महंगाई बढ़ने का सबसे बड़ा दुष्प्रभाव यह है कि लोगों की आय का बड़ा हिस्सा भोजन, ईंधन और रोजमर्रा के खर्चों में निकल जाता है, जिससे बचत घट जाती है। बचत कम होने से बैंकों और वित्तीय संस्थानों के पास निवेश के लिए पूंजी भी कम होती है। परिणामस्वरूप उद्योगों का विस्तार धीमा पड़ने लगता है। यही कारण है कि भारतीय रिजर्व बैंक ने हालिया मौद्रिक समीक्षा में नीतिगत दरों को यथावत रखा है। केंद्रीय बैंक का उद्देश्य महंगाई को नियंत्रित करना है, लेकिन ऊंची ब्याज दरों का असर निवेश और उपभोग दोनों पर पड़ता है। कर्ज महंगा होने से उद्योगों के विस्तार की गति धीमी होती है और नए निवेश प्रभावित होते हैं। इससे रोजगार के अवसरों पर भी असर पड़ता है। विशेष रूप से एमएसएमई सेक्टर पर इसका दबाव अधिक दिखाई दे रहा है। छोटे और मध्यम उद्योग पहले ही ऊंची लागत और सीमित पूंजी से जूझ रहे हैं। अब ऊर्जा, परिवहन और कच्चे माल की बढ़ती कीमतों ने उनकी चुनौतियां और बढ़ा दी हैं। यदि स्थिति लंबे समय तक बनी रही, तो उत्पादन में गिरावट और रोजगार संकट गहरा सकता है। दरअसल, महंगाई केवल कीमतों में वृद्धि नहीं है; यह आर्थिक संतुलन को प्रभावित करने वाली वह प्रक्रिया है, जो धीरे-धीरे विकास की गति को कमजोर कर देती है। जब आम आदमी की क्रय शक्ति घटती है, उद्योगों की लागत बढ़ती है, निवेश धीमा पड़ता है और रोजगार के अवसर कम होते हैं, तब आर्थिक विकास की रफ्तार स्वतः कम हो जाती है।

(लेखक एसबीआई में एजीएम हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

पहिए बनने शुरू

पुरीः 'महाराणा सेवायत' (पुश्तैनी बढ़ई) के नाम से जाने जाने वाले कारीगर, सालाना रथ यात्रा से पहले भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के लिए रथों के लकड़ी के पहिए बना रहे हैं। पहिए बनाने की प्रक्रिया ओडिशा के पुरी में बुधवार से शुरू हुई।

आज की पाती

सोच और कार्य व्यवहार बदलने ही चाहिए

जरूरत से ज़्यादा विनम्र होना और किसी को अधिक सम्मान देना भी आज के समय में कई बार एक बड़ी मूर्खता प्रतीत होती है। वे लोग आपको/हमें लगभग उनका दास ही समझने लगते हैं, विशेषकर बड़े प्रशासनिक अधिकारियों और राजनीतिक नेताओं के विषय में। मुख्यत:, यदि कुछ प्रशासनिक अधिकारी ईमानदार और पूर्णत: संवैधानिक विषयों, कार्यों में भी सहयोग नहीं करते हैं, तो ऐसे अधिकारियों के विरुद्ध निर्भीक होते हुए कानूनी तरीके से नि:संकोच होकर अवश्य ही अपनी आवाज बुलंद करनी चाहिए। हमारे पूर्ण मर्यादा में रहते हुए, उन लोगों को भी कुछ सेंक/आंच महसूस होनी चाहिए। ये हम सभी को बिल्कुल स्पष्ट होना चाहिए कि बड़े से बड़े प्रशासनिक अधिकारी और चुने हुए प्रतिनिधि जनता की सेवा करने के लिए ही होते हैं, जनमानस-नागरिकों पर राज करने के लिए नहीं।

-राजेन्द्र ठाकुर, रायपुर

करंट अफेयर

गड्ढे भरना नेताओं के बस की बात क्यों नहीं?

ब्रिटेन में सड़कों के गड्ढे न सिर्फ सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा हैं, बल्कि ये वाहनों को नुकसान पहुंचाने के साथ लोगों की रोजमर्रा की परेशानी और नाराजगी की बड़ी वजह भी हैं। स्थानीय निकाय चुनावों के दौरान यह मुद्दा और भी उभरकर सामने आता है क्योंकि अधिकांश सड़कों का रखरखाव स्थानीय प्रशासन की जिम्मेदारी है। अप्रैल में हुए एक सर्वेक्षण में पाया गया कि सात मई के लिए निर्धारित चुनावों में पूरे ब्रिटेन में मतदाताओं के लिए सड़कों की हालत सबसे प्रमुख स्थानीय मुद्दा रही। 'द एस्फाल्ट इंडस्ट्री एलायंस' (एआईए) की 2025 की रिपोर्ट बताती है कि इंग्लैंड और वेल्स के स्थानीय सड़क नेटवर्क का 17 प्रतिशत हिस्सा खराब हालत में है। रिपोर्ट के अनुसार मरम्मत के लंबित कार्य को पूरा करने में 12 साल लगेंगे और 16 .81 अरब पाउंड खर्च होंगे। नेताओं के लिए गड्ढे भरने के आंकड़े गिनाकर वोट बटोरना आसान है, लेकिन इससे समस्या की जड़ नहीं सुलझती। गड्ढे अचानक नहीं बनते, होता यूं है कि सामान्य डामर सड़कों में बिटुमेन समय के साथ पुराना और भुरभुरा हो जाता है। वाहनों के बोझ से सड़क की सतह पर दरारें पड़ने लगती हैं। इन दरारों में पानी घुस जाता है और सर्दियों में जमने-पिघलने के चक्र तथा वाहनों के दबाव से ये दरारें चौड़ी होती जाती हैं।

ऑफ बीट

आइसक्रीम के स्वादों का अजीब इतिहास

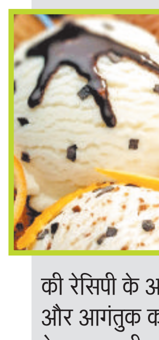

इंग्लिश हेरिटेज अब अपनी 13 साइटों पर ब्राउन ब्रेड आइसक्रीम बेच रहा है, जिसे वह 'ब्रेड के बाद सबसे अच्छी कटी हुई चीज' बताता है, जो जॉर्जियाई रेसिपी से प्रेरित है। स्वाद की घोषणा में ब्राउन ब्रेड आइसक्रीम तक पहुंचने से पहले इंग्लिश हेरिटेज द्वारा परमेसन और ककड़ी जैसे कई और विचित्र जॉर्जियाई स्वादों को आजमाने का उल्लेख किया गया है। ऐतिहासिक व्यंजनों से आगंतुकों को लुभाने के अपने प्रयासों में इंग्लिश हेरिटेज अकेली नहीं है। एडिनबर्ग में, नेशनल ट्रस्ट फॉर स्कॉटलैंड के ग्लैडस्टोन्स लैंड में डेयरी से जुड़ा एक आइसक्रीम पार्लर है, जो 1904 में वहां बना था। यह संपत्ति 1770 की रेसिपी के आधार पर बिगफ्लॉवर और नींबू दही आइसक्रीम बेचती है, और आगंतुक कई अन्य तरह के स्वाद का भी मजा ले सकते हैं। ब्राउन ब्रेड आइसक्रीम, जिसे अपनी कैरेमेल पौष्टिकता के लिए पसंद किया जाता है, समकालीन खाने वालों के लिए अन्य ऐतिहासिक पेशकशों की तुलना में भले ही अधिक परिचित स्वाद हो सकती है, लेकिन पिछली शताब्दियों में ब्रिटेन में खाई जाने वाली आइसक्रीम स्वाद और रूपों की एक विशाल विविधता से गुजरी है।

ट्रेंड

स्वच्छ भारत अभियान

मेरा हमेशा से यही मानना रहा है कि कोई भी सरकार तभी सफल हो सकती है जब समाज स्वयं राष्ट्र निर्माण में सक्रिय रूप से भाग ले। स्वच्छ भारत अभियान जैसे अनेक कार्यक्रम इसके प्रमुख उदाहरण हैं।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

गहरी संवेदनाएं

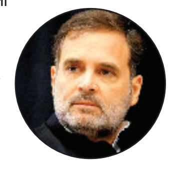

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और कर्नाटक के मंत्री डी. सुधाकर के निधन से गहरा दुख हुआ। कांग्रेस विचारधारा के पथप्रदर्शक, उन्होंने अपना पूरा जीवन चित्रदुर्ग और कर्नाटक के गरीबों की सेवा में व्यतीत किया। उनके परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं।

- राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

मां कामाख्या के दर्शन

असम का नया विधान भवन ब्रह्मपुत्र नदी के तट पर स्थित है, जहां से दुनिया का सबसे छोटा नदी द्वीप उमानंदा दिखाई देता है। जब भी आप मां कामाख्या के दर्शन के लिए आएं, उमानंदा में बाबा के दर्शन अवश्य करें। इससे आपकी यात्रा सफल होगी

- हिमंता बिस्वा सरमा, सीएम, असम

डिजिटल क्रांति

हमारी डिजिटल क्रांति ने भारत को डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में वैश्विक अग्रणी बना दिया है। आज बुनियादी ढांचा भी अभूतपूर्व गति से विकसित हो रहा है, भविष्योन्मुखी दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ रहा है। भारत तेजी से स्टार्टअप के मामले में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा इकोसिस्टम बन गया है।

- सम्राट चौधरी, सीएम, बिहार

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

45 साल में पहली बार मई में चलेगी पैलेस ऑन व्हील्स लग्जरी ट्रेन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

राजस्थान की मशहूर लग्जरी ट्रेन 'पैलेस ऑन व्हील्स' अपने 45 साल के इतिहास में पहली बार मई महीने में पटरी पर दौड़ने जा रही है। 26 जनवरी 1982 को शुरू की गई यह ट्रेन देश की पहली लग्जरी हेरिटेज ट्रेन मानी जाती है। अब तक यह ट्रेन केवल सितंबर से अप्रैल के बीच ही संचालित होती थी। मई-जून में भीषण गर्मी के कारण इसे बंद कर दिया जाता था। इस बार बढ़ती मांग को देखते हुए पैलेस ऑन व्हील्स की यह विशेष यात्रा 20 मई से 25 मई तक संचालित होगी। यह लग्जरी ट्रेन दिल्ली के सफदरजंग रेलवे स्टेशन से रवाना होकर करीब 2,610 किलोमीटर का सफर तय करेगी।

06
6 दिन, 2610 किमी और शाही सफर

26
जनवरी 1982 को की गई थी शुरू

दुनिया की प्रमुख शाही लग्जरी ट्रेनों में होती है इसकी गिनती

देश के एक बड़े बैंक ने की पूरी ट्रेन बुक

इस बार ट्रेन की जबरदस्त मांग सामने आई है। देश के एक बड़े सरकारी बैंक ने खास यात्रा के लिए पूरी लग्जरी ट्रेन की बुकिंग की है। यही कारण है कि 45 साल में पहली बार इसे मई महीने में चलाने का फैसला लिया गया है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार छह दिन में यह ट्रेन करीब 2,610 किलोमीटर का सफर तय करेगी। छह दिन की इस यात्रा में यात्रियों को राजस्थान की समृद्ध संस्कृति, भव्य किलों, ऐतिहासिक महलों और रेगिस्तान की खूबसूरती का शानदार अनुभव मिलेगा।

ट्रेन की क्या खासियतें?

इस ट्रेन में कुल 22 कोच होंगे। इनमें छह डब्ल्यूपीसीटी -1 सैलून कोच, सात डब्ल्यूपीसीटी -2 सैलून कोच, एक सुपर डीलक्स सैलून कोच, दो रेस्टोरेंट-कम-बार कोच के अलावा किचन, स्टाफ, सर्विस और स्पा कार भी शामिल होंगी। इस ट्रेन के 14 खास कोच राजस्थान की पूर्व रियासतों के नाम पर रखे गए हैं। यात्रियों को इस ट्रेन में पारंपरिक राजस्थानी खाने के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय व्यंजन भी परोसे जाते हैं। हर कोच में शाही इंटीरियर, आरामदायक बेड और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। यही कारण है कि 'पैलेस ऑन व्हील्स' को दुनिया की सबसे शानदार लग्जरी ट्रेनों में शामिल किया जाता है।

खबर संक्षेप

बांदा में मां और भाई की गोली मारकर हत्या

बांदा। उत्तर प्रदेश के बांदा जिले के बबेरू कस्बे में रविवार दोपहर एक व्यक्ति ने अपनी मां और छोटे भाई की कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी। बांदा के पुलिस अधीक्षक (एसपी) पलाश बंसल ने बताया कि रविवार दोपहर करीब 12 बजे बबेरू पुलिस को सूचना मिली कि तहसील परिसर के पीछे रहने वाले राजकिशोर मिश्रा ने अपनी मां शांति (60) और छोटे भाई देवीदीन (35) को गोली मार दी है।

दो सूटकेस से क्षत-विक्षत शव के अंग बरामद

भभुआ। बिहार के कैमूर जिले में दुर्गावती नदी के किनारे दो सूटकेस के अंदर से शव के क्षत-विक्षत अंग मिले हैं। पुलिस ने बताया कि ये सूटकेस जिले के मोहनिया और रामगढ़ थाना क्षेत्रों के बीच स्थित एक पुल के नीचे मिले।
कैमूर के पुलिस अधीक्षक हरि मोहन शुक्ला ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि पुल के नीचे शव के अंग मिले हैं।
शुक्ला ने बताया, हमें ग्रामीणों से सूचना मिली थी कि यहां दुर्गावती नदी पर बने एक पुल के नीचे शव के क्षत-विक्षत अंग मिले हैं।

नए मंत्रियों में एक ब्राह्मण, 3 अन्य पिछड़ा वर्ग और 2 दलित वर्ग से

योगी के मंत्रिमंडल में महिला सहित छह विधायक बनाए गए मंत्री, दो का प्रमोशन

एजेंसी ▶▶| लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मंत्रिमंडल का आज दूसरी बार विस्तार हुआ है। 6 नए मंत्रियों को कैबिनेट में शामिल किया गया है। इनमें भूपेंद्र चौधरी, मनोज पांडे, कृष्णा पासवान, हंसराज विश्वकर्मा, कैलाश राजपूत, सुरेंद्र दिलेर के नाम हैं। नए मंत्रियों में एक ब्राह्मण, 3 अन्य पिछड़ा वर्ग और 2 दलित वर्ग से हैं। वहीं, 2 मंत्रियों का प्रमोशन हुआ है। इनमें राज्यमंत्री अजीत पाल और सोमेंद्र तोमर का नाम है। उत्तर प्रदेश सरकार में मुख्यमंत्री को मिलाकर 54 मंत्री रहे मगर आज विस्तार के बाद ये 60 हो गए हैं।

पहले मंत्रिमंडल विस्तार में बनाए गए थे 4 मंत्री

योगी सरकार ने पहला मंत्रिमंडल विस्तार 2024 के लोकसभा चुनाव ठीक पहले 5 मार्च को किया था। तब 4 नेताओं को मंत्री बनाया गया था। इनमें सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर, समाजवादी पार्टी छोड़कर भाजपा में आने वाले दारा सिंह चौहान, राष्ट्रीय लोक दल के अनिल कुमार और भाजपा के सुनील शर्मा के नाम शामिल थे।

नए चेहरों के बारे में जानिए

- **भूपेंद्र चौधरी :** उत्तर प्रदेश भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष। फिलहाल विधान परिषद सदस्य।
- **मनोज पांडे :** ऊंचाहार से विधायक। समाजवादी पार्टी छोड़कर भाजपा में आए।
- **कृष्णा पासवान :** खागा सीट से भाजपा विधायक हैं। 4 बार विधायक और 2 बार जिला पंचायत सदस्य रह चुकी हैं
- **सुरेंद्र दिलेर :** खैर सीट से विधायक। हाथरस के पूर्व सांसद राजवीर सिंह दिलेर के बेटे हैं
- **हंसराज विश्वकर्मा :** भाजपा से एमएलसी। पिछड़ा वर्ग की राजनीति में मजबूत पकड़
- **कैलाश राजपूत :** तिर्वा से विधायक। पहले बहुजन समाज पार्टी में रहे

अखिलेश बोले 9 महीने में मंत्री क्या कर लेंगे?

अखिलेश यादव ने कहा, 'मंत्रिमंडल में केवल 6 रिक्तियां हैं, इससे ज्यादा तो दूसरे दल से पाला बदल कर आए लोग हैं, क्या उन सभी को मंत्री पद से नवाजा जाएगा? एक समाज के कई विधायकों में से एक को चुना जाएगा तो आधार क्या होगा? जनता ये भी पूछ रही है कि आखिरी 9 महीनों में ये मंत्री क्या कर लेंगे जब 9 साल में ये सरकार कुछ न कर सकी।'

ऐसे साधे गए जातिगत समीकरण

उत्तर प्रदेश में भाजपा के 258 विधायक हैं। इनमें 85 ओबीसी, 59 अनुसूचित जाति, 45 राजपूत, 42 ब्राह्मण और 28 अन्य सवर्ण जातियों से हैं। आज हुए मंत्रिमंडल विस्तार में पिछड़े वर्ग से 3 चेहरों को शामिल किया गया है। महिला आरक्षण पर बहस के बीच एक महिला को भी जगह मिली है। सुरेंद्र दिलेर और कृष्णा पासवान को मंत्रिमंडल में शामिल कर दलित वर्ग को साधने की कोशिश की गई है।

बेंगलुरू की रैली में कांग्रेस को जमकर सुनाया

मोदी बोले- ऐसा कोई सगा नहीं, जिसे कांग्रेस ने ठगा नहीं

एजेंसी ▶▶| हैदराबाद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को हैदराबाद और बेंगलुरु के दौरे पर रहे। बेंगलुरु में भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने तमिलनाडु की राजनीति पर टिप्पणी की। उन्होंने तमिलनाडु में कांग्रेस और डीएमके के अलग हुए गठबंधन को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने सत्ता की भूख में विश्वासघात किया है। मोदी ने कहा कि कांग्रेस का ऐसा कोई भी सगा नहीं है जिसे उसने ठगा न हो। इस कार्यक्रम के बाद पीएम मोदी 'आर्ट ऑफ लिविंग' संगठन की 45वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में पहुँचे। यहाँ उन्होंने नवनिर्मित ध्यान मंदिर का उद्घाटन किया। तेलंगाना में 9,400 करोड़ के प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास किया।

कांग्रेस और उनकी गारंटियाँ दोनों झूठी

कांग्रेस को घेरते हुए पीएम मोदी ने कहा, "कांग्रेस को सिर्फ विश्वासघात करना आता है। ये खुद भी झूठे हैं और इनकी गारंटियाँ भी झूठी हैं। मोदी ने कहा, "पहला मौका मिलते ही कांग्रेस अपने साथियों के साथ भी विश्वासघात करती है। कोई ऐसा सगा नहीं, जिसे कांग्रेस ने ठगा नहीं।

किन-किन विकास परियोजनाओं का किया उद्घाटन

तेलंगाना में 9,377 करोड़ रुपए की लागत से तैयार परियोजनाओं का उद्घाटन करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, भारत आज रिफॉर्म्स एक्सप्रेस पर आगे बढ़ रहा है और आधुनिक बुनियादी ढांचे का तेजी से निर्माण कर रहा है। पीएम मोदी ने जिन परियोजनाओं का उद्घाटन किया, उनमें हैदराबाद-पनजी आर्थिक कॉरिडोर पर राष्ट्रीय राजमार्ग-167 के गुडेबेल्लूर से महबूबनगर तक फोर-लेन निर्माण और संगारेड्डी जिले के जहीराबाद औद्योगिक क्षेत्र का विकास शामिल है।

पाक का खैबर पख्तूनख्वा धमाके से दहला

पुलिस चौकी पर हमला, 15 पुलिसकर्मियों की हुई मौत

एजेंसी ▶▶| कराची

पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में कल रात हुए भीषण उग्रवादी हमले में अब तक 15 पुलिसकर्मियों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। यह हमला बन्नू जिले के एक पुलिस चौकी पर हुआ, जहां आत्मघाती विस्फोट के बाद भारी संख्या में उग्रवादियों ने हमला बोल दिया। बता दें कि एक उग्रवादी ने विस्फोटकों से भरा वाहन पुलिस चौकी के पास उड़ा दिया। अधिकारियों ने बताया कि ये विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि आसपास के कई मकानों की छतें ढह गईं। वहीं पुलिस पोस्ट तो पूरी तरह तबाह हो गई। हालांकि इस ताजा हमले की जिम्मेदारी अब तक किसी संगठन ने नहीं ली है। हालांकि अब तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि हमले में कितने आतंकी मारे गए या किसी को गिरफ्तार किया गया है या नहीं। घटना के बाद इलाके में तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

कैसे किया हमला?

जानकारी के मुताबिक, हमले के वक्त उग्रवादी विस्फोटकों से भरे वाहन में सवार पुलिस चौकी की ओर बढ़ रहे थे। जब सुरक्षा बलों ने वाहन को रोकने के लिए फायरिंग की,तो उसमें जोरदार धमाका हो गया। धमाके के बाद बड़ी संख्या में आतंकियों ने चौकी पर धावा बोल दिया और दोनों ओर से भारी गोलीबारी शुरू हो गई। इस दौरान 15 सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए।

'नीच, भ्रामक और घृणित': फर्जी पोस्ट पर फूटा सीजेआई का गुस्सा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सोशल मीडिया पर मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत के नाम से एक विवादित जातिवादी बयान वायरल किया गया था, जिसमें समाज के शोषण के लिए मानसिकता को जिम्मेदार बताया गया। सीजेआई ने इस बयान को पूरी तरह फर्जी और मनगढ़ंत बताते हुए स्पष्ट किया है कि यह न्यायपालिका की छवि खराब करने और सामाजिक विद्वेष फैलाने की एक दुर्भावनापूर्ण साजिश है। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने इसे एक नीच, भ्रामक और शरारतपूर्ण साजिश करार दिया है। आमतौर पर शांत रहने वाले सीजेआई का यह तीखा तेवर चर्चा का विषय बना हुआ है।

उच्चतम पद को बदनाम करने की कोशिश : सीजेआई सूर्यकांत ने एक बयान में अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि एक काल्पनिक बयान तैयार करना और उसे देश के सर्वोच्च न्यायिक पद से जोड़ना बेहद गलत है। यह हरकत पूरी तरह से बेईमानी है। इसका उद्देश्य सामाजिक उकसावा पैदा करना है। उन्होंने इसे संविधानिक मूल्यों की अवमानना बताया है।

ऐसा है भ्रामक पोस्ट का विवरण

सीजेआई ने विशेष रूप से एक्स पर मौजूद एक अकाउंट का जिक्र किया। इस अकाउंट ने हिंदी में एक बयान उनके नाम से साझा किया था। उस पोस्ट में लिखा था, 'यदि कोई समाज आईएएस, आईपीएस, सीजेआई और राष्ट्रपति पैदा करने के बाद भी खुद को शोषित बताता है, तो दोष ब्राह्मणों का नहीं बल्कि उसकी मानसिकता का है।'
ऐसी सामग्री को बढ़ावा न दें : सीजेआई : मुख्य न्यायाधीश ने इस बयान को पूरी तरह निराधार और द्वेषपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह से झूठा दावा है।

टीपू सुल्तान-हनुमान विवाद में कडपा में भड़की हिंसा

एजेंसी ▶▶| कडपा

आंध्र प्रदेश के कडपा के अलमास पेट चौराहे पर शनिवार को माहौल काफी तनावपूर्ण हो गया। यहां 2 समूहों के बीच इस जगह का नाम क्या रखा जाए, इसे लेकर जबरदस्त विवाद शुरू हो गया। एक पक्ष चाहता था कि चौराहे का नाम टीपू सुल्तान के नाम पर हो, जबकि दूसरा पक्ष भगवान हनुमान के नाम की मांग कर रहा था। देखते ही देखते प्रदर्शन हिंसक हो गए और पत्थरबाजी शुरू हो गई। इसके बाद पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर हालात पर काबू पाया और अब इलाके में शांति बनाए रखने के लिए धारा 144 लागू कर दी गई है।

अधिकारी शामिल लोगों की पहचान कर रहे

जिला अधिकारियों ने इस हिंसा को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि कुछ शरारती तत्व जानबूझकर माहौल खराब करने की कोशिश में थे। अधिकारियों ने यह भी बताया कि उन्होंने इस विवाद में शामिल लोगों की पहचान कर ली है और जल्द ही उनकी गिरफ्तारी होगी।

MARUTI SUZUKI ARENA

GROW WITH INDIA'S BIGGEST AUTOMOBILE NAME.
Maruti Suzuki Arena is looking for Dealer in Bhubaneswar

MOVING FAST INTO THE FUTURE
Maruti Suzuki has been selling over 15 lakhs cars every year for the last few years, significantly more than any other car maker in India. With ever-increasing sales volumes, India's favourite car company is moving at a tremendous pace. In service, maintenance and sales of spare parts, over 100 lakh Maruti Suzuki cars have formed a potentially profitable market.

INVESTING IN INDIA
Advanced manufacturing units with enhanced and upgraded production capacity produces vehicles as per the growing demand. Highly successful models like Alto K10, Eeco, WagonR, Swift, Dzire, Ertiga, Celerio, Brezza, Victoris and S-PRESSO have strengthened our leadership. Maruti Suzuki is making huge investments in Indian market as only 32 out of every 1000 Indians own cars.

WE SEEK STRONG ENTREPRENEURIAL SKILLS
If you can bring innovation and determined customer focus to the table, then you match our profile. Business experience, financial depth and infrastructure/land (approx. 4000 m^2) available for the dealership will form the basis of evaluation. Prior automobile experience is not essential.

HOW TO APPLY
Visit:https://www.marutisuzuki.com/corporate/reach-us/business-opportunities/apply-online to access the online form.
Register yourself and fill all the relevant information correctly.
Upload the requisite documents before submitting the form.
Please submit the application form before midnight of 30th May, 2026 for your application to be considered. Once submitted, you cannot make changes in the form.
Download the submitted form, take print outs of the form and the uploaded documents. Send it all along with the Earnest Money Demand Draft to the below address:
Dealer Development Department, Maruti Suzuki India Limited
1, Nelson Mandela Marg, Vasant Kunj, New Delhi 110070

Mobile: +91 8146539940/9888896688
URL: https://www.marutisuzuki.com/corporate/reach-us/business-opportunities/apply-online

खबर संक्षेप

गोदरेज प्रॉपर्टीज का 39,000 करोड़ बिक्री बुकिंग का लक्ष्य

नई दिल्ली। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 में अपनी बिक्री बुकिंग 14 प्रतिशत बढ़ाकर 39,000 करोड़ रुपये करने का लक्ष्य तय किया है। आवासीय संपत्तियों की मजबूत मांग के चलते इसकी वृद्धि की रफ्तार जारी रहेगी। चेयरमैन पिरोजशा गोदरेज ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद कंपनी को अपने लक्ष्य को हासिल करने में किसी बड़ी बाधा की आशंका नहीं है। हालांकि, पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष की स्थिति पर कंपनी सतर्क नजर बनाए हुए है। उन्होंने कहा, /''आवास बाजार में मांग मजबूत बनी हुई है। आने वाले वर्ष को लेकर हम सकारात्मक हैं, हालांकि वैश्विक घटनाक्रमों पर नजर रखना जरूरी है।/''

एलटीटीएस के सीईओ चड्ढा का वेतन 17 प्रतिशत घटा

नई दिल्ली। एलएंडटी टेक्नोलॉजी सर्विसेज की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी और प्रबंध निदेशक अमित चड्ढा को वित्त वर्ष 2025-26 के लिए कुल 14.96 करोड़ रुपये का पारिश्रमिक या वेतन और भत्ते मिले हैं। यह राशि इससे पिछले साल की तुलना में 17.4 प्रतिशत कम है। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए चड्ढा के पारिश्रमिक में 5.77 करोड़ रुपये का मूल वेतन, 2.62 करोड़ रुपये का कमीशन और 1.68 करोड़ रुपये का परिवर्तनशील वेतन शामिल था। इसके अतिरिक्त, उन्हें पिछले कई वर्षों में दिए गए कर्मचारी शेयर स्वामित्व योजना से संबंधित अनुलाभ के रूप में 4.88 करोड़ रुपये मिले। वार्षिक रिपोर्ट में कहा गया कि चड्ढा के पारिश्रमिक का भुगतान अमेरिकी डॉलर में किया गया।

पश्चिम एशिया संकट से ऊंचे बने रहेंगे कच्चे तेल के दाम : एडीबी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम एशिया संकट के लंबा खिंचने की आशंका के चलते कच्चे तेल के दाम अभी ऊंचे स्तर पर बने रहेंगे। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के मुख्य अर्थशास्त्री अल्बर्ट पार्क ने यह बात कही है। पार्क ने कहा, कच्चे तेल की कीमतें ऊंची रहने की आशंका के बीच हमारा अनुमान है कि नए परिदृश्य में यह 2026 में औसतन 96 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर रहेगा। 2027 में यह 80 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर रहेगा। इसलिए, हमारा मानना है कि कच्चे तेल की कीमतें लंबे समय तक ऊंची रह सकती हैं। उन्होंने कहा कि वायदा कीमतें भी ऊंची बनी हुई हैं। हालांकि, उन्होंने कहा, 'हमने हमेशा हाजिर बाजार की कीमतों और निकट के वायदा बाजार में एक तरह का प्रीमियम भी देखा है क्योंकि अभी कच्चे तेल की बहुत कमी है।'

एशियाई विकास बैंक ने कहा, भारत की वृद्धि दर घटेगी

वृद्धि दर अनुमान को घटाकर 4.7 फीसदी किया

एडीबी ने 29 अप्रैल को अपनी विशेष अद्यतन रिपोर्ट में 2026 के लिए एशिया प्रशांत के लिए वृद्धि दर के अनुमान को 5.1 प्रतिशत से घटाकर 4.7 प्रतिशत कर दिया है। खाद्य उत्पादन पर एल नीनो के असर के बारे में पूछे जाने पर पार्क ने कहा, बेशक, यह बहुत अनिश्चित है।

भारत का असर दूसरे देशों पर भी पड़ता है

जाहिर है जब भी भारत में फसल खराब होती है, तो हमें एक समस्या होती है, ज्यादा कीमतों के साथ। चावल के वैश्विक व्यापार में भारत का एक बड़ा हिस्सा है। इसलिए भारत में जो कुछ भी होता है, उसका अक्सर दूसरे देशों पर भी बड़ा असर पड़ता है। उन्होंने आगे कहा कि बढ़ती उर्वरक कीमतों के अलावा यह भी चिंता का एक कारण है।

महंगाई के कारण वृद्धि दर अनुमान घटाया

एडीबी ने अप्रैल में अनुमान लगाया था कि मजबूत घरेलू मांग की वजह से चालू वित्त वर्ष में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.9 प्रतिशत के स्तर पर मजबूत बनी रहेगी। अगले वित्त वर्ष में यह बढ़कर 7.3 प्रतिशत हो जाएगी। महंगाई के मामले में, एडीबी ने मौजूदा वित्त वर्ष में इसके 4.5 प्रतिशत पर रहने का अनुमान लगाया था।

इस वर्ष महंगाई भी काफी बढ़ जाएगी

पश्चिम एशिया संकट का भारत पर क्या असर होगा, इस बारे में पार्क ने कहा कि इससे देश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर में 0.6 प्रतिशत की कमी आएगी, जिससे यह 6.3 प्रतिशत रह जाएगी। उन्होंने कहा कि इसके अलावा इससे मौजूदा वित्त वर्ष में महंगाई भी काफी बढ़ जाएगी।

अधिकारियों ने कंपनियों के तिमाही नतीजों के दौरान दिए संकेत

रोजमर्रा के इस्तेमाल का सामान हो सकता है महंगा, कीमतें बढ़ाने की तैयारी में कंपनियां

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कच्चे तेल से जुड़ी महंगाई, पैकेजिंग सामग्री और ईंधन लागत में बढ़ोतरी के बीच साबुन, डिटर्जेंट, बिस्किट, पैकेट बंद खाद्य पदार्थ और पेय उत्पादों की कीमतें बढ़ सकती हैं। देश की प्रमुख रोजमर्रा के उपभोग का सामान बनाने वाली (एफएमसीजी) कंपनियां बढ़ती लागत से मुनाफे पर पड़ रहे दबाव को कम करने के लिए चरणबद्ध तरीके से दाम बढ़ाने की तैयारी कर रही हैं।

एफएमसीजी कंपनियों के अधिकारियों ने हालिया तिमाही नतीजों के दौरान संकेत दिया है कि वे पहले ही तीन से पांच प्रतिशत तक कीमतें बढ़ा चुकी हैं और लागत का दबाव जारी रहने पर आगे भी मूल्य वृद्धि की जा सकती है। कंपनियों का कहना है कि पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव के कारण वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हुई है, जिससे कच्चे माल, लॉजिस्टिक्स और पैकेजिंग लागत बढ़ी है। रुपये में कमजोरी ने भी दबाव बढ़ाया है। इसका असर खाद्य उत्पादों, व्यक्तिगत देखभाल, पेय पदार्थ और घरेलू उपयोग के सामान सहित कई क्षेत्रों पर दिखाई दे रहा है। कंपनियां मुनाफा बनाए रखने के लिए कीमतें बढ़ाने के साथ पैकेट बंद उत्पादों में मात्रा कम करने की रणनीति भी अपना रही हैं। हालांकि पांच, 10 और 15 रुपये वाले छोटे पैक बाजार में बनाए रखने की कोशिश की जा रही है ताकि बिक्री पर असर कम पड़े। कंपनियां लागत कम करने के लिए छूट और प्रचार खर्चों में कटौती, भंडार प्रबंधन को मजबूत करने और आपूर्ति श्रृंखला को अधिक कुशल बनाने जैसे कदम उठा रही हैं। इसके बावजूद उपभोक्ताओं पर बढ़ती लागत का कुछ बोझ पड़ने की संभावना है।

साबुन, डिटर्जेंट, पैकेट बंद खाद्य पदार्थ पेय उत्पाद की कीमतें बढ़ सकती है

ईंधन व पैकेजिंग लागत में 20 फीसदी वृद्धिः ब्रिटानिया सीईओ

ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज ने भी संकेत दिया है कि ईंधन और पैकेजिंग लागत में करीब 20 प्रतिशत वृद्धि के कारण जल्द ही कीमतें बढ़ाई जा सकती हैं। कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) रक्षित हरगेव ने कहा कि कंपनी सीधे दाम बढ़ाने और पैक के वजन में कमी, दोनों विकल्पों पर विचार कर रही है।

कीमतों में दबाव से बढ़ सकते हैं दामः एचयूएल

हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) ने भी संकेत दिए हैं कि यदि जिंसों की कीमतों में दबाव बना रहा तो कंपनी आगे और कीमतें बढ़ा सकती है। एचयूएल के प्रमुख ब्रांड में सर्फ एक्सल, ब्रुक बॉन्ड, लाइफबॉय, डव, क्लिनिक प्लस, सनसिल्क, लैक्मे जैसे ब्रांड हैं।

महंगाई का आठ से दस फीसदी बोझ पड़ा है : सीएफओ

एचयूएल के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) निरंजन गुप्ता ने कहा, ''अभी तक हमारे ऊपर महंगाई का आठ से 10 प्रतिशत का बोझ पड़ा है। हमने पोर्टफोलियो दर पोर्टफोलियो आधार पर कीमतों में दो से पांच प्रतिशत तक की वृद्धि की है।''

कंपनी 10 प्रतिशत महंगाई का सामना कर रही : डाबर

डाबर इंडिया के वैश्विक मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) मोहित मल्होत्रा ने कहा कि कंपनी इस वित्त वर्ष में करीब 10 प्रतिशत महंगाई का सामना कर रही है। उन्होंने कहा कि महंगाई के प्रभाव को कम करने के लिए कंपनी विभिन्न कारोबार खंडों में औसतन चार प्रतिशत तक कीमतें बढ़ा चुकी है और लागत नियंत्रण के उपाय भी कर रही है।

बड़े पैक वाले उत्पादों की कीमतें बढ़ेगी : ब्रिटानिया

ब्रिटानिया के पास गुड डे, मेरी गोल्ड, मिल्क बिकीज और टाइगर जैसे ब्रांड हैं।उन्होंने कहा कि बड़े पैक वाले उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी की जाएगी। साथ ही एलपीजी, पीएनजी और पैकेजिंग में इस्तेमाल होने वाले लैमिनेट की बढ़ती कीमतें परिचालन लागत को प्रभावित कर रही हैं।

सेबी ने नियमों में किया संशोधन

शैक्षणिक उपयोग के लिए 30 दिन बाद ही शेयर मूल्य आंकड़ों का होगा उपयोगः सेबी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बाजार नियामक सेबी ने नियमों में संशोधन करते हुए निवेशक जागरूकता और शैक्षणिक गतिविधियों के लिए शेयर मूल्य आंकड़ा साझा करने पर 30 दिन की एकसमान समय-सीमा तय की। इसका मतलब है कि अब 30 दिन पुराने शेयर मूल्य आंकड़ों का उपयोग किया जा सकेगा। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक परिपत्र में कहा कि यह नयी रूपरेखा एक जुलाई से प्रभावी होगी। इसका उद्देश्य बाजार आंकड़ों के दुरुपयोग को रोकने और शैक्षणिक सामग्री की प्रासंगिकता बनाए रखने के बीच संतुलन बनाना है। सेबी ने मई, 2024 में शेयर बाजारों द्वारा ''लाइव'' बाजार आंकड़ों के उपयोग को केवल कारोबार और उससे जुड़े कार्यों तक ही सीमित कर दिया था और शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए एक दिन की देरी के साथ आंकड़ा उपयोग की अनुमति दी थी। जनवरी, 2025 में नियम को और भी सख्त करते हुए केवल शैक्षणिक गतिविधियों में लगे संस्थानों के लिए ही तीन महीने पुराने आंकड़ों के उपयोग की शर्त लागू की गई थी।

30 दिन की समान देरी तय की गई

इस सुझाव के आधार पर अब आंकड़ों के साझा करने और उपयोग दोनों के लिए ही 30 दिन की समान देरी तय की गई है। हालांकि, राष्ट्रीय प्रतिभूति बाजार संस्थान (एनआईएसएम) को सिमुलेशन लैब में उपयोग के लिए एक दिन की देरी के साथ बाजार मूल्य आंकड़ों तक पहुंच मिलती रहेगी।

एक्जिम बैंक के लाभ में 32 फीसदी का इजाफा

नई दिल्ली। भारतीय निर्यात-आयात बैंक (एक्जिम बैंक) का वित्त वर्ष 2025-26 में शुद्ध लाभ 32 प्रतिशत बढ़कर 4,273 करोड़ रुपये रहा। बैंक ने वित्त वर्ष 2024-25 में 3,243 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। एक्जिम बैंक ने बताया कि पूरे वित्त वर्ष (2025-26) के दौरान उसका कुल कारोबार 13.31 प्रतिशत बढ़कर 4.50 लाख करोड़ पर पहुंच गया, जबकि शुद्ध ऋण पोर्टफोलियो लगभग 12 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2.07 लाख करोड़ रुपये रहा।

पेट्रोलियम कंपनियों को रोजाना हो रहा 1,700 करोड़ का नुकसान

कम दाम पर ईंधन बिक्री से पेट्रोलियम कंपनियों का बढ़ रहा घाटा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच वैश्विक ऊर्जा कीमतों में आई तेज बढ़ोतरी का असर भारत की सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों पर भारी पड़ रहा है। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन जैसी सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम विपणन कंपनियां पिछले 10 सप्ताह से पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस एलपीजी की बिक्री पुराने दामों पर कर रही हैं, जिससे उन्हें प्रतिदिन 1,600-1,700 करोड़ रुपये का नुकसान (अंडर-रिकवरी) हो रहा है। मामले से जुड़े सूत्रों ने बताया कि 10 सप्ताह में इन कंपनियों की कुल 'अंडर-रिकवरी' एक लाख करोड़ रुपये से अधिक हो चुकी है। अंडर-रिकवरी का अर्थ लागत से कम मूल्य पर बिक्री से है। कच्चे तेल की कीमतों में लगभग 50 प्रतिशत की वृद्धि के बावजूद देश में पेट्रोल और डीजल के दाम दो साल पुराने स्तर पर बने हुए हैं।

सूत्रों के अनुसार, पेट्रोलियम कंपनियों को अब कच्चे तेल की खरीद और परिचालन जरूरतों को पूरा करने के लिए अधिक कार्यशील पूंजी जुटानी पड़ रही है। यदि कच्चे तेल की ऊंची कीमतें लंबे समय तक बनी रहती हैं, तो कंपनियों को कुछ पूंजीगत व्यय योजनाओं की प्राथमिकताओं में बदलाव करना पड़ सकता है। हालांकि, रिफाइनरी विस्तार, ऊर्जा सुरक्षा ढांचे, एथनॉल मिश्रण, जैव ईंधन और ऊर्जा बदलाव से जुड़ी रणनीतिक परियोजनाओं को सरकार की ओर से समर्थन से जारी रखा जाएगा। एक अन्य सूत्र ने कहा कि पेट्रोलियम कंपनियों की वित्तीय स्थिति पर लगातार दबाव रहने से भविष्य में रिफाइनरी, पाइपलाइन, रणनीतिक भंडारण और स्वच्छ ईंधन परियोजनाओं में निवेश प्रभावित हो सकता है।

बलरामपुर चीनी ने 450 करोड़ रुपए की इक्विटी पूंजी जुटाई

नई दिल्ली। बलरामपुर चीनी मिल्स लिमिटेड ने उत्तर प्रदेश में लैक्टोजिप्सम प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित करने और पॉली लैक्टिक एसिड (पीएलए) सुविधा के लिए बढ़े हुए पूंजीगत व्यय को पूरा करने के लिए 450 करोड़ रुपये की इक्विटी पूंजी जुटाई है। कंपनी की उत्तर प्रदेश में 10 चीनी मिलें हैं, जिनकी कुल गन्ना पेराई क्षमता 80,000 टन प्रतिदिन है। कोलकाता स्थित बलरामपुर चीनी ने बायो-प्लास्टिक व्यवसाय में कदम रखा है और वह उत्तर प्रदेश के कुंभी में 80,000 टन की वार्षिक क्षमता वाला एक पीएलए विनिर्माण संयंत्र स्थापित कर रही है। बलरामपुर चीनी की कार्यकारी निदेशक अवंतिका सरावगी ने को बताया, 'हमने कंपनी की विस्तार और वृद्धि योजनाओं को गति देने के लिए तरजीही शेयरों के जरिए 450 करोड़ रुपये जुटाए हैं।'

कच्चे तेल की कीमतों से तय होगी स्थानीय शेयर बाजार की दिशा

विदेशी निवेशकों की गतिविधियां बाजार को करेंगी प्रभावित

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

स्थानीय शेयर बाजार की दिशा इस सप्ताह अमेरिकी-ईरान तनाव और कच्चे तेल की कीमतों से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों का कहना है कि रुपये-डॉलर की चाल और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों भी बाजार को प्रभावित करेंगी। ऑनलाइन ट्रेडिंग एवं संपदा प्रौद्योगिकी कंपनी एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पोनमुडी आर ने कहा कि बाजार इस सप्ताह भू-राजनीतिक घटनाक्रमों के प्रति बेहद संवेदनशील रहेगा और निवेशकों का ध्यान अमेरिका-ईरान से संबंधित घटनाक्रमों पर रहेगा।

सीईओ पोनमुडी ने कहा कि ब्रेंट कच्चे तेल के दाम बाजार की दिशा तय करने वाला एक अहम कारक रहेगा। उन्होंने कहा, ''यदि कच्चे तेल की कीमतें 90 डॉलर प्रति बैरल से नीचे बनी रहती हैं या तनाव कम करने की दिशा में प्रगति होती है तो जोखिम वाले निवेश माध्यमों में राहत भरी तेजी देखी जा सकती है। वहीं तनाव बढ़ने की स्थिति में बाजार पर दबाव बना रह सकता है।'' एक विशेषज्ञ ने कहा कि इस सप्ताह महंगाई के आंकड़े भी आने हैं जो बाजार के लिए महत्वपूर्ण होंगे। इस बीच, केनरा बैंक, टाटा पावर, भारती एयरटेल, डीएलएफ, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) और जेएसडब्ल्यू स्टील जैसी कंपनियां सप्ताह के दौरान अपने तिमाही नतीजों की घोषणा करेंगी।

बाजार वैश्विक घटनाक्रम के प्रति रहेगा संवेदनशील

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा कि भारतीय शेयर बाजार निकट भविष्य में भू-राजनीतिक घटनाक्रमों के प्रति बेहद संवेदनशील बने रहेंगे और बाजार व्यापक दायरे में कारोबार कर सकता है। उन्होंने कहा कि भारत के अप्रैल महीने के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति (सीपीआई) के आंकड़े भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ब्याज दर नीति का संकेत देंगे।

राशिफल

मेष — मन प्रसन्न रहेगा। परिवार में सुख-शान्ति रहेगी। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। भवन के रख-रखाव एवं साज-सज्जा के कार्यों पर खर्च बढ़ेंगे।

वृष — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय हो सकती है।

मिथुन — मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु फिर भी आत्मसंयत रहें। रहन-सहन भी अव्यवस्थित रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। स्वाथ्य का ध्यान रखें।

कर्क — पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ बढ़ेगी। कारोबार के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। भाइयों का सहयोग रहेगा। यात्रा के योग बन रहे हैं।

सिंह — व्यर्थ के क्रोध से बचें। बातचीत में सन्तुलित रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। व्यवधान आ सकते हैं। आय में कमी आ सकती है।

कन्या — अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

तुला — पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। परिश्रम अधिक रहेगा। खर्चों में वृद्धि होगी।

वृश्चिक — व्यर्थ के क्रोध से बचें। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं।

धनु — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। संयत रहें। व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद-परिणाम मिलेंगे। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर — आत्मसंयत रहें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी और आय के साधन भी बनेंगे। खर्च भी बढ़ेंगे। रुचि बढ़ेगी।

कुंभ — मन शान्त तो रहेगा। फिर भी धैयशीलता बनाये रखने का प्रयास करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धार्मिक संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है।

मीन — मन अशान्त तो हो सकता है। वाणी में मधुरता भी रहेगी। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है।

शब्द पहेली - 6222

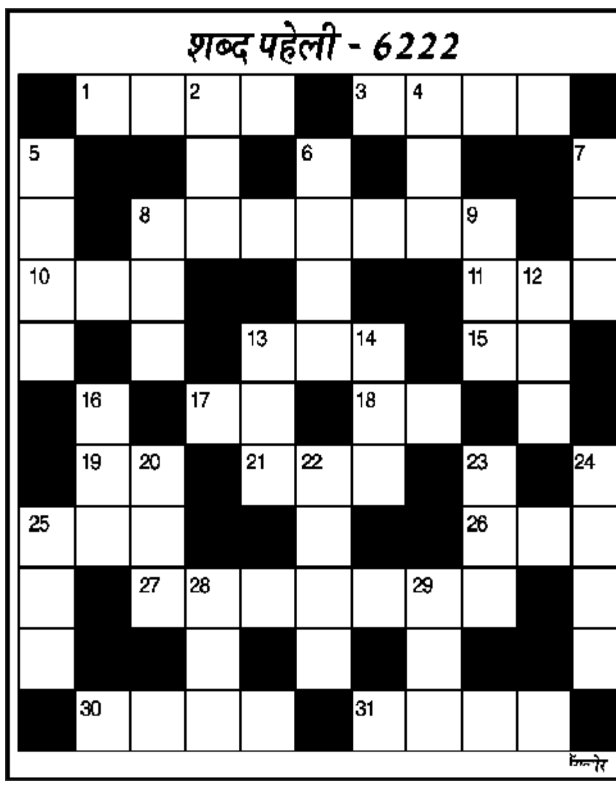

बाएँ से दाएँ
1.नेमत,वर,ईष्टकृपा -4
3.उद्देश्य,ध्येय-4
8.सयाना,चतुर-4,3
10.मनुष्य-3
11.मोल,दाम-3
13.बैठने का स्थान-3
15.दौड़ना (अंग्रेजी-2)
17.पराजित-2
18.वध,कत्ल-2
19.काव्यकार,शायर-2
21.राशिचक्र की दसवीं राशि-3
25.आक्रमण,प्रहार-3
26.पालतू जानवर-3
27.ईश्वर,भगवान-7
30.ईश्वरीय कृपा-4
31.भयभीत होना, डरना-4

ऊपर से नीचे
2.असुर,दैत्य-3
4.गागर,घड़ा-3
5.मन की करना-4
6.प्रार्थना,ईश वंदना-4
7.चरित्र,ईमान-3
8.कार्यविधि-3
9.रेखा,लाईन-3
12.माला का मोती-3
13.राहत,विश्राम-3
14.कैनाल,उपनदी-3
16.नगद राशि-3
20.रुदन -3
22.पक्षियों का शोर-4
23.मध्यांग, कटि-3
24.12 राशियों का समूह-4
25.महल,बड़ा भवन-3
28.सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
29.अदृश्य, जो दिखाई न दे-3

शब्द पहेली- 6221 का हल

स	ज	दा	क	र	ना		म	त	वा	ला
ह	य		त		का	म	ना		दा	या
न		बे	र	ह	म		ना	य		रि
शी	ल	वा	न		या	द		नी	र	स
ल		प		ख	ब	र	ची		न	
ता	र	न	हा	र		का	न	भ	र	ना
	म		र	ह	ब	र		यं		प
प्र	ण	य		य	डु		ब	क	या	स
ति		दा	स		बे	क	य	र		न्द
का	न		चि	य	ग		म		क	हो
र	म	जा	न		म	द	द	क	र	ना

सूडोकु नवताल - 6232

★★★★☆ मध्यम

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6231 का हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

जिला कोर्ट से अग्रिम जमानत याचिका खारिज होने के बाद उदंती से कब्जा छोड़ भागने लगे बेजा कब्जाधारी

उदंती को कोर एरिया में 166 लोगों ने ढाई सौ एकड़ से ज्यादा वनभूमि पर किया था कब्जा

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

मुआवजा पाने के लालच में यूएसटीआर के उदंती के कोर एरिया में 265 एकड़ वनभूमि पर बेजा कब्जा करने वाले 166 कब्जाधारियों की धमतरी जिला न्यायालय ने अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी है। अग्रिम जमानत याचिका खारिज होने के बाद कब्जाधारी कब्जा की गई वनभूमि छोड़कर भागने लगे हैं। इसके अलावा अपनी गिरफ्तारी की डर से बचते फिर रहे हैं। वन विभाग के अफसरों ने कब्जाधारियों को हर हाल में 22 मई तक कब्जाई गई वनभूमि खाली करने की हिदायत दी है।

विभागीय अफसरों के मुताबिक, वर्ष 2009 में उदंती-सीतानदी को टाइगर रिजर्व घोषित किया गया। उस समय वनक्षेत्र से सटे क्षेत्रवासियों को लगा कि टाइगर रिजर्व घोषित होने के बाद उन्हें जमीन के बदले 15-15 लाख रुपए मुआवजा मिलेगा। इसी लालच में ग्रामीण यूएसटीआर के

कोर एरिया में बड़े पैमाने पर जमीन कब्जा कर खेती के साथ मकान बनाकर रहने लगे। सेटेलाइट इमेज से वनभूमि पर बड़े पैमाने पर कब्जा करने की जानकारी मिलने पर वन विभाग के अधिकारी कब्जाधारियों पर शिकंजा कसना शुरू किए, तब जंगल कब्जामुक्त होने लगा है।

जिन लोगों ने वनभूमि पर कब्जा किया है, विभागीय अधिकारियों ने पटवारी के माध्यम से उनकी राजस्व क्षेत्र में जमीन के बारे में जानकारी एकत्रित की है। उसके मुताबिक, उन लोगों की राजस्व क्षेत्र में कृषि के साथ आवासीय जमीन है। स्थानीय लोगों ने जंगल में बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई कर वनभूमि कब्जाने का काम किया था।

वन विभाग ने अपनी जांच में पाया कि कब्जा करने वालों लोगों ने संरक्षित कोर क्षेत्र में अवैध रूप से प्रवेश कर लंबे समय तक वन संसाधनों को गंभीर नुकसान पहुंचाया। हाल ही में उन लोगों द्वारा पौने छह सौ से ज्यादा पेड़ों को घेरकर सुखाया गया, 237 पेड़ों को काटा गया तथा कुछ ठूंठों को जलाने के साक्ष्य मिले हैं। उपग्रह विश्लेषण के अनुसार, वर्ष 2011 से प्रारंभ हुआ अतिक्रमण 15 वर्षों में बढ़कर 265 एकड़ तक फैल गया। ऐसे लोगों को वाइल्ड लाइफ प्रोटेक्शन एक्ट 1972 के तहत 7 वर्ष तक के कारावास तथा प्रिवेंशन ऑफ डैमेज, पब्लिक प्रापर्टी एक्ट के तहत 5 वर्ष तक की सजा का प्रावधान है।

वनभूमि में किया जाएगा जल संरक्षण

उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर वरुण जैन के अनुसार, विभाग द्वारा क्षतिग्रस्त 265 एकड़ वन भूमि में महानदी बेसिन क्षेत्र के पारिस्थितिक पुनर्स्थापन हेतु व्यापक अभियान प्रारंभ किया जाएगा। इस अभियान के अंतर्गत लगभग 50 हजार जल संरक्षण संरचनाओं कंटूर ट्रेंच, कंटूर बंड, ब्रशवुड चेक डैम आदि का निर्माण श्रमदान के माध्यम से किया जाएगा। साथ ही स्थानीय पारिस्थितिकी को सुदृढ़ करने एवं वन्यजीवों के लिए खाद्य उपलब्धता बढ़ाने फलदार प्रजातियों का बड़े पैमाने पर रोपण किया जाएगा, जिससे मानव-वन्यप्राणी द्वंद्व रोकने में मदद मिलेगी।

खबर संक्षेप

केंद्र के समान लंबित महंगाई भत्ते की मांग

रायपुर। राज्य सरकार ने विद्युत विभाग के कर्मचारियों एवं पेंशनरों के लिए 2 प्रतिशत महंगाई भत्ते का आदेश जारी किया है। वहीं राज्य सरकार के अन्य विभाग, कर्मचारी एवं पेंशनर डीए, डीआर से वंचित हैं। यह कर्मचारियों के साथ भेदभाव है। छत्तीसगढ़ तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के प्रांताध्यक्ष एवं फेडरेशन के महासचिव चंद्रशेखर तिवारी, प्रांतीय प्रवक्ता पंकज पाण्डेय ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा, राज्य सरकार ने बिजली विभाग के कर्मचारियों एवं पेंशनरों के लिए केंद्रीय कर्मचारियों के समान देय तिथि 1 जनवरी से 2 प्रतिशत महंगाई भत्ता जारी कर दिया है। वहीं राज्य के अन्य कर्मचारी, अधिकारी एवं पेंशनरों को लंबित महंगाई भत्ते से वंचित रखा गया है। यह कर्मचारियों के साथ भेदभाव है। ज्ञात हो कि वर्तमान सरकार द्वारा राज्य कर्मचारियों को केंद्र के समान महंगाई भत्ता एवं लंबित एरियर्स देने मोदी की गारंटी के रूप में लागू करने अपने घोषणापत्र में शामिल किया गया था। उसके बावजूद इसे लागू नहीं किया गया है, जिसके कारण कर्मचारियों में निराशा एवं आक्रोश है। संघ के प्रांताध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने कहा, संघ ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से राज्य के कर्मचारी अधिकारी, पेंशनरों के लंबित डीए जारी करने की मांग की है।

चार स्तरीय समयमान वेतनमान का संशोधित आदेश तत्काल जारी करने की मांग

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासकीय स्नातक अभियंता संघ ने चार स्तरीय समयमान-वेतनमान का संशोधित आदेश तत्काल जारी करने की मांग की है। इस संबंध में संघ के प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल, मुख्यमंत्री और वित्तमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा है। संघ के प्रांताध्यक्ष अशोक श्रीवास ने बताया कि प्रदेश शासन द्वारा उप अभियंता संवर्गों द्वारा 4 स्तरीय समयमान वेतनमान की मांग को स्वीकृति प्रदान की गई है, पर कुछ तकनीकि त्रुटि के कारण 3 दशक से अधिक समय शासन की सेवा करने के बाद भी इस वेतनमान से उपअभियंता संवर्ग वंचित है।

प्रदेश के 40 हजार हेक्टेयर में तालाबों का जलस्तर बनाए रखने की कवायद

प्रदेश के तालाबों को भरने बांधों से छोड़ा पानी, ग्रामीणों को मिल रही राहत

निस्तारी के लिए पानी छोड़े जा रहे हैं, पानी व्यर्थ न बहे, इसे लेकर भी निगरानी

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

छत्तीसगढ़ में भीषण गर्मी के बीच निस्तारी और मवेशियों के लिए पानी की किल्लत को दूर करने के लिए बांधों और नहरों से तालाबों को भरने का कार्य युद्धस्तर पर किया जा रहा है। प्रदेश के सभी प्रमुख जलाशयों में पानी की स्थिति को देखते हुए लगभग 40 हजार हेक्टेयर में रबी तालाबों को भरने के लिए पानी छोड़ा जा रहा है। गर्मी सीजन में गांवों में निस्तारी और मवेशियों के लिए पेयजल की समस्या गंभीर हो गई है। तालाबों का जलस्तर घटने से ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे समय में महानदी वितरक नहरों के माध्यम से तालाबों तक पानी पहुंचने से ग्रामीणों को बड़ी राहत मिल रही है।

गर्मी के इस मौसम में ग्रामीणों के निस्तारी के लिए इन दिनों गंगरेल बांध के पानी से जिले के धमतरी, कुरुद, नगरी ब्लाक के तालाबों को भरा जा रहा है। महानदी जलाशय परियोजना रुद्री से निस्तारी तालाबों को भरने का क्रम लगभग माह भर से चल रहा है। जानकारी के अनुसार जिले के 197 गांवों में कुल 341 चिन्हांकित तालाबों को नहरों के माध्यम से भरने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इनमें से अब तक 313 तालाबों को भरा जा चुका है।

महानदी जलाशय परियोजना के अंतर्गत केवल धमतरी ही नहीं बल्कि पड़ोसी जिले बालोद के गुरुर विकासखंड में भी तालाब को भरने के लिए पानी की आपूर्ति की जाती है। महानदी वितरक नहर के माध्यम से गुरुर विकासखंड के चार गांवों में तालाब भरने का कार्य किया गया। यहां कुल नौ तालाबों को भरने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था जिसे विभाग ने शत-प्रतिशत पूरा कर लिया है। अब चारों गांवों के सभी नौ तालाब पूरी तरह भर चुके हैं। सिंचाई विभाग के अनुसार, धमतरी जिले में अब तक 310 तालाबों को भरा जा चुका है। शेष तालाबों को भी चरणबद्ध तरीके से भरने की कार्रवाई जारी है। महानदी जलाशय परियोजना रुद्री संभाग से मिली जानकारी अनुसार, धमतरी ब्लॉक के 46 गांव में से 81 तालाब को भरने का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें से 68 तालाब भरे जा चुके हैं। इसी तरह से कुरुद ब्लाक के 185 गांवों में 188 तालाब भरे गए हैं। नगरी ब्लाक के 46 गांवों में 75 तालाब को भरने का लक्ष्य रखा गया है, इनमें 62 तालाब भरे जा चुके हैं।

बलौदाबाजार जिले में भरे गए 570 तालाब

महानदी जलाशय परियोजना से नहरों के माध्यम से अब तक 570 से अधिक तालाबों में पानी भरा जा चुका है। बलौदाबाजार जिले के 384 गांवों के कुल 683 तालाबों को भरने का लक्ष्य है, जिसमें से शेष तालाबों में भी पानी भरने का काम जारी है।

107 गांवों को मिली राहत

इधर बिलासपुर जिले में निस्तारी के लिए खूंटाघाट बांध से पानी छोड़े जाने के बाद 211 तालाबों में पानी भरा गया है, जिससे 107 गांवों को राहत मिली है। तालाबों का जलस्तर घटने से ग्रामीणों और मवेशियों को हो रही परेशानी को कम करना और भू-जल स्तर को सुधारना।

जल प्रबंधन को मिलेगा लाभ

विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार बांधों में जलभराव की स्थिति पिछले एक दशक के मुकाबले बेहतर है। इससे जल प्रबंधन को मजबूती मिलेगी और भूजल स्तर में भी सुधार होगा। घरेलू जरुरतें पूरी होंगी। नहरों के माध्यम से तालाब भरने के बाद पानी व्यर्थ न बहे इसे लेकर सिंचाई विभाग निगरानी कर रही है। जिलास्तर पर इसके लिए टीम बनाई गई है, जो लगातार निरीक्षण कर रही है।

इलाज के लिए नहीं जाना पड़ेगा दूर, राखी में बनेगा नवा रायपुर का सिविल अस्पताल

जमीन का चिन्हांकन, जल्द स्वास्थ्य विभाग को हैंडओवर

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

नवा रायपुर के लोगों को उपचार की सुविधा उपलब्ध कराने राखी में ही सौ बेड की क्षमता वाला सिविल अस्पताल बनाया जाएगा। अस्पताल का नया भवन बनाने के लिए जमीन चिन्हांकित कर ली गई है और जल्द ही प्रक्रिया पूरी कर उसे स्वास्थ्य विभाग को आवंटित किया जाएगा। नवा रायपुर में बनने वाले इस अस्पताल के लिए 18 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे।

मंत्रालय, विधानसभा के अलावा तमाम मुख्यालयों के नवा रायपुर में शिफ्टिंग के बाद वहां बढ़ने वाली आबादी को उपचार की सुविधा प्रदान करने के लिए शासकीय स्तर पर ग्राम राखी में स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को सिविल अस्पताल के रूप में विकसित करने की घोषणा की गई थी। सीएचसी को सिविल अस्पताल बनाने के लिए 18 करोड़ 48 लाख रुपए स्वीकृत किए गए थे। करीब सालभर पहले स्वीकृत इस राशि से निर्माण कार्य शुरू करने का पेंच उपयुक्त जमीन पर अटका था। एनआरडीए द्वारा इसके लिए रायपुर जिले की सीमा पर, यानी जंगल सफारी के आगे जमीन आवंटित किए जाने पर विचार किया जा रहा था। जिला स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को इस पर आपत्ति थी, उनका तर्क था कि मूल अस्पताल से दूर होने की वजह से लोगों को जरूरी इलाज के लिए अनावश्यक सफर करना होगा। इसकी वजह से नवा रायपुर में बसने वाली आबादी को इसका लाभ नहीं मिल पाएगा। इस आपत्ति के बाद नई जमीन की तलाश राखी में ही पूरी हो गई। जल्द ही प्रक्रिया पूरी करने के बाद जमीन स्वास्थ्य विभाग को आवंटित की जाएगी। इसके बाद विभाग सीजीएमएससी के माध्यम से निर्माण का कार्य शुरू कराएगा।

सेटअप भी होगा स्वीकृत

राखी में सौ बेड की क्षमता वाला सिविल अस्पताल बनाए जाने के बाद वहां जरूरतों के हिसाब से सेटअप स्वीकृत कर चिकित्सक सहित अन्य स्टाफ की नियुक्ति की जाएगी। इस सिविल अस्पताल में जनरल ट्रीटमेंट के साथ ऑपरेशन थियेटर सहित अन्य जरूरी सुविधा मौजूद रहेगा। मरीजों को यहां मेडिसिन, आर्थो, स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की सुविधा भी मिलेगी।

सुशासन तिहार के दस दिन, मांग और शिकायतें 1 लाख 38 हजार से अधिक

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में 1 मई से शुरू हुए सुशासन तिहार के दस दिन बीतने के बाद अब तक 1 लाख 38 हजार से अधिक आवेदन आ चुके हैं। ये आवेदन मांगों और शिकायतों से संबंधित हैं। खास बात ये है कि सबसे अधिक आवेदन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग से संबंधित हैं। इसके बाद के क्रम में राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग और पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग से संबंधित आवेदन सामने आए हैं। राज्य में सुशासन तिहार 10 जून तक चलने वाला है। इस अवधि में माना जा रहा है कि लाखों की संख्या में आवेदन सामने आ सकते हैं, जो मांग एवं शिकायतों से संबंधित हो सकते हैं। खास बात ये है कि शहरों के मुकाबले ग्रामीण क्षेत्रों से काफी अधिक आवेदन मिल रहे हैं। सरकार का दावा है कि आवेदनों का तेजी से निराकरण भी किया जा रहा है, लेकिन इस बीच 10 दिन तक चले अभियान के दौरान यह जानकारी सामने आ रही है कि किस विभाग से संबंधित आवेदन सबसे ज्यादा हैं।

प्रदेश में 10 जून तक चलाया जा रहा है सुशासन तिहार

सबसे अधिक और सबसे कम आवेदन इन विभागों के

सुशासन तिहार के दौरान 10 मई की स्थिति में जिन विभागों से संबंधित आवेदन सबसे अधिक आए हैं, उनमें पांच प्रमुख विभाग ये हैं। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग,खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, ऊर्जा विभाग तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग। जिन विभागों से संबंधित सबसे कम आवेदन आए हैं, उनमें विधि एवं विधायी विभाग, संस्कृति विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, आयाकट एवं पर्यटन विभाग शामिल हैं।

भाजपा का जिलों में प्रशिक्षण वर्ग आज से

रायपुर। प्रदेश भाजपा संगठन का प्रदेश के 36 संगठन जिलों में सोमवार से प्रशिक्षण वर्ग प्रारंभ होगा। यह इस माह के अंत तक चलेगा। राजधानी रायपुर में 29 और 30 को प्रशिक्षण वर्ग होगा। दो दिनों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में जहां प्रदेश के 11 दिग्गज विशेषज्ञ अलग-अलग विषयों पर प्रशिक्षण देने जाएंगे और भाजपा की रीति-नीति के बारे में बताएंगे, वहीं प्रशिक्षण वर्ग के जिलों के प्रभारियों को वहां पर दो दिनों तक रहना जरूरी होगा। भाजपा का राष्ट्रीय संगठन देश के हर राज्य में प्रशिक्षण वर्ग आयोजित कर रहा है। राज्यों में प्रशिक्षण वर्ग आयोि जत करने से पहले मुंबई में एक राष्ट्रीय वर्ग का प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किया गया था। इसमें हर राज्य के प्रमुख पदाधिकारियों को बुलाकर वहां पर प्रशिक्षण दिया गया था। अब राज्यों के यही मास्टर ट्रेनर अपने-अपने राज्य में प्रशिक्षण देने का काम कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ से 28 भाजपा नेता प्रशिक्षण वर्ग में प्रशिक्षण लेकर आए हैं। अब यही नेता यहां पर प्रशिक्षण देने का काम कर रहे हैं। प्रदेश भाजपा संगठन ने पहले चरण में अपने 479 मंडलों में प्रशिक्षण वर्ग चलाया। अप्रैल में मंडलों का प्रशिक्षण वर्ग समाप्त होने के बाद जिलों के प्रशिक्षण वर्ग को लेकर रणनीति तैयार की गई है।

गुमशुदा

एक सज्जन जो विवाहित हैं और जिनका नाम भागीरथी आडिले है। जिनकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। उम्र 36 वर्ष, ऊँचाई 5 फीट 6 इंच हैं। ये ग्राम केशरुवाडीह (मौहाभाठा), जिला-मुंगेली के स्थाई निवासी हैं। ये दिनांक 28 अप्रैल 2026 को घर से बिना किसी को बताए कहीं चले गये हैं जिन्हें ग्राम-धरमपुरा मेन रोड से ग्राम गीधा (जिला-मुंगेली) के बीच में देखा गया है। यदि यह सज्जन किसी को भी दिखे, मिलें या इनके आसपास रहने या भागीरथी आडिले के बारे में किसी को भी कोई तत्कालिक जानकारी हो तो कृपया निम्न पते पर तत्काल संपर्क करें।
पता:- मंगलदास आडिले (पिताश्री)
रामकिशन आडिले (छोटा भाई)
मोबाइल नं .:- 6265315836,
प्रीतम आडिले (छोटा भाई)
मोबाइल नं .:- 6267936065
ग्राम केशरुवाडीह (मौहाभाठा),
जिला-मुंगेली (छत्तीसगढ़)

अब किसानों को खाद के लिए भी कराना होगा पंजीयन, फसल के रकबे और प्रकार से तय होगी उर्वरक की मात्रा

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

छत्तीसगढ़ में इस खरीफ सीजन से किसानों को सहकारी सोसाइटियों से खाद खरीदने के लिए भी पंजीयन कराना होगा। मोर जमीन मोर खाद नाम से संचालित छत्तीसगढ़ अन्नदाता उर्वरक वितरण पोर्टल के माध्यम से यह काम होगा। राज्य में यह व्यवस्था पहली बार लागू होने जा रही है। इससे पहले तक केवल पंजीकृत रकबे के आधार पर उर्वरक का वितरण किया जाता था।

छत्तीसगढ़ अन्नदाता उर्वरक पोर्टल इस तरह काम करेगा। सबसे पहले इस सिस्टम में किसानों का पंजीयन किया जाएगा। यह पंजीकरण पोर्टल पर सिर्फ एक बार करना होगा। ऋणी किसान अपने क्षेत्र की सहकारी समिति या चॉइस सेंटर के माध्यम से यह पंजीयन करा सकते हैं। अऋणी किसानों केवल चॉइस सेंटर से ही पंजीयन करा पाएंगे। इसके लिए उन्हें आधारकार्ड और ई-केवाईसी अनिवार्य होगा।

यह नया सिस्टम इस तरह से बनाया गया है कि किसान की जमीन का विवरण भुईयां पोर्टल और एग्रीस्टेक पोर्टल से अपने आप जुड़ जाएगा। इसके आधार पर ही खाद की मात्रा, किसान की फसल के प्रकार और जमीन के रकबे के आधार पर तय की जाएगी। अगर किसान अपनी फसल बदलता है तो इसी सूचना पोर्टल पर देनी होगी। इसका सत्यापन के 24 घंटे के भीतर किए जाने का प्रावधान है। अगर किसान भूमिहीन या अधिया वाला है तो भूमि स्वामी द्वारा पोर्टल में दी गई जानकारी के आधार पर पंजीयन करा सकते हैं। नई व्यवस्था का यह सबसे अहम हिस्सा ये है कि हर सीजन चाहे वह खरीफ हो या रबी, खाद उठाने के लिए किसानों को पोर्टल पर आवेदन कर डिजिटल टोकन हासिल करना होगा। टोकन में किसान की आईडी, फसल, खाद का प्रकार, और मात्रा की जानकारी होगी। यह टोकन किसान के मोबाइल पर एसएमएस या मोबाइल एप के जरिए मिलेगा। किसान अपनी पसंद की दुकान रिटेलर और खरीदने का समय चुन सकते हैं।

किसानों को इस सिस्टम से खाद खरीदने के लिए तय समय पर चुनी हुई दुकान पर जाकर अपना डिजिटल टोकन दिखाना होगा। दुकान पर पीओएस मशीन के माध्यम से किसान के अंगूठे का निशान लेकर उसकी पहचान सुनिश्चित की जाएगी। मशीन पर किसान को खाद की कुल पात्रता, पहले खरीदी गई मात्रा और बची हुई मात्रा दिखाई देगी।

homefirst We'll take you home

Home First Finance Company India Limited
CIN: L65990MH2010PLC240703, Website: homefirstindia.com
Phone No.: 180030008425 Email ID: loanfirst@homefirstindia.com

परिशिष्ट-IV-A [नियम 8 (6) के परंतुक देखें] अचल संपत्तियों की बिक्री के लिए बिक्री सूचना

वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के नियम 8 (6) के परंतुक के अधीन अचल परिसंपत्तियों की बिक्री हेतु ई-नीलामी बिक्री सूचना।

एतद्वारा आम जनता और विशेष रूप से कॉलम (ii) में वर्णित ऋणधारक(ओं) और सह-ऋणधारक(ओं) को सूचित किया जाता है कि कॉलम (iii) में वर्णित नीचे वर्णित अचल संपत्तियां सुरक्षित लेनदार के पास गिरवी/बंधक हैं, जिनका भौतिक कब्जा होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड के अधिकृत अधिकारी द्वारा नीचे दिए गए विवरण के अनुसार देय राशि और ब्याज की वसूली के लिए ले लिया गया है, और चूंकि देय राशि का भुगतान करने में विफल रहने के परिणामस्वरूप, उक्त अधिनियम की धारा 13(2) के तहत प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी उक्त संपत्ति/संपत्तियों की बिक्री द्वारा देय राशि की वसूली का प्रस्ताव करता है और इसे ''जैसा है जहां है'', ''जैसा है वैसा ही'' और ''जो कुछ भी है'' के आधार पर बेचा जाएगा, जैसा कि वर्णित है। इसके अंतर्गत, होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड को कॉलम (i) के अनुसार उधारकर्ता (ओं) और सह-उधारकर्ता (ओं) से देय राशि की वसूली के लिए नीलामी ''ऑनलाइन'' आयोजित की जाएगी।

क्र. सं.	ऋणधारक(ओं) एवं सह-ऋणधारक(ओं) के नाम	संपत्ति का पता	मांग सूचना की तिथि	मांग सूचना राशि	कब्जे की तिथि	आरक्षित मूल्य	ईएमडी राशि	नीलामी की तिथि और समय	ईएमडी और दस्तावेज़ जमा करने की अंतिम तिथि और समय	अधिकृत अधिकारी का नंबर
1.	रजनी जॉन मसीह, गजानन बरेठ	फ्लैट-291/3, प.ह.नं. 61, मौजा घुरू, ख.नं. 290/7 (भाग), प.ह.नं. नंबर 45, मौजा सकरी, तहसील सकरी, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001। चौहद्दी: पूर्व - विक्रेता की भूमि, पश्चिम - विक्रेता की भूमि, उत्तर - प्रस्तावित सड़क, दक्षिण - विक्रेता की भूमि।	05-03-2026	20,65,877	06-05-2026	5,00,000	50,000	10-06-2026 (11am-2pm)	08-06-2026 (upto 5pm)	9730775533
2.	दिलीप बंजारा, उमा देवी	प्लॉट-मौजा सैदा, ख.नं.248/32, प.ह.नं1 41, मौजा सैदा, तहसील सकरी जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 चौहद्दी: पूर्व-रोड, पश्चिम- विक्रेता का प्लॉट, उत्तर -विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण- विक्रेता का प्लॉट।	05-03-2026	11,49,300	06-05-2026	6,31,600	63,160	10-06-2026 (11am-2pm)	08-06-2026 (upto 5pm)	9730775533
3.	भगेला निर्मलकर, राजेश्वरी निर्मलकर,	प्लॉट-मौजा पत्थरखान, ख.नं.126/120, मौजा पत्थरखान, प.ह.नं. 30, रा.नि.मं. बिल्हा, तहसील-बिल्हा, जिला-बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 चौहद्दी: पूर्व-सड़क, पश्चिम-लोहरानी की भूमि, उत्तर-विक्रेता का प्लाट, दक्षिण-विक्रेता का प्लाट।	05-03-2026	10,48,390	06-05-2026	55,000	5,500	10-06-2026 (11am-2pm)	08-06-2026 (upto 5pm)	9730775533
4.	व्यास अहिरवार, रजनी अहिरवार,	प्लॉट-मौजा तिलसरा, ख.नं.519/20, मौजा तिलसरा, प.ह.नं. 09, रा.नि.मं. बिल्हा, ब्लॉक एवं तहसील बिल्हा, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ 495001 चौहद्दी: पूर्व- खिलावन सूर्यवंशी का प्लाट। पश्चिम-रास्ता, उत्तर-जमुना प्रसाद, दक्षिण-विक्रेता का प्लॉट।	05-03-2026	7,77,258	06-05-2026	50,600	5,060	10-06-2026 (11am-2pm)	08-06-2026 (upto 5pm)	9730775533
5.	मंगलू साहू, रूपा साहू	मकान-मौजा कोटा, ख.नं. -957/10, प.ह.नं.-5, मौजा-कोटा, तहसील-कोटा, जिला-बिलासपुर (छ.ग.), बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 चौहद्दी: पूर्व-विक्रेता की भूमि, पश्चिम-निस्तारी सड़क, उत्तर-राहुल गौड़ की भूमि, दक्षिण-राजेश की भूमि।	05-03-2026	5,35,017	06-05-2026	51,650	5,165	10-06-2026 (11am-2pm)	08-06-2026 (upto 5pm)	9730775533
6.	उमेश कुमार यादव अशोक कुमार यादव	प्लॉट-मौजा पत्थरखान, ख.नं.126/87, मौजा पत्थरखान, प.ह.नं. 30, रा.नि.मं. बिल्हा, विकासखंड एवं तहसील बिल्हा, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़-495001 चौहद्दी: पूर्व-20 फीट चौड़ी सड़क, पश्चिम-अब्दुल साहिद का प्लॉट, उत्तर-अब्दुल साहिद का प्लॉट, दक्षिण-तस्लीम राजा का प्लॉट	05-03-2026	10,88,792	06-05-2026	64,200	6,420	10-06-2026 (11am-2pm)	08-06-2026 (upto 5pm)	9730775533

ई-नीलामी सेवा प्रदाता	ई-नीलामी वेबसाइट/विवरण और अन्य नियम एवं शर्तें	ईएमडी/अन्य राशि जमा करने हेतु खाता नंबर	शाखा का IFSC कोड	लाभार्थी का नाम
कंपनी का नाम: ई-प्रोक्योरमेंट टेक्नोलॉजीज लिमिटेड (ऑक्शन टाइगर) हेल्पलाइन नंबर: 079-35022160/149/182 संपर्क व्यक्ति: राम शर्मा - 8000023297 ईमेल आईडी: ramprasad@auctiontiger.net और support@auctiontiger.net	http://www.homefirstindia.com https://homefirst.auctiontiger.net	912020036268117 होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड - एक्सिस बैंक लिमिटेड, एमआईडीसी, अंधेरी पूर्व	UTIB0000395	अधिकृत अधिकारी, होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड

बोली वृद्धि राशि 10,000/- रुपये है। यह बिक्री अधोहस्ताक्षरी द्वारा वेब पोर्टल (https://homefirst.auctiontiger.net) पर उपलब्ध कराए गए ई-नीलामी प्लेटफॉर्म के माध्यम से की जाएगी। ऑनलाइन ई-नीलामी बोली प्रपत्र, घोषणापत्र और ऑनलाइन नीलामी बिक्री के सामान्य नियम एवं शर्तें युक्त ई-नीलामी निविदा दस्तावेज पोर्टल साइट पर उपलब्ध हैं। अधिकृत अधिकारी के सर्वोत्तम ज्ञान और जानकारी के अनुसार, संपत्तियों पर कोई भार नहीं है। हालांकि, इच्छुक बोलीदाताओं को अपनी बोली जमा करने से पहले, संपत्ति पर भार, नीलामी के लिए रखी गई संपत्ति/संपत्तियों के स्वामित्व और संपत्ति को प्रभावित करने वाले दावों/अधिकारों/देयताओं के संबंध में स्वयं स्वतंत्र जांच कर लेनी चाहिए। ई-नीलामी विज्ञापन होम फर्स्ट की ओर से कोई प्रतिबद्धता या प्रतिनिधित्व नहीं है और न ही इसे ऐसा माना जाएगा। संपत्ति होम फर्स्ट को ज्ञात या अज्ञात सभी मौजूदा और भविष्य के भारों के साथ बेची जा रही है। अधिकृत अधिकारी/सुरक्षित लेनदार किसी भी तृतीय-पक्ष के दावों/अधिकारों/देयताओं के लिए किसी भी तरह से जिम्मेदार नहीं होंगे। यह बिक्री प्रतिभूतिकरण एवं वित्तीय परिसंपत्तियों के पुनर्निर्माण एवं सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत निर्धारित नियमों/शर्तों के अधीन होगी।
किसी भी विसंगति की स्थिति में, सूचना का अंग्रेजी संस्करण प्रामाणिक माना जाएगा।

सरफेसी अधिनियम, 2002 के अंतर्गत वैधानिक 30 दिन की बिक्री सूचना

ऋणधारक/जमानतदारों को सूचित किया जाता है कि वे मांग नोटिस में उल्लिखित राशि का भुगतान, अद्यतन ब्याज और अन्य संबंधित खर्चों सहित, ई-नीलामी की तिथि से पहले कर दें। ऐसा न करने पर संपत्ति की नीलामी/बिक्री कर दी जाएगी और यदि कोई बकाया राशि हो तो उसे ब्याज और लागत सहित वसूल किया जाएगा।

दिनांक: 11-05-2026 स्थान: बिलासपुर

हस्ताक्षरकर्ता /- अधिकृत अधिकारी, होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड

प्रथम पृष्ठ का शेष

रायपुर में 'रो-को'...

की तरफ से सर्वाधिक रन तिलक वर्मा ने 57 रन बनाए। मुंबई की पूरी टीम निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट खोकर 166 रन बना पाई। आरसीबी ने निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 167 रन बनाए और मुकाबला जीत लिया।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और मुंबई इंडियंस के बीच खेले गए इस मैच के लिए महंगे टिकट खरीदने वाले दर्शकों को स्टेडियम की भव्यता देखकर लगा कि उनका हर एक पैसा वसूल हो गया है। आरसीबी ने अपने इस होम ग्राउंड को जिस शानदार तरीके से सजाया था और फैंस के लिए जो आयोजन किए थे, उसे देखकर ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो यह रायपुर का नहीं, बल्कि बेंगलुरु का स्टेडियम है ।

मैच को लेकर दीवानगी का आलम यह था कि दोपहर 2 बजे से ही दर्शकों का स्टेडियम पहुंचना शुरू हो गया था। रात 8 बजे तक एंट्री के लिए लंबी कतारें लगी रहीं। प्रदेश के विभिन्न जिलों के साथ-साथ अन्य राज्यों से भी क्रिकेट प्रेमी कार और बाइक से इस मैच का गवाह बनने पहुंचे। आरसीबी ने अपने होम ग्राउंड को पूरी तरह से लाल रंग में रंग दिया था। शानदार लाइटिंग से लेकर स्टेडियम की कुर्सियां तक लाल रंग में नजर आ रही थीं।

रोहित के छक्कों ...

10 बाल 22 की पारी खेली। दूसरी ओर, आरसीबी के विराट कोहली की शानदार फील्डिंग, उत्साह और भुवनेश्वर की कसी हुई गेंदबाजी ने भी मैदान पर खिलाड़ियों और दर्शकों का उत्साह पूरे समय चरम पर बनाए रखा।

एसईसीएल के क्लर्क...

मनोहर कौशिक को अपने साथ रायपुर लेकर रवाना हो गई है। सीबीआई की इस कार्यवाही से पूरे कुसमुंडा क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। बताया जा रहा है कि रविवार की सुबह लगभग 10.45 बजे सीबीआई की टीम ने कुसमुंडा स्थित डिप्टी जीएम कार्यालय के बाहर रिश्वत लेते क्लर्क मनोहर कौशिक को रंगेहाथों गिरफ्तार किया है। जिसे लेकर पूछताछ के लिए टीम रायपुर रवाना हो गई है। सूत्रों की मानें तो शारदा विहार निवासी स्व. सुरजीत लाल शर्मा की 27 नवंबर 2025 को मृत्यु होने के बाद उसके बेटे संतोष कुमार शर्मा अपनी मां को पेंशन दिलाने के लिए कुसमुण्डा सीएमपीएफ कार्यालय में आवेदन दिया था। इस दौरान कार्यालय में पदस्थ क्लर्क ग्रेड-1 नरईबोध जेलगांव निवासी मनोहर कौशिक द्वारा विभागीय कार्य करने के एवज में बंटी शर्मा से रिश्वत की मांग की जा रही थी। शिकायत मिलने के बाद सीबीआई की 12 सदस्यीय टीम ने मामले की गोपनीय जांच शुरू की और पूरी योजना के तहत कार्रवाई को अंजाम दिया। बताया जा रहा है कि टीम सुबह से ही निगरानी कर रही थी और जैसे ही कथित लेन-देन हुआ, अधिकारियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी मनोहर कौशिक को पकड़ लिया। जिसे सीबीआई की टीम एनटीपीसी स्थित कावेरी विहार गेस्ट हाउस लेकर पहुंची और कागजी कार्यवाही में जुट गई। इस दौरान आरोपी मनोहर कौशिक के परिजनों को भी गेस्ट हाउस बुलाया और बयान दर्ज कर मनोहर कौशिक को पूछताछ के लिए रायपुर ले जाने की जानकारी दी। कार्रवाई के दौरान कार्यालय परिसर और आसपास के क्षेत्र में लोगों की भीड़ जुट गई। घटना की जानकारी मिलते ही कर्मचारियों और स्थानीय लोगों में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। हालांकि, सीबीआई की ओर से अभी तक आधिकारिक रूप से विस्तृत जानकारी जारी नहीं की गई है। जानकारी यह भी सामने आ रही है कि आरोपी से पूछताछ के बाद मामले से जुड़े अन्य पहलुओं की भी जांच की जा सकती है। यदि जांच में और लोगों की संलिप्तता सामने आती है तो आगे और कार्रवाई संभव मानी जा रही है। फिलहाल सीबीआई की टीम पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है और संबंधित दस्तावेजों की भी पड़ताल की जा रही है।

एक लाख रुपए...

दौरान खाद्य पदार्थ पेड़ा खुले स्थान में रखे होने पर फूड सेफ्टी आफिसर द्वारा उनके खिलाफ खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत कार्रवाई कर प्रकरण प्रस्तुत किया गया था। प्रकरण अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी एवं न्याय निर्णयन अधिकारी बिलासपुर कार्यालय में लंबित था। उक्त कार्यालय का बाबू विजय पाण्डेय उन्हें जुर्माना राशि 1 लाख रुपए तक होने की बात कहकर डरा रहा था, बाबू ने जुर्माना 30 हजार रुपए तक करने के एवज में उनसे 20 हजार रुपए रिश्वत की मांग की है। शिकायत मिलने पर एसीबी द्वारा पीड़ित से शिकायत का सत्यापन कराया गया। बाबू ने उनसे 5 हजार रुपए रिश्वत ले लिया, उसने शेष राशि 15 हजार रुपए लेकर 10 मई 2026 को अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी एवं न्याय निर्णयन अधिकारी के कार्यालय में बुलाया था। रविवार को एसीबी की टीम कार्यालय के आसपास तैनात हो गई थी। पीड़ित होटल संचालक कश्यपने रुपया देते ही टीम को इशारा कर दिया। टीम ने बाबू विजय पाण्डेय को पकड़कर रिश्वत की रकम 15 हजार रुपए उससे बरामद कर लिया। एसीबी ने धारा 7 भष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 के तहत बाबू विजय पाण्डेय को गिरफ्तार कर लिया है। डीएसपी श्री सिंह ने बताया, आरोपी बाबू के खिलाफ लगातार रिश्वतखोरी करने की शिकायत मिल रही थी।

कड़ी कार्रवाई से...

में इस आशय की शिकायत की थी कि उसके तथा उसके परिवार के सदस्यों के नाम से ग्राम बालपुर की सरस्वती जायसवाल ने मारपीट करने की रिपोर्ट थाना चंद्रपुर में कराई थी, जिसमें कड़ी कार्रवाई से बचाने के लिए थाना चंद्रपुर के सहायक उप निरीक्षक एस.एन मिश्रा द्वारा 40 हजार रुपए रिश्वत की मांग की जा रही है, लेकिन वह एस.एन. मिश्रा को रिश्वत नहीं देना चाहता, बल्कि उसे रंगे हाथ पकड़वाना चाहता है।

शिकायत का सत्यापन कराने पर शिकायत सही पाई गई।सत्यापन के दौरान आरोपी एस.एन. मिश्रा द्वारा प्रार्थी से 20 हजार रुपए ले लिया गया था तथा शेष 20 हजार रुपए दिया जाना शेष था, जिस पर ट्रैप की योजना तैयार की गई । इसी कड़ी में रविवार10 मई को प्रार्थी द्वारा आरोपी मिश्रा को गुड्डू ढाबा चंद्रपुर में शेष रिश्वत रकम को देने के लिए बुलाया गया, जहां पर रिश्वत रकम 20 हजार रुपए आरोपी मिश्रा द्वारा लिए जाने पर एसीबी बिलासपुर की टीम ने उसे रंगे हाथ पकड़ लिया। टीम ने रिश्वत रकम बरामद कर आरोपी सब इंस्पेक्टर को गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपी के विरुद्ध लगातार रिश्वत खोरी किए जाने की जानकारी मुखबिर सूत्रों से भी एसीबी को प्राप्त हो रही थी और अबकी बार एंटी करप्शन ब्यूरो ने आरोपी सब इंस्पेक्टर एसएन मिश्रा को रंगे हाथों रिश्वत लेते गिरफ्तार किया। एंटी करप्शन ब्यूरो ने उसके विरुद्ध धारा 7 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामले को विवेचना में ले लिया है।

सात दिन की हिरासत...

में आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता अरोड़ा के वकील ने आरोप लगाया कि मंत्री के खिलाफ एक 'झूठा और निराधार' मामला 'गढ़ा' गया है और उनकी गिरफ्तारी से पहले जांच अधिकारी द्वारा 'कोई प्रथम दृष्टया सबूत' एकत्र नहीं किया गया है। इधर, कंपनी ने शनिवार को एक बयान जारी कर कुछ भी गलत करने से इनकार किया। कंपनी ने कहा कि उसे कानूनी प्रक्रिया पर पूरा भरोसा है और वह सभी वैधानिक अधिकारियों के साथ पूर्ण सहयोग कर रही है और आगे भी करती रहेगी।

पेट्रोल-डीजल बचाएं,...

जरूरी है। प्रधानमंत्री ने लोगों को पेट्रोल डीजल बचाने वर्क फ्रॉम होम के साथ एक साल तक सोना न खरीदने की सलाह दी। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में एक कार्यक्रम के बाद पीएम मोदी ने कहा, आज समय की मांग है कि पेट्रोल-डीजल और गैस जैसी चीजों का बहुत संयम से इस्तेमाल किया जाए। हमें आयात किए जाने वाले पेट्रोलियम उत्पादों का इस्तेमाल सिर्फ जरूरत के अनुसार करना चाहिए. इससे न सिर्फ विदेशी मुद्रा की बचत होगी, बल्कि युद्ध के दुष्प्रभाव भी कम होंगे।

छग के आधा...

थे। अर्थात इन स्कूलों में सभी छात्र उत्तीर्ण रहे थे। इस बार यहां 60% छात्र ही उत्तीर्ण हो सके हैं। जिन विद्यालयों के प्राचार्यों पर कार्रवाई हुई है, वहां के रिजल्ट 30% से 47% तक खराब रहे हैं। यहां यह बताना लाजिमी है कि राज्य के आधा दर्जन जिलों में नतीजे अपेक्षाकृत खराब रहे हैं। कुछ स्कूलों की रिपोर्ट बेहद चिंताजनक भी है। ऐसे ही स्कूलों पर कार्रवाई की जा रही है। इधर, कार्रवाई का विरोध भी शुरू कर दिया गया है।

कलेक्टर को कार्रवाई...

सकती है। सभी कार्यवाही जिला के डीईओ व कलेक्टर करेंगे तो डीपीआई व स्कूल शिक्षा विभाग का औचित्य ही क्या होगा? संघ ने आरोप लगाते हुए कहा, जिम्मेदारी न लेते हुए डीईओ ने प्राचार्य पर कार्यवाही प्रस्तावित किया है। जो अधिकारी अपनी जिम्मेदारी को अपने अधिनस्थ पर संस्थापित कर रही है, उसे तत्काल डीईओ के पद से पृथक किया जाना चाहिए।

कुछ माह की...

शासकीय हाई स्कूल देवरी द तथा डौण्डी ब्लाक के पीएमश्री सेजस डौण्डी प्राचार्य को निलंबित किया गया है। जिन 14 प्राचार्यों की वेतन वृद्धि रोकी गई है, उनमें शासकीय सेजेस लाटाबोड़, शासकीय हायर सेकेण्डरी भेड़िया नवागांव, डौण्डीलोहारा के सेजेस अछोली, डौण्डी ब्लाक के शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भैसबोड़, शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गुजरा, सेजेस नयाबाजार, हाई स्कूल मंगलतराई, गुरूर ब्लाक के सेजेस बोहारा, शासकीय हाई स्कूल बागतराई, शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय ब्लाक गुरूर के प्राचार्य शामिल हैं। बताते हैं कि इनमे से कुछ प्राचार्य की सेवा अवधि कुछ माह ही शेष है। बालोद जिले में इस वर्ष कक्षा दसवीं की परीक्षा में कुल 10,144 परीक्षार्थियों में 6,867 उत्तीर्ण व 2520 अनुत्तीर्ण हुए थे। बारहवीं में कुल 8741 परीक्षार्थियों के परीक्षा परिणाम घोषित हुए, जिसमें 6,800 उत्तीर्ण व 819 अनुत्तीर्ण थे।

तमिलनाडु में 'विजय'...

नेहरू इनडोर स्टेडियम में शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। विजय ने सरकारी फाइलों पर पहली बार हस्ताक्षर करते हुए घरेलू उपभोक्ताओं को 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने और महिलाओं की सुरक्षा के लिए विशेष बल गठित करने को मंजूरी दी। राज्यपाल आर वी आर्लेकर ने विजय और उनके मंत्रिमंडल के नौ सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ लेने वाले मंत्रियों में द्रविड़ राजनीति के अनुभवी नेता के ए सेंगोट्टैयन और युवा चेहरे डॉ. टी के प्रभु तथा एस कीर्तना शामिल हैं। टीवीके कार्यकर्ताओं की लगातार गूंजती सीटियों के बीच विजय ने ईश्वर के नाम पर मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उनके मंत्रियों ने भी ईश्वर के नाम पर शपथ ली जो पूर्ववर्ती द्रमुक सरकार के अधिकतर मंत्रियों के शपथ ग्रहण से अलग रहा। टीवीके नेता आधव अर्जुन, एन आनंद, आर निर्मल कुमार, के जी अरुणराज और सेंगोट्टैयन ने मंत्री पद की शपथ ली। इन सभी को विजय की करीबी टीम का सदस्य माना जाता है। आमतौर पर सफेद कमीज और खाकी पतलून में नजर आने वाले विजय रविवार को शपथ ग्रहण समारोह में अलग अंदाज में दिखे। उन्होंने सफेद कमीज और गहरे रंग की पतलून के साथ कोट पहना था। उनके अधिकतर मंत्रिमंडलीय सहयोगी भी कमीज और पतलून में नजर आए। इस तरह टीवीके मंत्रिमंडल की पोशाक भी सामान्य परंपरा से अलग दिखी। इससे पहले तमिलनाडु में पुरुष नेता ऐसे अवसरों पर आम तौर पर सफेद धोती और सफेद कमीज पहने नजर आते रहे हैं। विजय के माता-पिता उनके बेटे को पहले ही चुनाव में राजनीतिक शिखर पर पहुंचते देख बेहद खुश और भावुक नजर आए। विजय ने तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के गठन के दो साल बाद यह चुनाव जीता। रविवार के शपथग्रहण समारोह के साथ ही द्रविड़ राजनीति के गढ़ तमिलनाडु में करीब 60 साल में पहली बार द्रमुक और अन्नाद्रमुक से इतर किसी दल की सरकार बनी। करीब एक घंटे तक चले कार्यक्रम के अंत में विजय ने मंच पर मौजूद राहुल गांधी और अपने मंत्रिमंडलीय सहयोगियों एवं अन्य लोगों के साथ सेल्फी ली। कार्यक्रम के दौरान जवाहरलाल नेहरू इनडोर स्टेडियम उत्साह से सराबोर दिखा जहां हजारों लोग अपने 'थलपति' (कमांडर) को 'मुथलमाइचर' यानी मुख्यमंत्री बनते देखने के लिए एकत्र हुए थे। यहां हर तरफ कठिन संघर्ष के बाद मिली जीत के जश्न का माहौल था। समारोह स्थल के भीतर माहौल बेहद उत्साहपूर्ण दिखा।

सुबह से ही पहुंच रही भीड़ की भावनाओं को व्यक्त करते हुए एक समर्थक ने कहा, हम थलपति की वजह से बहुत खुश हैं। टीवीके के चुनाव चिह्न सीटी की आवाजें चारों ओर गूंज रही थीं, वहीं समर्थक अपने नेता के सत्ता में आने का जश्न मनाते हुए पीले रंग की प्रधानता वाले पार्टी के शॉल लहरा रहे थे। अभिनेत्री सनम शेट्टी ने पत्रकारों से कहा कि यह क्षण तमिलनाडु की राजनीति के लिए एक बड़ी सफलता है। उन्होंने कहा, बहुमत हासिल करने और इतिहास रचने के बावजूद... राजनीतिक समीकरणों में बदलाव से भरा पिछला एक सप्ताह इतना कठिन रहा कि हम चैन से सो नहीं पाए। आज हम अपने प्रिय थलपति जोसेफ विजय के सुरक्षित हाथों में बेहतर तमिलनाडु के सपने के साथ चैन से सो पाएंगे। इस दिन का भावनात्मक महत्व विजय के पिता एस ए चंद्रशेखर के आवास पर सबसे अधिक दिखाई दिया।

गैस एजेंसी से...

तक उनके खिलाफ कोई मामला तक दर्ज नहीं हुआ। केवल 2001 में कांग्रेस सरकार में स्व. अजीत जोगी के कार्यकाल में भाजयुमो के हल्ला बोल आन्दोलन के तहत मुख्यमंत्री निवास घेराव कार्यक्रम में पुलिस की लाठी से घायल हुआ। धारा 307 के साथ अन्य धाराएं भी लगाई गई, लेकिन वे कोर्ट से बाइज्जत बरी हुए थे। उन्होंनें ऐसे आपराधिक कृत्यों में अपना नाम जोड़े जाने पर कड़ी आपत्ति जताई है।

ईरान के 14-सूत्री ...

पाकिस्तानी मध्यस्थों के जरिये वाशिंगटन को भेज दी है।

अमेरिका ने क्षेत्र में जारी तनाव और युद्ध को खत्म करने के लिए '9-सूत्री शांति योजना' पेश की थी। इसके जवाब में ईरान ने एक '14-सूत्री योजना' का कड़ा मसौदा तैयार किया है। इस ड्राफ्ट में ईरान ने स्पष्ट मांग की है कि अमेरिका उस पर लगे सभी आर्थिक प्रतिबंध तुरंत हटाए, ईरानी बंदरगाहों की नाकाबंदी खत्म करे और पूरे खाड़ी क्षेत्र से अपने सैनिकों को वापस बुलाए। इसके साथ ही, लेबनान में चल रहे इजरायली सैन्य अभियानों को रोकने की शर्त भी रखी गई है। ईरान का यह मास्टरप्लान 30 दिनों के भीतर अस्थायी युद्धविराम को स्थायी शांति में बदलने की रूपरेखा पेश करता है।

ईरान ने समुद्र में बहाया 3,000 बैरल तेल- फारस की खाड़ी में ईरान के खार्ग आईलैंड के पास बड़ा तेल रिसाव देखा गया है। सैटेलाइट तस्वीरों में समुद्र में फैला तेल साफ नजर आया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह रिसाव अमेरिकी प्रतिबंधों और होर्मुज में बढ़े तनाव के कारण हो सकता है। समुद्र में तेल करीब 51 वर्ग मील से ज्यादा इलाके में फैल चुका है। अनुमान है कि 3,000 बैरल से ज्यादा तेल पानी में बह गया है।

Skin Care
डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं
• लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग
• हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी
• कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

Sai Care Hospital
श्री सांई केयर हॉस्पिटल
डॉक्टर से सेकंड ओपिनियन, बिना किसी फीस हर सामेवार शाम।
फ्री ओपीडी सेवा महीने के प्रत्येक सोमवार समय: शाम 5 बजे से 7 बजे तक
उपलब्ध सेवाएं
कैंसर केयर, डायबिटिक केयर, पाईल्स केयर
डायबिटीज (मधुमेह) उपचार / लिवर व किडनी रोग
पाइल्स (बवासीर) का ऑपरेशन / थाइरॉयड सर्जरी
हाई ब्लड प्रेशर (उच्च रक्तचाप) / ब्रेस्ट लंप / ट्यूमर सर्जरी
आयुष्मान कार्ड द्वारा नि:शुल्क ईलाज सुविधा उपलब्ध
शिव मंदिर के पास, अवंती विहार, तेलीबांधा, रायपुर (छ.ग.) | बुक अपॉइंटमेंट : 0771-4020089, 9630067422

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग
» बांझपन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड
» बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज – अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

HMS ARSH-RAHAT
आयुर्वेदिक हानिरहित बवासीर का दवा
अर्श–राहत
बवासीर की समस्त समस्याओं से 5 दिनों में छुटकारा दिलाता है व दुबारा होने से भी रोकता है।
आपरेशन के खर्च व तकलीफ से बचना चाहते हैं तो अर्श-राहत का इस्तेमाल करें
HMS देखकर खरीदें
94060-21769

JHAIGO झाईगो 5+1 Cream
चेहरे को दागों से मुक्त कर सुंदरता बढ़ाये...
तो फिर क्या.. बस इस बार झाईगो क्रीम उपयोग कर देखें।
क्या आपके... चेहरे पर झाईयां है? आंखो पर काले घेरे हैं?
चेहरे पर मुहाँसे के काले निशान हैं? या जले या चोट के निशान हैं?

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- बिलिंग और स्टॉक पैकिंग, डिस्पेचिंग हेतु लड़कों की आवश्यकता है बिलिंग हेतु BUSY में काम किए हुए लड़के ही सम्पर्क करें- मीनाक्षी स्टील एजेन्सी पुराना हाईकोर्ट के सामने बिलासपुर 9669916000 **(40801)**

आवश्यकता है- दुकान में काम करने, सामान पैक करने, लाने लेजाने हेतु डिलीवरी ब्वाय चाहिए योग्यता 10वीं, वेतन 9000-10000 पता- मातुश्री ट्रेडिंग कम्पनी वेस्ट साइड शोरूम के बाजू, व्यापार विहार रोड बिलासपुर **(40829)**

आवश्यकता है- मेडिकल एजेन्सी में पैकिंग, डिलीवरी, पेमेन्ट कलेक्शन एवं सेल्समेन हेतु लड़के/ लड़कियों, पार्ट/ फुल टाइम, रिटायर्ड की आवश्यकता है वेतन अनुभव अनुसार पता- सिटी केमिस्ट मेडिकल काम्प्लेक्स बिलासपुर 7263990778, 9827193199 **(40827)**

आवश्यकता है-फील्ड कार्य हेतु मैनेजर, पेमेंट रिकवरी, कम्प्यूटर ऑपरेटर, बिजी, जीएसटी अकाउंट कोटेशन अनुभवी वाले लड़कों, लड़कियों, एवं मिस्त्री मैकेनिक चाहिए सम्पर्क करें- गोड़पारा गुरुद्वारा के बाजू में बिलासपुर 9669211111, 9827175811 **(40805)**

आवश्यकता है-हॉस्टल स्टाफ की आवश्यकता है DAC academy hostal Raipur रसोइया (Cook) वेतन 15000- 20000/- प्रतिमाह सहायक (helper) वेतन 12000- 15000/- प्रति माह सफाई कर्मचारी वेतन 8000- 10000/- प्रतिमाह सुबह एवं शाम की शिफ्ट उपलब्ध संपर्क करें -81098 10976 **(4696)**

आवश्यकता है-घरेलू गाड़ी चलाने के लिए चार से पांच वर्ष अनुभवी ड्राइवर की आवश्यकता है आधार कार्ड एवं लाईसेन्स के साथ सम्पर्क 9827223400 **(40814)**

आवश्यकता है- दुकान एवं घरेलू कार्य हेतु युवक की आवश्यकता है। रहने, खाने की सुविधा। सम्पर्क करें- सुबह 11 से 2बजे एवं शाम 5 से 9बजे गगन फ्लेक्स 27खोली चौक बिलासपुर 9039768650 **(40811)**

आवश्यकता है-एम्बियंस इंफ्रा ग्रुप बिलासपुर को आवश्यकता है सिविल सुपरवाइजर- 2पद अनुभव- न्यूनतम- 7वर्ष, वेतन- योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- साइट एड्रेस दयालबंद बिलासपुर 7049810000 **(40812)**

आवश्यकता है-ऑफिस कार्य हेतु कम्प्यूटर जानकार एवं टेली अनुभवी एक योग्य युवती चाहिए। सम्पर्क करें- साईं ट्रेडर्स, कैंट आरो आर्थराइज्ड सर्विस सेन्टर, श्याम प्लाजा नूतन चौक सरकंडा बिलासपुर 9770491492 9589583987 0775241192 **(40804)**

आवश्यकता है-कम्प्यूटर ऑपरेटर टेलीकॉलिंग एवं सेल्स (अनुभवी) की आवश्यकता है। इंटरव्यू सुबह 10:30 से शाम 5.30 सम्पर्क करें- वरुण सुजुकी राजीव गांधी चौक, रायपुर रोड, बिलासपुर 9174734567 **(40823)**

आवश्यकता है-CCTV कैमरा कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है इंस्टॉलेशन, फील्ड कार्य के अनुभवी को प्राथमिकता सैलरी, अन्य सुविधा चर्चा अनुसार। सम्पर्क करें- Techonica IT Solution राजकिशोर नगर बिलासपुर 8871111809 **(40809)**

आवश्यकता है- Ocean Company में ऑफिस हेतु 10वीं से ग्रेजुएट लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है उम्र 18-28, आय 10500 से 18000 रहना, खाना पता- न्यू बस स्टैण्ड, तिफरा, बिलासपुर 8818877406, 9644433021, 07752-337082 **(40799)**

आवश्यकता है-टिफिन सेन्टर में खाना और नाश्ता बनाने के लिए कुक की आवश्यकता है। घर जैसा नाश्ता खाना बनाना है। सम्पर्क करें- पद्मावती नाश्ता और टिफिन सेन्टर मंगला बिलासपुर 9755655055 **(40816)**

आवश्यकता है-क्लीनिक और रिटेल दवाई दुकान में काम करने हेतु अनुभवी लड़कों और लड़कियों की आवश्यकता है बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- कृष्णा स्कीन क्लीनिक सरकंडा बिलासपुर 7999677226 **(40820)**

आवश्यकता है-श्रेष्ठ डेंटल लैब में काम करने के लिए लड़के की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- डाउन टाउन होटल सहारा ऑफिस के पास राजकिशोर नगर बिलासपुर 8103333630 **(40822)**

आवश्यकता है-लॉज में डे और नाईट में काम करने हेतु लड़कों एवं ऑटोपार्ट्स दुकान में काम करने हेतु लड़के और लड़कियों को आवश्यकता है पता- पुराना बस स्टैण्ड बिलासपुर 7869523344, 7301717175 **(40806)**

आवश्यकता है- (1) कार/ ट्रक ड्राईवर ऑटोमेटिक एवं गेयर कार चलाना आता हो (2) जेसीबी लोडर मेंटेनेंस हेतु मिस्त्री/ सुपरवाइजर (3) घरेलू कार्य करने हेतु लड़की की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 7566194517 **(40797)**

आवश्यकता है-सिक्युरिटी कम्पनी में दिन या रात में काम करने हेतु इच्छुक व्यक्ति की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता, सम्पर्क करें- उमा सिक्योरिटी सर्विसेज बहतराई चौक सरकंडा बिलासपुर 9981630084, 94255 34940 **(40826)**

आवश्यकता है-मैग्नाइज्ड लाड्री कोचिंग डिपो एसईसी रेल्वे बिलासपुर एवं तोरवा स्थित लॉण्ड्री में ठेके के अन्तर्गत कार्य करने हेतु लड़की एवं लड़कों की आवश्यकता है। इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें- 8878641114 **(40802)**

Wanted-Wanted Labor and Driver for Cement truck in GOA Work for full year Accomm odation free Contact- 9923247298, 9422443730**(26-5249)**

आवश्यकता है-2पद आफिस साफ सफाई हेतु स्थोनीय युवक फ्रेशर की आवश्यकता है योग्यता 8वीं, आने, जाने के लिए स्वयं का वाहन अनिवार्य बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- थायरोकेयर तिलक नगर बिलासपुर 98274 02212 **(40793)**

आवश्यकता है-आफिस में साफ सफाई कर्मचारी, टेलीकालिंग स्टाफ, कम्प्यूटर स्टाफ, शिक्षक/ शिक्षिका (बायो) कार्य हेतु महिला, पुरुष की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार पता- मध्यनगरी चौक बिलासपुर प्रकाशन काम्प्लेक्स बिलासपुर 8770068557 **(40808)**

Required-Accountant Required Mfg Company. Sirgitti Bilaspur GST, TDS, IT & Finalisation exp. must 3 to 5 yrs exp. Contact- 9303790515 **(40798)**

आवश्यकता है- होम अप्लायंस शोरूम में कस्टमर हेंडलिंग, पेकेजिंग, बिलिंग हेतु लड़का, लड़की चाहिए। सैलरी- 8000 से योग्यता अनुसार। सम्पर्क करें- माँ गायत्री ट्रेडर्स होटल अजीत कॉम्प्लेक्स तेलीपारा, बिलासपुर 9179913671, 9109982387, 84500 91040 **(40800)**

आवश्यकता है-डोर स्टेप लॉन्ड्री में अनुभवी ड्राई क्लीनर कारीगर एवं डिलिवरी बॉय की अतिशीघ्र आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- ड्रीम बिल्डर्स के बगल में, मन्दिर चौक बिलासपुर 99079 80004, 9300003383 **(40794)**

आवश्यकता है- रावतपुरा युनिवर्सिटी रायपुर में सुपरवाइजर सुरक्षागार्ड चाहिए। ऊंचाई पुरुष 5'-6" लड़कियां 5'-5" वेतन सुपरवाइजर 16000, सुरक्षागार्ड 14000 अनुभवी को प्राथमिकता पता- एक्समैन सिक्यूरिटी वैशाली टॉवर हेमू नगर बिलासपुर 9754713125, 83499 74442 **(40786)**

आवश्यकता है- थोक दवाई एजेन्सी में कार्य करने हेतु एकाउंटेंट, माल निकालने, पैकिंग करने हेतु लड़के, लड़कियां एवं ड्राइवर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- गायत्री मेडिकल एजेन्सी, मेडिकल काम्पलेक्स, तेलीपारा बिलासपुर 7777012526 **(40807)**

आवश्यकता है- (1) वेलनेस एवं FMCG प्रोडक्ट्स की फील्ड मार्केटिंग हेतु कम्प्यूटर अनुभवी लड़का योग्यता- फार्मा, MBA, PGDCA (2) वेलनेस, आयुर्वेद प्रोडक्ट्स शॉपी हेतु अनुभवी व्यक्ति चाहिए योग्यता बीफार्मा, BAMS सम्पर्क- 7067124226 **(40673)**

आवश्यकता है- बिलासपुर अमेरी के घर में रहकर सभी प्रकार का नाश्ता, खाना बनाने, घर की देखरेख हेतु अनुभवी लड़की, महिला, विधवा, परित्यक्ता की जरूरत है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 7999043732 **(40796)**

आवश्यकता है-ऑफिस मैनेजर वर्क साइड वर्क रजिस्ट्री राजस्व विभाग डायवर्सन नामांतरण एवं नगर निगम संबंधी कार्य करने हेतु अनुभवी मैनेजर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 9770770000, 9827072000 **(40707)**

आवश्यकता है- सुरक्षा गार्ड 45, सुपरवाइजर 9 फील्ड अधिकारी 5, कंप्यूटर ऑपरेटर 2 वेतन योग्यतानुसार मेस सुविधा आवास भोजन फ्री संपर्कः- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालयः- 06 जे. शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका रायपुर 7746000016, 77470 00016, 7747000019, 7746000019 **(015)**

आवश्यकता है- ऑनलाइन कॉस्मेटिक सामान के पार्सल पैकिंग हेतु 2 लड़के, 4 लड़कियों की। वेतन 8000 कार्य समय 10 से 8 सम्पर्क- पाहवा इंटरप्राइजेज, गोल्डन बार के पीछे, व्यापार विहार बिलासपुर 8109168000 **(40781)**

आवश्यकता है-भारत के सबसे बड़े राइड बुकिंग प्लेटफॉर्म रैपिडो से जुड़ें ऑटो या ई-रिक्शा चलाकर प्रतिदिन 700 तक गारंटीड कमाई बिना कमीशन और 2000 तक जॉइनिंग बोनस पाएं कॉल करे- 8929449955 **(63172)**

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

बेचना है

बेचना है-वैष्णवी अपार्टमेंट के तृतीय तल पर मसानगंज बिलासपुर में 2BHK फ्लैट बेचना है इच्छुक व्यक्ति, संस्थान सम्पर्क करें- 08817 387841, 7974809122 **(40815)**

बेचना है- बिलासपुर सिरगिट्टी में गोविन्द नगर में 3225 वर्गफीट का पूर्वमुखी प्लॉट और व्यापार विहार में एक कमर्शियल प्लॉट बेचना है इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें 9630083740, 97706 76030 **(40782)**

बेचना है-आरबी ग्रीन विहार कालोनी, तिफरा यदुनन्दन नगर बिलासपुर मे सर्वसुविधायुक्त 4BHK मकान अतिशीघ्र बेचना है। नये बस स्टैण्ड से मात्र 1KM कीमत 65 लाख । खरीददार ही सम्पर्क करें- 8319407736, 97553 22838 **(40810)**

बेचना है-मेडिकल कॉम्प्लेक्स तेलीपारा में 10×25 की दुकान एवं ऊपर चार कमरे टोटल साइज 550 वर्गफुट बेचना है मेडिकल एजेन्सी के लिए उपयुक्त। सम्पर्क करें- 74895 44379, 9981890379 **(40791)**

बेचना है-धुरीपारा मंगला 4000 वर्गफीट 950/- प्रति वर्ग फुट 60×67, मंगला 500 वर्गफीट 15×33 फुट कोनी 1090वर्गफीट रहंगी चकरभाटा 15×30 फिट दुकान बेचना है पता- शकुन्तला सिंह कुदुदण्ड बिलासपुर 8319524783, 8305821589 **(40792)**

बेचना है- शांति नगर में रिंग रोड नं.- 2 में 1200 एवं 2400 वर्गफुट प्लॉट बेचना है और विद्या नगर में लड़कियों के लिए रूम किराए पर उपलब्ध है सम्पर्क करें- 9301261901 **(40830)**

बेचना है- 40×75= 3000 फुट पश्चिम मुखी जैन होस्टल वाली गली CMD चौक पास विनोब नगर में हॉस्टल एवं PG बनाने हेतु उपयुक्त शानदार लोकेशन में। कीमत 4500/- फुट सम्पर्क- 9827938236, 8817374543 **(40803)**

किराया

किराया- प्रथम तल पर स्थित सर्वसुविधायुक्त मकान एक बेडरूम, हॉल, किचन, अटैच बाथरूम, बालकनी (24घंटे पानी, cctv, पार्किंग सुविधा) किराये पर देना है सम्पर्क करें- सरजू बगीचा मसानगंज बिलासपुर 9425229827, 7694077000 **(14739)**

किराया - प्रीमियम वेयर हाउस/ खुला प्लॉट/ गोदाम किराये हेतु तोरवा बिलासपुर में होटल रेडडायमंड के सामने मुख्य रोड पर 5000- 40000 वर्गफीट उपलब्ध इंडस्ट्रीयल, लॉजिस्टिक्स, कॉर्पोरेट हेतु उपयुक्त सम्पर्क- 96176 05544, 9111911145 **(40828)**

फायनेंस

फाइनेन्स- महालक्ष्मी फाइनेन्स द्वारा सभी प्रकार लोन उपलब्ध बिजनेस, पर्सनल, कृषि महिला समूह, मकान, दुकान, लघु उद्योग, पर्सनल लोन, आधार कार्ड, पैन कार्ड प्रति उपलब्ध 2% ब्याज, 30% छूट सम्पर्क करें- 90393 10732, 8280401638 **(4344)**

Medicare Specialists
छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330

आपके सपनों का आशियाना
जल्द होगा आपका...

पढ़ते रहे हरिभूमि क्लासिफाइड
सब कुछ है यहां

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेंवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

आखिरी गेंद पर जीती रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, भुवनेश्वन के सिक्स ने पलटा मैच का रुख

टॉप पर पहुंची आरसीबी, मुंबई इंडियंस की छुट्टी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

कुणाल पंड्या ने ठोके 73 रन, भुवनेश्वर कुमार ने चटकाए 4 विकेट

गत चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) रविवार को कृणाल पंड्या (73 रन) के अर्धशतक से रोमांच की पराकाष्ठा तक पहुंचे इंडियन प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस को 2 विकेट से हराकर तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई। पिछले दो मैच में हार का सामना करने वाली आरसीबी (14 अंक) ने तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार (23 रन देकर 4 विकेट) के गेंद से शानदार प्रदर्शन के बाद उनके अंत में दो गेंद में (एक छक्के से) सात रन की मदद से शानदार जीत दर्ज की, जिससे मुंबई इंडियंस आईपीएल प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई।

कृणाल (46 गेंद में 4 चौके और 5 छक्के) और जैकब बेथेल (27) के बीच चौथे विकेट के लिए 42 गेंद में 55 रन की भागीदारी के दम पर आरसीबी ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 167 रन बनाकर रोमांचक जीत दर्ज की। तिलक वर्मा (57 रन) के अर्धशतक के बावजूद मुंबई इंडियंस भुवनेश्वर की शानदार गेंदबाजी के सामने 7 विकेट पर 166 रन ही बना सकी।

कोर्बिन बॉश की घातक गेंदबाजी

आरसीबी की शुरुआत खराब रही, जिसने पावरप्ले में विराट कोहली (शून्य), देवदत्त पडीक्कल (12) और कप्तान रजत पाटीदार (08) के विकेट गंवाए। लेकिन कृणाल एक छोर पर डटे रहे, उन्होंने बेथेल के साथ मिलकर जिम्मेदारी संभाली। फिर उन्होंने और जितेश शर्मा (18) ने पांचवें विकेट के लिए 22 गेंद में 37 रन जोड़े। लेकिन कोर्बिन बॉश (4 ओवर में एक मेडन, 26 रन देकर 4 विकेट) के दोहरे झटकों से आरसीबी की उम्मीदों पर पानी फिरता दिख रहा था, जिन्होंने लगातार गेंदों पर जितेश और टिम डेविड को आउट किया। आरसीबी ने 14वें ओवर में सबसे ज्यादा 16 रन जुटाए।

धोनी-कोहली के बराबर पहुंचे रोहित

आरसीबी के खिलाफ आईपीएल के 54वें मैच में उतरते ही एमआई के रोहित शर्मा ने बड़ा रिकॉर्ड बना दिया। रोहित आईपीएल इतिहास में सर्वाधिक मैच खेलने वाले संयुक्त रूप से 'नंबर-1' खिलाड़ी बन गए हैं। शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में जब रोहित उतरे, तो यह उनका 278वां आईपीएल मैच था। महेंद्र सिंह धोनी और विराट कोहली भी इतने ही आईपीएल खेल चुके हैं। इस लिस्ट में दूसरे पायदान पर मौजूद रवींद्र जडेजा ने अपने आईपीएल करियर में 265 मैच खेले हैं, जबकि दिनेश कार्तिक 257 मुकाबलों के साथ तीसरे पायदान पर हैं।

भुवी ने की मलिंगा और बुमराह की बराबरी

भुवनेश्वर कुमार सबसे ज्यादा बार आईपीएल सीजन में 20 विकेट हासिल करने वाले गेंदबाजों की सूची में संयुक्त रूप से दूसरे पायदान पर पहुंच गए हैं। इस सीजन 11 मुकाबलों में 21 विकेट अपने नाम कर लिए हैं। भुवनेश्वर कुमार ने चौथी बार किसी आईपीएल सीजन में 20 विकेट निकाले हैं। इससे पहले साल 2014, 2016 और 2017 में भुवी ऐसा कर चुके हैं। इस मामले में लसिथ मलिंगा (2011, 2012, 2013, 2015) और जसप्रीत बुमराह (2017, 2020, 2021, 2024) की बराबरी कर ली है। सबसे ज्यादा बार आईपीएल सीजन में 20 विकेट हासिल करने वाले खिलाड़ियों में युजवेंद्र चहल शीर्ष पर हैं।

कोहली बैक टू बैक जीरो पर आउट

विराट कोहली आईपीएल 2026 में लगातार दूसरे मैच में जीरो पर आउट हुए हैं। इससे पहले लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच में उनका खाता नहीं खुला था। तेज गेंदबाज प्रिंस यादव ने विराट को बोल्ड किया था। इससे पहले 2022 सीजन में ऐसा हुआ था। लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ जीरो पर आउट होने के बाद सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच में भी विराट कोहली के बल्ले से रन नहीं निकला था।

स्कोर बोर्ड

मुंबई इंडियंस	रन	गेंद	4	6
रिकलटन का पाटीदार बो भुवनेश्वर	02	4	0	0
रोहित का जितेश बो भुवनेश्वर	22	10	2	2
नमन धीर बो सलाम	47	32	5	2
सूर्यकुमार का कोहली बो भुवनेश्वर	00	1	0	0
तिलक वर्मा बो भुवनेश्वर	57	42	3	2
विल जैक्स का बेथेल बो शेफर्ड	10	10	1	0
बावा का पाटीदार बो हेजलवुड	16	14	1	0
कोर्बिन बॉश नाबाद	05	5	0	0
दीपक चाहर नाबाद	01	2	0	0

अतिरिक्त : 06 कुल : 20 ओवर में 166/7 रन
गेंदबाजी : भुवनेश्वर 4-0-23-4, हेजलवुड 4-0-33-1, रसिख सलाम 4-0-42-1, शेफर्ड 3-0-18-1, कृणाल 3-0-26-0, सुयश 2-0-21-0.

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	रन	गेंद	4	6
बेथेल का तिलक बो बॉश	27	27	2	0
कोहली का बावा बो चाहर	00	1	0	0
पडीक्कल का रिकलटन बो चाहर	12	11	1	1
पाटीदार का रिकलटन बो बॉश	08	8	1	0
कृणाल का तिलक बो गजनफर	73	46	4	5
जितेश का नमन धीर बो बॉश	18	12	1	2
डेविड का रिकलटन बो बॉश	00	1	0	0
शेफर्ड का तिलक बो राज बावा	04	11	0	0
रसिख सलाम नाबाद	03	2	0	0
भुवनेश्वर कुमार नाबाद	07	2	0	1

अतिरिक्त : 15 कुल : 20 ओवर में 167/ 8रन
गेंदबाजी : चाहर 4-0-33-2, बुमराह 4-0-20-0, बॉश 4-1-26-4, जैक्स 2-0-13-0, गजनफर 3-0-33-1, बावा 3-0-39-1.

चेन्नई की लखनऊ पर रोमांचक जीत, बने 400 से ज्यादा रन

- सीजन में प्ले ऑफ से बाहर होने वाली पहली टीम बनी लखनऊ

एजेंसी ▶▶ चेन्नई

चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) ने इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मैच में रविवार को लखनऊ सुपरजायंट्स (एलएसजी) को 5 विकेट से हराकर प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को मजबूत किया। उर्विल पटेल ने 13 गेंद में अर्धशतक पूरा कर भारतीय सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के रिकॉर्ड की बराबरी की। उन्होंने 23 गेंद में आठ छक्कों और दो चौकों की मदद से 65 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली।

जोश इंग्लिस की 33 गेंद में 85 रन की आक्रामक पारी के बावजूद सुपरकिंग्स ने जैमी ओवरटन की शानदार गेंदबाजी के बूते सुपरजायंट्स को 8 विकेट पर 203 रन पर रोकने के बाद 19.2 ओवर में पांच विकेट पर 208 रन बनाकर जीत दर्ज की। टीम 11 मैचों में छठी जीत के बाद 12 अंक के साथ तालिका में पांचवें स्थान पर पहुंच गई, जबकि अंतिम पायदान पर काबिज सुपरजायंट्स की आठवीं हार के बाद प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें खत्म हो गई।

स्कोर बोर्ड

लखनऊ	रन	गेंद	4	6
इंग्लिस का सैमसन बो ओवरटन	85	33	10	6
मार्श का ब्रेविस बो कंबोज	10	10	0	1
पूरन का सरफराज बो नूर	01	3	0	0
ऋषभ पंत बो ओवरटन	15	12	2	0
एडेन मारक्रम रन आउट	06	7	0	0
रघुवंशी का उर्विल बो ओवरटन	18	18	1	0
शाहबाज अहमद नाबाद	43	25	3	3
हिम्मत सिंह बो कंबोज	17	12	1	1
मोहम्मद शमी रन आउट	00	1	0	0
आवेश खान नाबाद	00	0	0	0

अतिरिक्त: 08 कुल योग: 20 ओवर में 203/8 रन
गेंदबाजी: अकील हुसैन 4-0-49-0, मुकेश चौधरी 4-0-45-0, अंशुल कंबोज4-0-47-2, नूर अहमद 4-0-24-1, जैमी ओवरटन 4-0-36-3.

चेन्नई सुपरकिंग्स	रन	गेंद	4	6
संजू सैमसन बो राठी	28	14	3	2
गायकवाड़ बो शाहबाज	42	28	3	2
उर्विल का आवेश बो शाहबाज	65	23	2	8
कार्तिक का रघुवंशी बो आवेश	20	20	1	0
डेवाल्ड ब्रेविस बो राठी	10	12	1	0
शिवम दुबे नाबाद	15	7	0	2
प्रशांत वीर नाबाद	17	12	0	2

अतिरिक्त: 11 कुल योग: 19.2 ओवर में 208/5 रन
गेंदबाजी: मोहम्मद शमी 4-0-37-0, प्रिंस यादव4-0-36-0, दिग्वेश राठी 4-0-45-2, आवेश खान 4-0-44-1, शाहबाज अहमद 3-0-30-2, एडेन मारक्रम 0.2-0-14-0.

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
हैदराबाद	11	7	4	14
पंजाब	10	6	3	13
बेंगलुरु	10	6	4	12
राजस्थान	10	6	4	12
चेन्नई	11	6	5	12
गुजरात	10	6	4	12
कोलकाता	10	4	5	9
दिल्ली	11	4	7	8
मुंबई	10	3	7	6
लखनऊ	11	3	8	6

ऑरेंज कैप

हेनरिक क्लासेन
494 रन
हैदराबाद

पर्पल कैप

भुवनेश्वर कुमार
17 विकेट
बेंगलुरु

खबर संक्षेप

शिविर में हिस्सा लेगी भारतीय महिला हॉकी टीम

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया राष्ट्रीय महिला टीम के ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले सोमवार से बेंगलुरु में एक संक्षिप्त शिविर आयोजित करेगा। यह तैयारी शिविर इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि टीम एफआईएच नेशंस कप से पहले एक अनुभव दौरे के लिए ऑस्ट्रेलिया जाएगी। एफआईएच नेशंस कप 15 से 21 जून तक ऑकलैंड में होगा। इस साल के आखिर में बेल्जियम में महिला विश्व कप 2026 और एशियाई खेल भी होने वाले हैं। शिविर में वही 31 खिलाड़ी शामिल होंगी, जो अप्रैल में मुख्य कोच शोर्ड मारिन के मार्गदर्शन में हुए पिछले राष्ट्रीय शिविर का हिस्सा थीं।

72 का कार्ड खेलने के बाद शीर्ष 40 से बाहर हुए संधू

बार्सिलोना। युवराज संधू एस्ट्रेला डैम कैटालुन्या चैंपियनशिप के तीसरे दौर में ईवन पार 72 का कार्ड खेलने के बाद संयुक्त रूप से 46वें स्थान पर खिसक गए।तीसरे दिन अच्छी शुरुआत के बाद आखिरी 9 होल में एक डबल बोगी और एक बोगी करने के कारण उनका स्कोर 72 रहा। उनका कुल स्कोर चार-अंडर (68-72-72) है। इससे पहले शुभंकर शर्मा और वीर अहलावत कट हासिल करने में असफल रहे थे। संधू ने टूर्नामेंट की शुरुआत शानदार अंदाज में चार-अंडर 68 के साथ की थी, लेकिन दूसरे दिन उन्हें संघर्ष करना पड़ा और उन्होंने ईवन पार 72 का स्कोर बनाया।

गुकेश ने रेपिड में 9 और ब्लिट्ज में 8 अंक जुटाए

नीमैन ने जीता खिताब, गुकेश को छठे स्थान पर करना पड़ा संतोष

सुपर रेपिड एवं ब्लिट्ज

एजेंसी ▶▶ वारसॉ

विश्व चैंपियन डी. गुकेश को छठे स्थान से संतोष करना पड़ा जबकि अमेरिका के हेन्स मोके नीमैन ने अंत तक धैर्य बरकरार रखते हुए 'सुपर रेपिड एवं ब्लिट्ज' का खिताब जीत लिया। यह टूर्नामेंट 'ग्रैंड चेस टूर' का हिस्सा है। गुकेश ने 36 संभावित अंक में से 17 अंक हासिल करके अपना अभियान समाप्त किया।

खिलाड़ियों ने 9 रेपिड और 18 ब्लिट्ज बाजियां खेलीं। हर रेपिड बाजी जीतने पर 2 अंक और ब्लिट्ज बाजी जीतने पर एक अंक निर्धारित था। गुकेश ने रेपिड में 9 और ब्लिट्ज में 8 अंक जुटाए। हालात और भी खराब हो सकते थे लेकिन गुकेश ने आखिरी दौर में पोलैंड के डूडा यान-क्रिस्टोफ को हराकर वापसी की। गुकेश ने ग्रैंड चेस टूर के मुख्य टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया था और इस साल वे केवल रेपिड और ब्लिट्ज प्रारुपों में ही खेलेंगे। सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन गुकेश इस साल के अंत में नार्वे शतरंज टूर्नामेंट के अलावा अमेरिका के जावोखिर सिंदारोव के खिलाफ विश्व चैंपियनशिप मुकाबला भी खेलने वाले हैं।

गुकेश को आखिरी दिन तीन मिलीं जीत

गुकेश को आखिरी दिन तीन जीत मिलीं। उन्होंने अमेरिका के वेस्ली सो, नीमैन और डूडा को हराया। उन्हें चार हार का सामना करना पड़ा, जिसमें सिंदारोव के खिलाफ शिकस्त भी शामिल है। सिंदारोव ने गुकेश के साथ खेले गए तीन मैच की व्यक्तिगत भिड़ंत में 2-1 के अंतर से जीत हासिल की। नीमैन ने आखिरी दो दौर जीते और टूर्नामेंट का समापन कुल 22.5 अंक के साथ किया।

22 अंक के साथ दूसरे स्थान पर करुआना

अमेरिका के फाबियानो करुआना 22 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जो वेस्ली से एक अंक अधिक है। स्लोवेनिया के व्लादिमीर फेडोसेव 18 अंक के साथ चौथे स्थान पर रहे जबकि फ्रांस के अलिरेजा फिरोजा ने पांचवां स्थान हासिल किया। ग्रैंड चेस टूर का कारवां अब 'सुपर क्लासिक' टूर्नामेंट के लिए रोमानिया की राजधानी बुखारेस्ट की ओर बढ़ेगा और इस टूर्नामेंट में भारत की ओर से एकमात्र खिलाड़ी आर प्रज्ञानानंदा हिस्सा लेंगे।

सिटी ने आर्सेनल पर बढ़ाया दबाव

- मैनचेस्टर सिटी ने ब्रेंटफोर्ड को एकतरफा मुकाबले में 3-0 से हराया
- डोकू, एर्लिंग हेलैंड और ओमार मारमोश ने गोल दागे

एजेंसी ▶▶ मैनचेस्टर

मैनचेस्टर सिटी ने ब्रेंटफोर्ड को एकतरफा मुकाबले में 3-0 से हराकर अंक तालिका में शीर्ष पर चल रहे आर्सेनल पर दबाव बढ़ा दिया। सिटी की ओर से जेरेमी डोकू, एर्लिंग हेलैंड और ओमार मारमोश ने गोल दागे, जिससे आर्सेनल और दूसरे स्थान पर चल रही इस टीम के बीच अब सिर्फ दो अंक का अंतर रह गया है। आर्सेनल के 35 मैच में 76 जबकि सिटी के इतने ही मैच में 74 अंक हैं।

तुमकुरु ओपन : जस्टिना ने जीता एकल का खिताब

एजेंसी ▶▶ तुमकुरु

शीर्ष वरीयता प्राप्त जस्टिना मिकुल्सकाइट ने रविवार को आईटीएफ डब्ल्यू35 तुमकुरु ओपन टूर्नामेंट के महिला एकल वर्ग का खिताब जीता, जब दूसरी वरीयता प्राप्त जुजाना पावलिकोवस्का को चोट के कारण मैच से हटना पड़ा।

कंधे की चोट के कारण जुजाना ने तकलीफ में होने के बावजूद खिताबी मुकाबले के लिए तुमकुरु जिला टेनिस संघ स्टेडियम के कोर्ट पर उतरकर जबरदस्त हिम्मत दिखाई। हालांकि पहले गेम के बाद पोलैंड की खिलाड़ी मैच जारी नहीं रख सकीं, जिससे जस्टिना ने जीत दर्ज की।

दर्शकों को हाथ लगी निराशा

इससे दर्शकों को निराशा हाथ लगी, जो शीर्ष दो वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों के बीच रोमांचक फाइनल की उम्मीद में आए थे। यह जस्टिना का आठवां आईटीएफ एकल खिताब था है। ट्रॉफी के साथ लिथुआनिया की इस खिलाड़ी को विजेता के तौर पर 4,860 डॉलर और 35 डब्ल्यूटीए रैंकिंग अंक भी मिले। जुजाना को उपविजेता रहने के लिए 2,637 डॉलर और 23 डब्ल्यूटीए अंक मिले।

इटैलियन ओपन: सिनर की धमाकेदार शुरुआत, तीसरे राउंड में एंट्री

एजेंसी ▶▶ रोम

- सिनर ने दूसरे राउंड में ऑफनर को सीधे सेटों में हराया

दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी जैनिक सिनर ने इटैलियन ओपन की धमाकेदार शुरुआत की है। सिनर ने दूसरे राउंड में सेबेस्टियन ऑफनर को सीधे सेटों में 6-3, 6-4 से हराया।

घरेलू दर्शकों के बीच सिनर ने हमेशा की तरह बेहतरीन खेल की बदौलत मैच पर दबदबा कायम किया। सिनर ने पहले सेट में सिर्फ पांच अनफोर्स्ड एरर किए और विपक्षी को मैच में वापसी का कोई मौका नहीं दिया। सिनर ने मैच की शुरुआत में एक नाजुक ड्रॉप शॉट मारकर सर्व ब्रेक किया और मैच पर पूरा नियंत्रण कर लिया। मैच एक घंटा 31 मिनट तक चला।

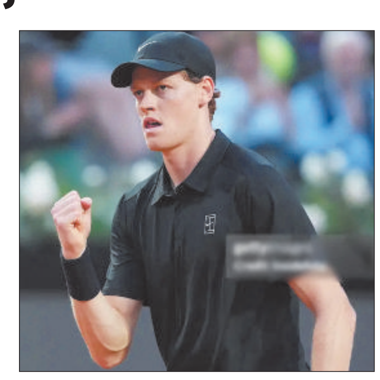

फेडरर के बराबरी पर आए सिनर

सिनर की एटीपी मास्टर्स 1000 जीतने की स्ट्रीक 29 मैचों तक पहुंच गई, जिससे वह सीरीज में तीसरी सबसे लंबी स्ट्रीक के लिए रोजर फेडरर के साथ बराबरी पर आ गए। जीत के बाद जैनिक सिनर ने कहा, मैं यहां आकर बहुत खुश हूं। पहले दिन से ही, यह मेरे लिए एक बहुत ही खास टूर्नामेंट रहा है। इटैलियन होने के नाते आप हर साल इस टूर्नामेंट के बारे में थोड़ा सोचते हैं। सिनर का तीसरे राउंड का मुकाबला एलेक्सी पोपिरिन है।

टी20 वर्ल्ड कप के लिए बांग्लादेश स्क्वॉड का ऐलान

- लगातार तीसरी बार कप्तान होंगी निगार सुल्ताना

ढाका। 12 जून से 5 जुलाई तक इंग्लैंड में खेले जाने वाले महिला टी20 विश्व कप के लिए बांग्लादेश ने अपने स्क्वाड का ऐलान कर दिया है। निगार सुल्ताना की कप्तानी में 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की गई है। निगार सुल्ताना लगातार तीसरे टी20 विश्व कप में बांग्लादेश की कप्तानी करेंगी। बांग्लादेश की स्क्वॉड में टॉप-ऑर्डर की बल्लेबाज ताज नेहर की वापसी हुई है, जबकि हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ सीरीज में खेलने वाली सरमिन सुल्ताना को ड्रॉप कर दिया गया है। 2023 और 2024 एडिशन में टीम की कप्तानी कर चुकीं निगार सुल्ताना की टीम में इस बार युवा खिलाड़ियों के साथ अनुभवी खिलाड़ियों का भी मिश्रण है। अनुभवी खिलाड़ी के रूप में फहीमा खातून शामिल हैं, जो अपना सातवां टी20 विश्व कप खेलने के लिए तैयार हैं। फहीमा के अलावा नाहिदा अख्तर, रितु मोनी और कप्तान निगार 2016 से टीम का हिस्सा हैं।

चार सेट के बाद स्कोर बराबर, शूट ऑफ में निकला नतीजा

तीरंदाजी विश्व कप: भारत ने चीन को हराकर जीता स्वर्ण पदक

एजेंसी ▶▶ शंघाई

दीपिका कुमारी, अंकिता भकत और कुमकुम मोहोद की भारतीय महिला रिकर्व टीम ने रविवार को तीरंदाजी विश्व कप के दूसरे चरण में मेजबान और खिताब के प्रबल दावेदार चीन को शूट ऑफ में हराकर स्वर्ण पदक जीत लिया।

रोमांचक फाइनल में भारत ने पहला सेट जीता लेकिन चीन ने वापसी करते हुए मुकाबला बराबर कर दिया। निर्धारित चार सेट के बाद स्कोर बराबर रहने के कारण शूट ऑफ कराया गया। भारतीय तिकड़ी ने निर्णायक क्षणों में संयम बनाए रखते हुए 5-4 (28-26) से जीत दर्ज की। अनुभवी दीपिका ने दबाव के बीच अंतिम शूट ऑफ तीर पर अहम 9 अंक जुटाकर भारत को 2021 के बाद पहला विश्व कप स्वर्ण पदक दिलाया।

- दीपिका ने दबाव में जुटाए अहम 9 अंक
- भारत को मिला 2021 के बाद पहला विश्व कप गोल्ड

दीपिका ने अपनी टीम का बढ़ाया हौसला
नियुक्तियों को लेकर चल रहे गतिरोध के बीच बिना किसी पूर्णकालिक राष्ट्रीय कोच के यात्रा करते हुए बेहद अनुभवी दीपिका ही थीं, जिन्होंने आगे बढ़कर नेतृत्व किया और लगातार अपनी टीम की साथियों का हौसला बढ़ाया।

तीन साल में पहला विश्व कप पदक

दीपिका के नाम 2010 से अब तक सात विश्व कप टीम स्वर्ण पदक हो गए हैं। यह भारतीय महिला रिकर्व टीम का तीन साल में पहला विश्व कप पदक भी है। इससे पहले टीम 2023 में पेरिस में चरण चार में पोडियम पर पहुंची थी, जिसमें अंकिता पदक जीतने वाली टीम की सदस्य थीं। शंघाई में भारत अब तक दो पदक जीत चुका है। इससे पहले कंपाउंड तीरंदाज साहिल जाधव ने शनिवार को कांस्य पदक जीतकर देश के पदक का खाता खोला था। भारत एक और पदक की दौड़ में बना हुआ है। रिकर्व तीरंदाज सिमरनजीत कौर दिन में बाद में सेमीफाइनल में उतरेंगी और विश्व कप में अपना पहला पदक जीतने के लिए उन्हें एक जीत की जरूरत है।

सेमीफाइनल में कांग चेयांग से हारी सिमरनजीत

सिमरनजीत कौर के लिए यह दिल तोड़ने वाला अनुभव रहा जब उन्हें सेमीफाइनल में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी दक्षिण कोरिया की कांग चेयांग के खिलाफ सीधे सेट में हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद कांस्य पदक के लिए हुए प्लेऑफ में उन्हें एक और कोरियाई खिलाड़ी जांग मिनही से हार मिली। इस तरह भारत ने अपने अभियान का समापन दो पदक (एक स्वर्ण, एक कांस्य) के साथ किया।

रिसर्च

नई स्टडी ने बताया, पृथ्वी का निर्माण कैसे हुआ

मंगल ग्रह और धरती के बीच मिला ऐसा कनेक्शन, जिससे वैज्ञानिक हैरान

ब्रह्मांड में कई ऐसे रहस्य मौजूद हैं, जिनके बारे में अलग-अलग जानकारी अक्सर आती हैं। हाल में ही वैज्ञानिकों ने एक ऐसी खोज की है, जिसने सभी को हैरान कर दिया है।

बर्न। नई स्टडी में इस बात को समझने के काफी करीब ला दिया है कि पृथ्वी का निर्माण करने वाला पदार्थ मूल रूप से कहां से आया था, जिससे ग्रह की उत्पत्ति के बारे में पहले के सिद्धांतों को चुनौती मिली है।

दरअसल, वैज्ञानिकों ने हमेशा इस खोज पर काम किया है कि पृथ्वी का निर्माण कैसे हुए है। वैज्ञानिकों ने पहले माना था कि धरती का निर्माण बुध, शुक्र और मंगल के साथ आंतरिक सौर मंडल में हुआ था।

वहीं, इसके पदार्थ का एक बड़ा हिस्सा बृहस्पति की कक्षा से परे बाहरी सौर मंडल से आया होगा. हालांकि, नई रिसर्च में कुछ ऐसा दावा है, जिसने सब कुछ अलग कर दिया है। नई शोध में पाया गया कि पृथ्वी का निर्माण लगभग पूरी तरह से आंतरिक सौर मंडल में पाए जाने वाले पदार्थ से हुआ था।

जानिए पूरी रिसर्च के बारे में

गौरतलब है कि स्विटजरलैंड की यूनिवर्सिटी ईटीएच ज्यूरिख के वैज्ञानिकों ने मेटियोराइट्स यानी उल्कापिंड की जांच की. इसके बाद वैज्ञानिकों ने मंगल और वेस्टा (एस्टरॉइड बेल्ट का एक बड़ा टुकड़ा) के मेटियोराइट्स की तुलना पृथ्वी से की। इस दौरान वैज्ञानिकों को चौंकाने वाला नजीता मिला। एक रिपोर्ट में बताया गया कि वैज्ञानिकों ने पाया कि धरती लगभग पूरी तरीके से अंदरूनी सौर मौडल के पदार्थ से बनी है। बाहरी सौर मंडल का मटेरियल पृथ्वी के कुलवजन का 2 प्रतिशत से भी कम है। इस शोध को लेकर वैज्ञानिक पाओली सोसी ने कहा कि पृथ्वी का निर्माण एक ही प्रकार के पदार्थ के भंडार से हुआ है। वहीं, पाओली सोसी के साथी डैन बोवर को यह देखकर काफी आश्चर्य प्रकट करते हैं कि पृथ्वी पूरी तरह से अंदरूनी हिस्से के मटेरियल से बनी है। अध्ययन के अनुसार, पृथ्वी पूरी तरह से गैर-कार्बनयुक्त पदार्थ से बनी है और इस बात का कोई सबूत नहीं है कि यह आंतरिक और बाहरी सौर मंडल के पदार्थों के संयोजन से बनी है।

क्या मानते रहे हैं वैज्ञानिक?

वैज्ञानिकों का लंबे समय से मानना रहा है कि बृहस्पति ने अपने प्रबल गुरुत्वाकर्षण के कारण सौर मंडल को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ऐसा माना जाता है कि बृहस्पति ने मंगल के आकार को प्रभावित किया, क्षुद्रग्रह पेटी के निर्माण में सहायता की और युवा सौर मंडल को दो अलग-अलग पदार्थ भंडारों में विभाजित किया.

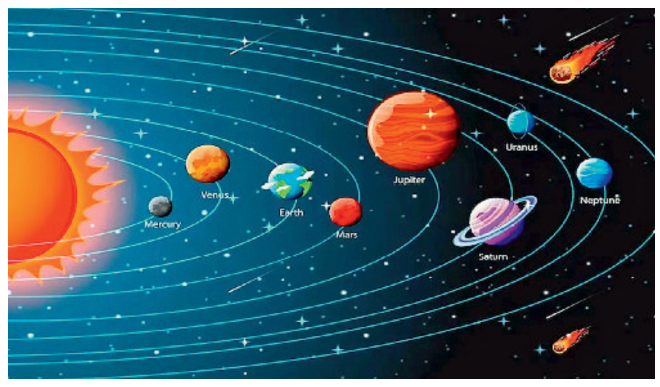

पृथ्वी और मंगल ग्रह की संरचना एक जैसी

वैज्ञानिकों ने बताया कि नए अध्ययन के विश्लेषण से पता चलता है कि शुक्र और बुध की संरचना का अनुमान भी लगाया जा सकता है। जानकारी के अनुसार, इस रिपोर्ट में पृथ्वी और अन्य चट्टानी ग्रहों के निर्माण इतिहास जानने की कोशिश की गई है। वैज्ञानिक मानते हैं कि पृथ्वी की संरचना मंगल ग्रह से काफी मिलती-जुलती है।

32 किलोमीटर का रास्ता किया 10 घंटे में पूरा

श्रीलंका से भारत तैरकर आया बेंगलुरु का ये कपल

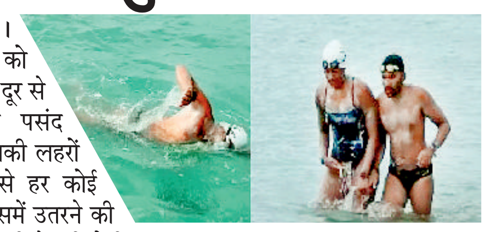

बेंगलुरु। समंदर को अक्सर लोग दूर से निहारना ही पसंद करते हैं। उसकी लहरों की ताकत से हर कोई कांपता है, इसमें उतरने की हिम्मत हर किसी में नहीं होती। मगर कुछ लोग ऐसे होते हैं, जो सिर्फ सपने नहीं देखते, उन्हें सच करने के लिए लहरों से भी टकरा जाते हैं। बेंगलुरु के दानिश अब्दी और वृषाली प्रसाद ने कुछ ऐसा ही कर दिखाया, जिसने हर किसी को चौंका दिया।

इस साहसी कपल ने श्रीलंका से भारत तक फैली करीब 32 किलोमीटर की समुद्री दूरी को तैरकर पार कर लिया। यह सफर आसान नहीं था, तेज धाराएं, उठती-गिरती लहरें और शरीर को तोड़ देने वाली थकान के बीच उन्होंने 10 घंटे 45 मिनट तक लगातार पानी में खुद को बनाए रखा।

चुनौतीपूर्ण समुद्री रास्ता

खुले समुद्र में तैरना किसी स्विमिंग पूल या प्रतियोगिता जैसा बिल्कुल नहीं होता। यहां हर पल हालात बदल सकते हैं, कभी लहरें उफान पर होती हैं, तो कभी धाराएं दिशा बदल देती हैं। ऐसे में लगातार घंटों तक तैरते रहना मानसिक और शारीरिक दोनों तरह से बेहद चुनौतीपूर्ण होता है। लेकिन इस कपल ने हर मुश्किल का डटकर सामना किया और बिना रुके अपनी मंजिल तक पहुंच गए। इस पूरे सफर के दौरान उनके साथ एक सपोर्ट टीम, पैरामेडिक्स और तटरक्षक दल मौजूद था, जो हर पल उनकी सुरक्षा पर नजर रखे हुए थे। जब वे आखिरकार तट पर पहुंचे, तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

हजार साल पुराने किले के नीचे मिला पाताल का द्वार

लंदन। हजार साल पुराने एक रहस्यमयी किले के नीचे ऐसी गुफा मिली है, जिसने वैज्ञानिकों से लेकर इतिहासकारों तक को हैरान कर दिया है। जमीन के अंदर छिपे इस सुरंगनुमा रास्ते को लोग पाताल का रास्ता कह रहे हैं। गुफा के अंदर प्राचीन पत्थर की मूर्ति, दुर्लभ निशान और बहुत ही पुराने अवशेष मिले हैं, जो मानव इतिहास के कई अनछुए पहलुओं की तरफ इशारा करते हैं।

खास बात यह है कि गुफा का अंदरूनी नजारा इतना हैरान करने वाला है कि वैज्ञानिक भी इसे अपने जीवन की सबसे बड़ी खोजों में से एक बता रहे हैं। यह गुफा ब्रिटेन के वेल्स में स्थित पेमब्रोक कैसल में मिली है। ब्रिटेश के इस गुफा में करीब 1 लाख साल पुराने सबूत मिलने का दावा किया जा रहा है, जिसे एक्सपर्ट्स 'वन्स-इन-अ-लाइफटाइम डिस्कवरी' बता रहे हैं।

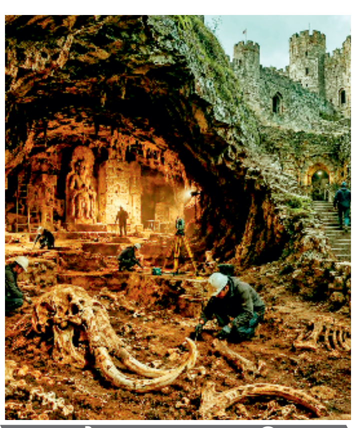

लाखों साल पुराना इतिहास

ब्रिटेन के इस गुफा में हुई शुरुआती जांच ने पूरी दुनिया को हैरान किया है। रिसर्चर्स को यहां 1 लाख साल से भी ज्यादा पुराने इंसानी और जानवारों के अवशेष मिले हैं। कुधाई के दौरान पत्थरों के औजारों के साथ-साथ मैमथ यानी विशालकाय प्राचीन हाथी, ऊनी गैंडे और दरियाई घोड़ों की हड्डियां मिली हैं। यह इस ओर इशारा है कि हजारों साल पहले ब्रिटेन की जलवायु आज से बिलकुल अलग थी और यहां ये जीव रहा करते थे।

किले के नीचे छिपी है एक अलग ही दुनिया

पेमब्रोक कैसल वही जगह है जहां राजा हेनरी **VII** का जन्म हुआ था। किले की दीवारों के अन्दर एक घुमावदार सीढ़ी सीधे इस गुफा तक जाती है। यह गुफा करीब 23 मीटर लंबी और 10 मीटर तक ऊंची है। कई सालों तक इतिहासकारों का मानना था कि विक्टोरियन काल की खुदाई के कारण यहां की ऐतिहासिक सामग्री खत्म या फिर नष्ट हो चुकी होगी। लेकिन, 2021 से 2024 के बीच हुई खुदाई ने इस धारणा को गलत साबित कर दिया। वैज्ञानिकों को सतह के नीचे प्राचीन काल की ऐसी परतें मिली हैं, जो पूरी तरह सुरक्षित हैं।

इस शहर में होती है घोंघों की रेस, धीमी जिंदगी का जश्न मनाते हैं यहां के लोग

ताइपे। आज की दुनिया में जहां हर कोई घड़ी की सुइयों से आगे निकलने की दौड़ में लगा है, वहीं कुछ जगहें ऐसी भी हैं जो इस रफ्तार को चुनौती देती हैं। यहां के लोगों का मानना है कि जिंदगी सिर्फ तेज भागने का नाम नहीं, बल्कि ठहरकर उसे महसूस करने का भी हुनर है। इसी सोच को जीता है ताइवान का एक छोटा-सा शहर, जो 'धीमेपन' को अपनी पहचान बना चुका है।

हुलिएन काउंटी में बसा फेंगलिन शहर तेज जिंदगी के बजाय सुकून भरे जीवन को अपनाता है। यहां लोग हर पल को आराम से जीने में विश्वास रखते हैं, और यही वजह है कि यहां होने वाली अनोखी 'घोंघा रेस' पूरे देश में चर्चा बटोर रही है। जिस घोंघे की चाल को आमतौर पर धीमेपन का प्रतीक माना जाता है, उसी को

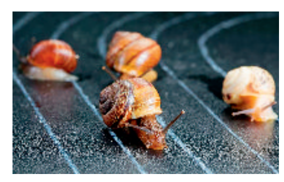

इस शहर ने अपने गौरव का हिस्सा बना लिया है। फेंगलिन में घोंघा सिर्फ एक जीव नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक फिलॉसफी है।

दुनिया का वो रहस्यमयी कोना, जहां हर रात गिरती हैं हजारों बार बिजली

काराकास। क्या आप किसी ऐसी जगह के बारे में सोच सकते हैं, जहां आसमान से बिजली गिरना मौसम खराब होना या फिर कोई इत्तेफाक नहीं, बल्कि हर रात का नियम हो? सुनने में भले ही यह अजीब लग रहा हो, लेकिन एक ऐसी झील है, जहां यह हर रात होता है। वेनेजुएला की मैराकाइबो झील एक ऐसी जगह है, जिसने पूरी दुनिया के वैज्ञानिकों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। नासा के नए सैटेलाइट डेटा ने अब यह साफ कर दिया है कि यह झील दुनिया का सबसे एक्टिव लाइटनिंग हॉटस्पॉट है।

कोंगो को पछाड़कर नंबर-1 बना मैराकाइबो : कई सालों तक वैज्ञानिकों का मानना था कि अफ्रीका का कोंगो बेसिन दुनिया में सबसे ज्यादा बिजली कड़कने वाला क्षेत्र है। लेकिन हाई-रिजोल्यूशन सैटेलाइट टेक्नोलॉजी और नासा के लाइटनिंग इमेजिंग सेंसर ने इस सोच को पूरी तरह से बदल दिया है। नई मैपिंग से पता चला है कि मैराकाइबो झील में बिजली गिरने की तीव्रता और फ्रीक्वेंसी दुनिया के किसी भी दूसरे स्थान से कहीं ज्यादा है।

आखिर रात में ही क्यों मचती है तबाही?

ज्यादातर तूफान और बिजली दिन की गर्मी से पैदा होता है और फिर रात होते ही ठंडे पड़ जाते हैं। लेकिन, मैराकाइबो झील का मामला बिल्कुल अलग है। यहां रात के समय आसमानी बिजली का सबसे खतरनाक रूप देखने को मिलता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक किसी किसी दिन तो यहां हजारों बार बिजली गिरती है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादकः प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com